31st Annual Report

2023 - 2024



जल ही जीवन है
Water is elixir of life.

IFFDC

Preserving Nature . Nurturing Lives

इंडियन फार्म फारेस्ट्री डवलपमेन्ट कोआपरेटिव लिमिटेड

INDIAN FARM FORESTRY DEVELOPMENT COOPERATIVE LIMITED



डा. यू.एस. अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको द्वारा आई.एफ.एफ.डी.सी. कटक (ओडिशा) कार्यालय भ्रमण के दौरान लाभार्थी कृषक को पावर स्प्रे भेंट करते हुए



आई.एफ.एफ.डी.सी. की विशेष आमसभा बैठक के प्रतिभागीगणों को संबोधित करते हुए श्री प्रहलाद सिंह, अध्यक्ष, आई.एफ.एफ.डी.सी.

मुखपृष्ठ में मुद्रित मधुबनी पेंटिंग परियोजना समुदाय मुजफ्फरपुर (बिहार) के सदस्य द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण के दौरान बनाई गई है।

विषय सूची
Contents

6 | निदेशक मंडल
Board of Directors

8 | आई.एफ.एफ.डी.सी. लिमिटेड
IFFDC Limited

12 | हमारा दृष्टिकोण
Our Approach

14 | परियोजनाओं का विवरण
Details of Projects

16 | निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report

18 | क्लाईमेट एक्शन
Climate Action

18 | सामाजिक वानिकी विकास
Social Forestry Development

30 | जलग्रहण प्रबंधन (पारिस्थितिकीय प्रतिस्कंदन)
Watershed Management (Ecological Resilience)

34 | कृषक उत्पादक संगठन
Farmer Producers Organisation

38 | सी.एस.आर. पहल
C.S.R. Initiative

44 | समन्वित ग्रामीण आजीविका विकास
Integrated Rural Livelihood Development

48 | सार्वभौमिक अवधान
Cross Cutting Interventions

48 | सामुदायिक संस्थायें
Community Institutions

50 | जेंडर को मुख्य धारा से जोड़ना एवं महिला सशक्तिकरण
Gender Mainstreaming and Women Empowerment

54 | क्षमता निर्माण
Capacity Building

58 | बीज एवं अन्य कृषि आदान
Seed and Other Agri-Inputs

58 | बीज
Seed

64 | उर्वरक एवं कृषि रसायन
Fertilisers & Agro-Chemicals

70 | मानव संसाधन विकास
Human Resource Development

72 | प्रचार–प्रसार गतिविधियाँ
Publicity Activities

74 | आभार
Acknowledgements

76 | पुरस्कार तथा सम्मान
Awards and Recognitions

78 | सहयोगी संस्थाएं
Support Organisations

80 | वित्त एवं लेखा – वित्तीय स्नॉपशॉट
Finance & Accounts - Financial Snapshot

81 | स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditors' Report

84 | तुलन पत्र
Balance Sheet

85 | लाभ हानि लेखा
Profit & Loss Account

86 | वित्तीय कथनों पर टिप्पणियाँ
Notes on Financial Statements

100 | नकदी प्रवाह का विवरण
Cash Flow Statement

आई.एफ.एफ.डी.सी. एक दृष्टि में

पंजीयन
अक्टूबर 22, 1993 को बहुराज्यीय सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1984 (तत्पश्चात् एम.एस.सी.एस. (संशोधन) अधिनियम 2023) के अंतर्गत

कार्यक्षेत्र
संपूर्ण भारतवर्ष

सदस्य समितियाँ
172
प्राथमिक वानिकी समितियाँ - **151**
सदस्य - **19,118** (**34%** महिला सदस्य)

पोर्टफोलियो

परियोजनाएं

सामाजिक वानिकी, जलवायु परिवर्तन एवं कार्बन ट्रेडिंग
बंजर भूमि पर वृक्षारोपण (संचयी क्षेत्र)
29,421 हैक्टेयर
कुल विद्यमान वृक्ष
109 लाख

कृषक उत्पादक संगठन संवर्द्धन
कृषक उत्पादक संगठन
88 (56,832 सदस्य)

आजीविका विकास
आजीविका उत्थान सुनिश्चितीकरण
5.7 लाख
परिवार से अधिक

जल संसाधन विकास
273 चैक डैम
1176 तालाब
1,327 कुँए
326 एल.डी.पी.ई. टैंक

कुल संवर्द्धित सामुदायिक संस्थाऐं
2868
(1,11,688 सदस्य)

स्वयं सहायता समूहों का गठन
गठित स्वयं सहायता समूह
1,907 (सदस्यता 19,529)
(94% महिला सदस्य)

जलग्रहण प्रबंधन
उपचारित क्षेत्र
18,837 हैक्टेयर

वाड़ी विकास
8515
आदिवासी परिवार
विकसित फलोद्यान
3,406 हैक्टेयर

प्रमाणित बीज उत्पादन एवं विपणन

- खाद्यान्न
- संकर बीज
- सब्जी बीज
- नकदी फसलें
- चारा फसलें
- तिलहन
- दलहन
- पोषक धान्य

प्रमाणित बीज उत्पादन
3.27
लाख क्विंटल

प्रमाणित बीज विपणन
3.23
लाख क्विंटल

इफको उर्वरक एवं कृषि आदान विपणन

- जल विलेय एवं स्पेशिएलिटी उर्वरक — 0.30 लाख मैट्रिक टन
- इफको नैनो यूरिया प्लस/ नैनो डीएपी (तरल) — इफको नैनो यूरिया/ डी.ए.पी. बोतल 35.10 लाख (संख्या)
- फास्फेट एवं पोटाश युक्त उर्वरक — 6.96 लाख मैट्रिक टन
- नाइट्रोजन युक्त उर्वरक — 8.48 लाख मैट्रिक टन
- सागरिका दानेदार एवं तरल — सागरिका दानेदार 0.11 लाख मीट्रिक टन, सागरिका तरल 2.39 लाख लीटर
- जैव उर्वरक — 1.09 लाख लीटर



IFFDC at a glance

Registration
On 22nd October, 1993 under Multi-State Cooperative Societies Act, 1984 (subsequently under MSCS (Amendment) Act, 2023)

Area of Operation
The Whole Indian Union

Member Cooperatives
172
Primary Forestry Cooperatives - 151
Members - 19,118 (34% Women Members)

PORTFOLIO

Projects

Social Forestry, Climate Change & Carbon Trading
Wasteland Afforested (Cum. Area)
29,421 ha
Total Existing Trees
109 Lakh

Promotion of Farmer Producers Organisation
Farmers Producer Organisation (FPO)
88 (56,832 members)

Livelihood Development
Ensuring Livelihood Improvement
More than
5.7 lakh families

Total Community Institutions Developed
2868
(1,11,688 members)

Water Resource Development
273 Checkdams,
1,176 Ponds
1,327 Wells,
326 LDPE Tanks

Watershed Management
Area treated
18,837 ha

Formation of SHGs
Self Help Groups Formed
1,907 (Membership 19,529)
(94% women members)

Wadi Development
Tribal Families
8515
Fruit Orchard Developed
3,406 ha

Certified Seed Production & Marketing

- Cereal
- Hybrid Seeds
- Vegetable Seeds
- Cash Crops
- Fodder Crops
- Oilseeds
- Pulses
- Nutri-Cereal

Certified Seed Production
3.27
Lakh qtl.

Certified Seed Marketing
3.23
Lakh qtl.

IFFCO Fertilisers & Agri-inputs Marketing

- Water Soluble & Speciality Fertilisers — 0.30 Lakh MT
- IFFCO Nano Urea Plus/ Nano DAP (Liquid) — IFFCO Nano Urea/ DAP Bottle 35.10 Lakh (Nos.)
- Phosphatic and Potassic Fertilisers — 6.96 Lakh MT
- Nitrogenous Fertilisers — 8.48 Lakh MT
- Sagarika (Granular & Liquid) — Sagarika Granular 0.11 Lakh MT, Sagarika Liquid 2.39 Lakh Litres
- Bio Fertilisers — 1.09 Lakh Litres



IFFDC
Preserving Nature . Nurturing Lives

इंडियन फार्म फारेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड
Indian Farm Forestry Development Cooperative Limited

मिशन

क्लाईमेट एक्शन (जलवायु परिवर्तन में कमी, अनुकूलन व सहनशीलता विकसित करना) हेतु संगठित प्रयासों से प्राकृतिक संसाधनों के चिरन्तर प्रबन्धन द्वारा लोगों के सामाजिक – आर्थिक स्तर का उत्थान।

विज़न

चिरन्तर सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से गरीबों की क्षमताओं में वृद्धि करके उनकी आकांक्षाओं को पूर्ण करने में सहायता करना एवं उन्हें एक ऐसा वातावरण प्रदान करना जिससे उन्हें नए अवसरों की प्राप्ति हो ताकि वे अपने मूलाधार संसाधनों की वृद्धि एवं विकास कर, एक सम्मानित जीवन व्यतीत कर सकें।

उद्देश्य

- एकीकृत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि पद्धतियों के माध्यम से क्लाईमेट एक्शन एवं कार्बन क्रेडिट सृजन।
- पारिस्थितिकीय संतुलन एवं चिरंतर ग्रामीण आजीविका संसाधनों के लिए बंजर भूमि का विकास।
- सी.एस.आर. के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, कृषि उत्पादन, पशुधन विकास, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, कौशल विकास व रोजगार सृजन, खेलकूद, संस्थागत विकास एवं पर्यावरण सुधार की गतिविधियों का क्रियान्वयन
- स्वयं व अपनी सदस्य समितियों की ओर से आवश्यकता अनुसार बीज, कृषि आदानों, कृषि औजारों/मशीनों व अन्य सहायक वस्तुओं का उत्पादन, प्रसंस्करण, वितरण व विपणन संबधी कार्य करना।
- सदस्यों/सामुदायिक संस्थानों को वित्तीय, तकनीकी, विस्तार एवं विपणन सेवायें प्रदान करना।

Mission

To enhance the socio-economic status of the people through collective action by Sustainable Natural Resources Management for climate action (mitigation, adaptation and resilience development).

Vision

Assisting the poor to enhance their capabilities for attaining their aspirations; Creating enabling environment for the poor to access new opportunities and develop & enhance resource base essential for leading a dignified life through sustainable community institutions.

Objectives

- Climate Action & Carbon Credits Generation through Integrated Natural Resources Management and Farming System Approach.
- Wasteland development for ecological balance and engendering sustainable rural livelihood resources.
- To undertake CSR initiatives on Community Health and Sanitation, Safe Drinking Water, Agriculture Production, Livestock Development, Women Empowerment, Education, Skill Development & Employment Generation, Sports, Institutional Development and Environment Up-gradation.
- To undertake production, processing, distribution and marketing of seed and other need based Agricultural Inputs, Agricultural Implements / Machineries and other allied articles on its own or on behalf of its members.
- To provide Financial, Technical, Extension and Marketing services to members / community institutions.

IFFDC
Preserving Nature . Nurturing Lives

इंडियन फार्म फारेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड
Indian Farm Forestry Development Cooperative Limited

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS



अध्यक्ष / Chairman
प्रहलाद सिंह
Prahlad Singh



उपाध्यक्ष / Vice-Chairman
दया कृष्ण भट्ट
D.K. Bhatt



निदेशक / Director
योगेंद्र कुमार
Yogendra Kumar



निदेशक / Director
गुरु प्रसाद त्रिपाठी
G.P. Tripathi



निदेशक / Director
इंदरजीत कौर
Inderjeet Kaur



निदेशक / Director
राजपती सिंह
Rajpati Singh



निदेशक / Director
लीला कँवर
Leela Kanwar



निदेशक / Director
छोटेलाल पाण्डेय
Chhotelal Pandey



निदेशक / Director
डाडम चंद जाट
Dadam Chand Jat



निदेशक / Director
दीनानाथ सिंह सोलंकी
Deenanath Singh Solanki



निदेशक / Director
अंकित परिहार
Ankit Parihar



निदेशक / Director
आदित्य यादव
Aditya Yadav



प्रबंध निदेशक / Managing Director
एस.पी. सिंह
S.P. Singh

पूर्व अध्यक्ष
Ex-Chairman



डा. वी. कुमार
Dr. V. Kumar
(अक्टूबर 22, 1993–फरवरी 11, 2003)
(October 22, 1993-February 11, 2003)



दयाकृष्ण भट्ट
D.K. Bhatt
(फरवरी 12, 2003–जून 25, 2009)
(February 12, 2003-June 25, 2009)



गुरु प्रसाद त्रिपाठी
Guru Prasad Tripathi
(जून 26, 2009–जून 21, 2019)
(June 26, 2009-June 21, 2019)



उमेश त्रिपाठी
Umesh Tripathi
(जून 22, 2019–मार्च 25, 2022)
(June 22, 2019-March 25, 2022)

पूर्व मुख्य कार्यकारी
Ex-Chief Executives



स्व. डा. ओ.पी. गौड़
Late Dr. O.P. Gaur
(अक्टूबर 22, 1993–अगस्त 31, 2000)
(October 22, 1993-August 31, 2000)



अशोक आलम्बेन
Ashok Alambain
(सितम्बर 01, 2000–सितम्बर 03, 2002)
(September 01, 2000-September 03, 2002)



स्व. डा. पी.एस. मरवाहा
Late Dr. P.S. Marwaha
(सितम्बर 03, 2002–सितम्बर 02, 2008)
(September 03, 2002-September 02, 2008)



प्रवीण अग्रवाल
Praveen Agarwal
(सितम्बर 03, 2008–अक्टूबर 13, 2008)
(September 03, 2008-October 13, 2008)



डा. के.जी. वानखेड़े
Dr. K.G. Wankhede
(अक्टूबर 14, 2008–अगस्त 31, 2015)
(October 14, 2008-August 31, 2015)

आई.एफ.एफ.डी.सी. लिमिटेड

हमारे बारे में

इंडियन फार्म फारेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड (आई.एफ.एफ.डी.सी.) वर्ष 1993 में अस्तित्व में आई, जबकि इसका कार्य वर्ष 1986–87 में पहले ही प्रारम्भ हो चुका था। इसकी प्रवर्तक संस्था, इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्यों में प्रक्षेत्र वानिकी के द्वारा पर्यावरण संतुलन एवं बंजर भूमि विकास का कार्य प्रारम्भ किया था, जिसे, देश भर में ग्रामीण विकास तथा गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के साथ समन्वित कर आगे बढ़ाने हेतु आई.एफ.एफ.डी.सी. को हस्तांतरित कर दिया गया था।

सामुदायिक आवश्यकताओं के आधार पर, आई.एफ.एफ.डी.सी. ने प्रक्षेत्र वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन के साथ–साथ जलग्रहण प्रबंधन, जलवायु अवरोधन, पोषण एवं आर्थिक सुरक्षा, आजीविका उत्थान, सी.एस.आर. पहल, महिला सशक्तिकरण, कृषक उत्पादक संघ सहित सामुदायिक संस्था निर्माण, कौशल विकास तथा आय अर्जन, बीज उत्पादन एवं कृषि आदान आपूर्ति आदि के द्वारा अपने पोर्टफोलियो के विविधीकरण तथा विस्तारीकरण पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। जिसमें, समुदाय की उभरती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सहभागी पद्धतियों को अपनाया गया।

पिछले एक दशक से, संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र में विस्तार कर उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल तथा जम्मू एवं कश्मीर राज्यों में भी निरन्तर रूप से कार्य प्रारम्भ कर दिया है। संस्था, वर्तमान में, सभी कृषि जलवायु क्षेत्रों के अन्तर्गत 20 राज्यों में कार्यरत है तथा इसने अब तक 348 करोड़ रुपये (संचयी) से भी अधिक की विभिन्न ग्रामीण विकास की परियोजनाओं का संचालन किया है। साथ ही, फसल उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के उद्देश्य के साथ, किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति करने के लिए बीज उत्पादन एवं विपणन कार्यक्रम का संचालन कर रही है और किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि–आदानों की आपूर्ति भी की जा रही है।



आई.एफ.एफ.डी.सी. की 30वीं वार्षिक आम सभा बैठक के अवसर पर उपस्थित निदेशक मण्डल व प्रतिनिधिगणों को संबोधित करते हुए इफको के प्रबंध निदेशक डा. यू.एस. अवस्थी

IFFDC Ltd.

About Us

Indian Farm Forestry Development Cooperative Limited (IFFDC) came into existence formally in 1993, although its work had begun in 1986-87. Its promoter, Indian Farmers Fertiliser Cooperative Limited (IFFCO), had launched programmes of eco-restoration and wasteland development through farm forestry in the states of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan and these programmes were subsequently handed over to the IFFDC for being scaled up and integrated with rural livelihood development and poverty alleviation programmes in the country.

Based on Community Needs, IFFDC has diversified its portfolio and has broadened its focus to include in addition to Farm Forestry and Climate Change, activities such as Watershed Management, Climate Proofing, Nutritional and Economic Security, Livelihoods, CSR initiative, Women Empowerment, Community Institution Building including Farmer Producer Organisations, Skill Development & Income Generation, Seed Production and Agri-Input Supply etc. This has been done by adopting approaches that are participatory in nature and designed to cater to the emerging and evolving needs of the community.

Over the past decade, IFFDC has also expanded its territorial scope of action and started sustained operations in the States of Uttarakhand, Himachal Pradesh, Haryana, Punjab, Gujarat, Chhattisgarh, Maharashtra, Odisha, Jharkhand, Bihar, West Bengal, Telangana, Andhra Pradesh, Karnataka, TamilNadu, Kerala and Jammu & Kashmir. With its presence in 20 States covering all the agro-climatic zones, it has so far implemented various rural development projects worth more than Rs. 348 crore (cumulative). Simultaneously, it is also undertaking Seed Production and Marketing Programme to provide quality seed and also supplying quality agri-inputs to farmers with the objective of increasing their crop production & productivity.



Shri D.K. Bhatt, Vice-Chairman, IFFDC addressing the delegates of Special General Body Meeting of IFFDC

वैधानिक स्थिति

संस्था का पंजीयन बहुराज्यीय सहकारी समितियाँ अधिनियम (एम.एस.सी.एस.), 1984 (तत्पश्चात् एम.एस.सी.एस. (संशोधन) अधिनियम, 2023) के अंतर्गत सहकारिता एवं कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 22, 1993 को किया गया। इसकी पंजीयन सं. MSCS/CR/37/93 है।

सदस्यता

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको), राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एन.सी.डी.सी.), राज्य सहकारी संघ, प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियाँ (पी.एफ.एफ.सी.एस.), प्राथमिक आजीविका विकास सहकारी समितियाँ (पी.एल.डी.सी.एस.), इसकी सदस्य हैं। 31 मार्च, 2023 को 172 सहकारी समितियाँ, आई.एफ.एफ.डी.सी. की सदस्य हैं।

शेयर पूँजी

100 करोड़ रुपये की अधिकृत शेयर पूँजी के सापेक्ष 31.03.2023 तक इसकी अभिदत्त व प्रदत्त पूँजी 13.37 करोड़ रुपये है, जो निम्नानुसार है:–

प्रत्येक शेयर का मूल्य (₹)	शेयर धारक	शेयरों की संख्या
50,000	इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड	2,507
	राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम	8
10,000	उ.प्र. सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड	1
	म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड	1
1,000	प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियाँ लिमिटेड एवं प्राथमिक आजीविका विकास सहकारी समितियाँ लि.	7,935

गवर्नेंस

ग्रामीण समुदाय के समन्वित विकास के लिए प्रतिबद्ध, आई.एफ.एफ.डी.सी. की गवर्नेंस संरचना सहकारिता के मूल्यों एवं सिद्धांतों के उच्चस्तरीय मानकों को ध्यान में रखते हुए बहुराज्यीय सहकारी समिति (संशोधन) अधिनियम/नियमावली 2023 के प्रावधानों के अनुरूप गठित की गयी। इसके आन्तरिक प्रबन्धन एवं कार्य, इसके उपनियमों के अनुसार ही संचालित किये जाते हैं।

संस्था के ढाँचे में व्यवसाय पारदर्शिता, आन्तरिक नियंत्रण एवं समीक्षा प्रक्रियाएं समाहित हैं। समिति की नीतियाँ एवं कार्य पद्धतियाँ न केवल सांविधिक अपेक्षाओं को पूरा करती हैं बल्कि, इसके भागीदारों के सर्वोच्च हितों को सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं।

निदेशक मण्डल

आई.एफ.एफ.डी.सी. के निदेशक मण्डल में विविधि पृष्ठभूमि वाले, प्राथमिक स्तर के निर्वाचित सहकारगणों के साथ–साथ संस्थाओं के प्रतिनिधित्व हेतु नामित व सहयोजित 13 सदस्य हैं। जिनसे, अंशधारक सदस्यों की आवश्यकता एवं हितों की पूर्ति सुनिश्चित होती है। महिलाओं के प्रतिनिधित्व के क्रम में निदेशक मण्डल में दो स्थान महिला निदेशकों के लिए आरक्षित किये गये हैं।

क्रियान्वयन स्तर पर आई.एफ.एफ.डी.सी., सामाजिक एवं ग्रामीण विकास से सम्बन्धित विविध क्षेत्रों जैसे कृषि, इंजीनियरिंग, सामाजिक, सहकारिता, वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, विपणन एवं सामान्य प्रबंधन में दक्ष तथा उच्च अनुभव रखने वाले प्रबंधकों के माध्यम से कार्य करती है।

Legal Status

IFFDC was registered on 22nd October, 1993 by the Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture, Government of India as a Multi-State Cooperative Society under the Multi-State Cooperative Societies (MSCS) Act, 1984 (subsequently under the MSCS (Amendment) Act 2023) with Registration No. "MSCS/CR/37/93".

Membership

Indian Farmers Fertiliser Cooperative Ltd. (IFFCO), National Co-operative Development Corporation (NCDC), State Cooperative Federations, Primary Farm Forestry Co-operative Societies (PFFCS) and Primary Livelihood Development Cooperative Societies (PLDCS) are members of the IFFDC. As on March 31, 2023, IFFDC has 172 Cooperative Societies as its members.

Share Capital

Against an authorized share capital of Rs. 100 crore, the IFFDC's subscribed and paid-up capital as on 31.03.2023 is Rs. 13.37 crore illustrated as under:

Value of Each Share (₹)	Shareholders	No. of Shares
50,000	Indian Farmers Fertiliser Cooperative Limited	2,507
	National Cooperative Development Corporation	8
10,000	Uttar Pradesh Sahakari Gram Vikas Bank Ltd.	1
	Madhya Pradesh State Cooperative Marketing Federation Ltd.	1
1,000	Primary Farm Forestry Cooperative Societies Ltd. and Primary Livelihood Development Cooperative Societies Ltd.	7,935

Governance

Committed to the integrated development of India's rural community, the IFFDC governance structure is designed adhering to the highest standards of Cooperative Values and Principles and is in conformity with the provisions of the Multi State Cooperative Societies (Amendment) Acts & Rules, 2023. Its internal management and functions are guided by its Bye-laws.

With business systems and processes in place that are designed for transparency, internal control and enabling adequate review, IFFDC's policies and practices are not only consistent with current statutory requirements, but also reflect its commitment to ensure the best interests of its members/stakeholders.

Board of Directors

IFFDC has 13 members from diverse backgrounds on its Board of Directors. These comprise grassroots based elected co-operators as well as nominated and co-opted members, who represent institutions that cater to the need and interests of its shareholders. Two seats on the Board are reserved for elected women Directors to represent the women.

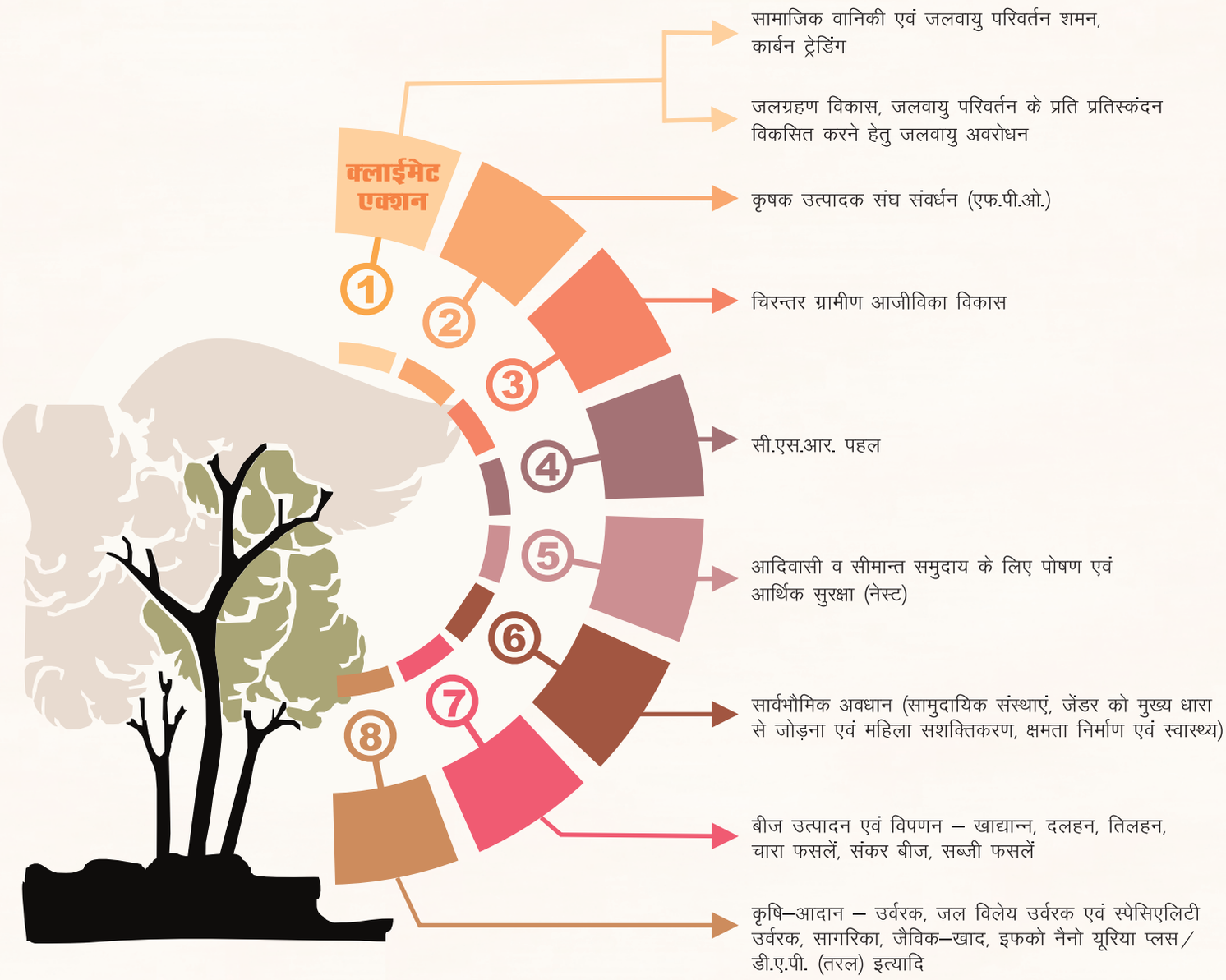
On its operational front, IFFDC functions through skilled managers, who have wide experience & expertise in diverse fields related to social and rural development, agriculture, engineering, social, cooperation, finance, information technology, marketing and general management.

हमारा दृष्टिकोंण

आई.एफ.एफ.डी.सी. का मुख्य उद्देश्य विकास की गति में ग्रामीण समुदाय के लिए आजीविका के अवसरों का उत्थान करना है। इसकी यह धारणा है कि, ग्रामीण विकास, इन समुदायों की प्रत्येक स्तर पर सक्रिय भागीदारी से ही प्राप्त किया जा सकता है। जो, इसकी समग्र सहभागी पहुँचों में समाहित है तथा क्षमताओं के निर्माण में विशेष बल के साथ इसके विविध पोर्टफोलियो में अन्तःनिर्मित है। समुदायों को परस्पर सहबद्ध रखने और मुख्य रूप से इसके अवधानों को दीर्घावधि तक चिरन्तर बनाये रखने के लिए सहकारिता के मार्ग पर आधारित संस्थागत निर्माण करना ही इसके कार्यक्रमों का प्रमुख आधार रहा है।

आई.एफ.एफ.डी.सी. ने विकास एवं सम्बन्धित धारणाओं की उभरती आवश्यकताओं के परिणामस्वरूप प्रादुर्भावित विशिष्ट मुद्दों पर कार्य करने के लिए तदानुसार अपनी रणनीतियाँ बनाईं। संस्था के पिछले दो दशकों के अर्जित अनुभवों ने इसके नये क्रियाकलापों को निश्चित किया, जिससे ग्रामीण विकास के क्षेत्र में संस्था को अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने में मदद मिली।

प्रारंभिक तौर पर प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियों ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को सम्बोधित कर वर्तमान समय में, वैश्विक समुदाय का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। आई.एफ.एफ.डी.सी. ने समयानुसार विभिन्न पोर्टफोलियों को अपनी कार्यप्रणाली में सम्मिलित करते हुए अपने ग्रामीण विकास के मुद्दों का विस्तारीकरण किया जिनमें अधिकांशतया इसके ग्रामीण विकास की कार्यसूची में से उभर कर आये हैं जो निम्नानुसार हैः

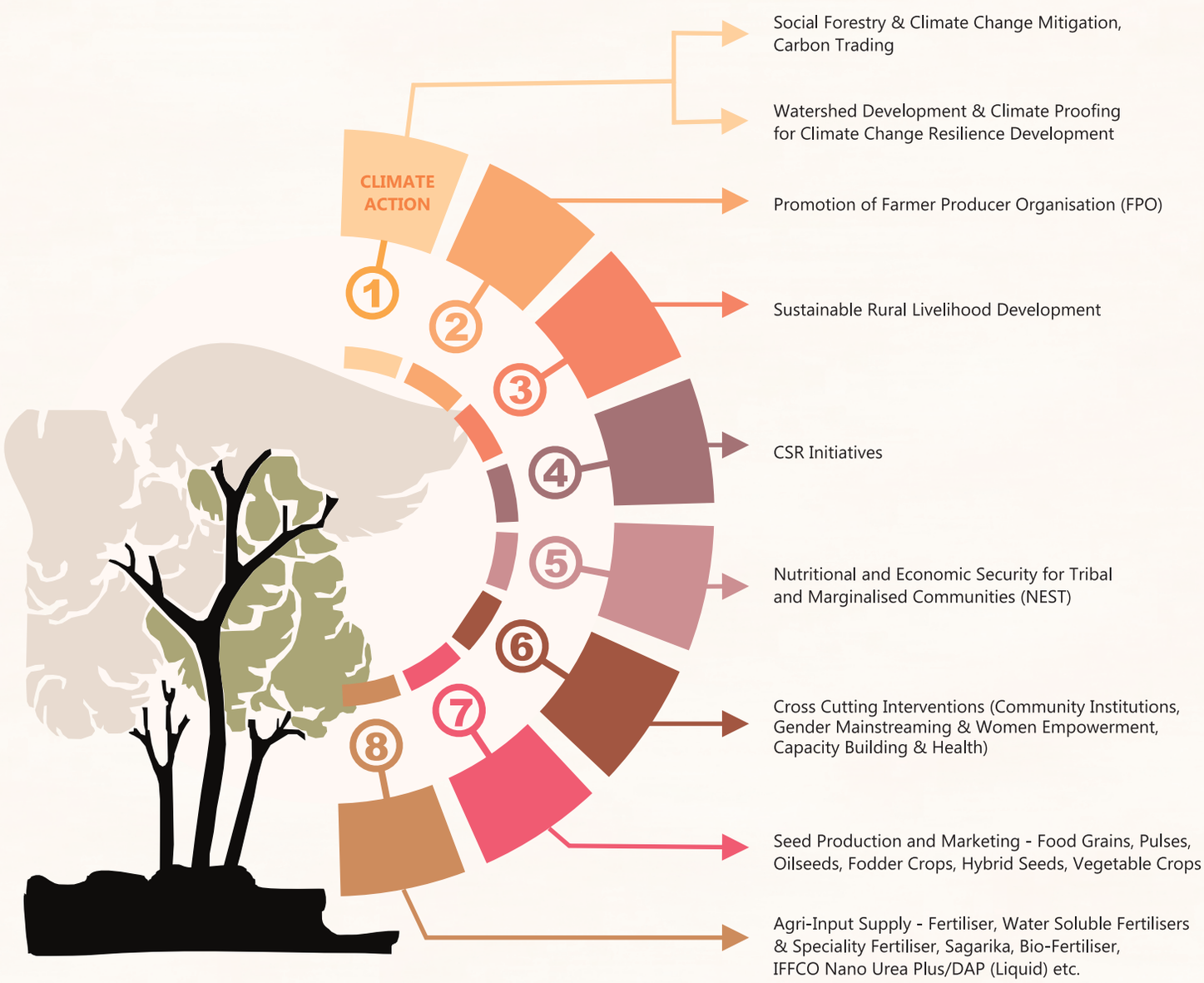


Our Approach

IFFDC's aim is to trigger development in rural areas and enhance livelihood options of rural communities. Its conviction that this can be best achieved only with the active involvement of the communities that it works amongst, has engendered its overall participatory approach along with emphasis on capacity building that is in-built in its numerous portfolios. For holding communities together, and importantly, to ensure among other things, long term sustainability of its interventions, Institution Building, following the cooperative route, has been a major plank of its programmes.

IFFDC has accordingly framed its strategies to deal with specific issues arising as a corollary to the fast growing development needs and their aligned imperatives. Its wealth of accumulated experience of the past two decades has in turn helped to create for it a distinct niche in the rural development arena.

Starting out primarily as a Farm Forestry Cooperative that would address the issue of Climate Change, which had at the time caught the attention of the global community, IFFDC has over time expanded its areas of concern to include several portfolios, most of these emerging out of its primary agenda of rural development and all of it having direct or indirect bearing on its primary agenda of addressal of Climate Change issues. These are described below :



परियोजनाओं का विवरण

(अ) इफको द्वारा सहायतित परियोजनाएं

1. सामाजिक वानिकी परियोजनाएं (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं उत्तराखण्ड)
2. ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना (आर.एल.डी.पी.)
   (अ) ओडिशा
   (ब) पश्चिम बंगाल

(ब) नाबार्ड द्वारा सहायतित परियोजनाएं

1. जल ग्रहण विकास परियोजना
   (अ) अमरीती, ब्लॉक मझगवाँ, जिला सतना (मध्य प्रदेश)
   (ब) सुरखी–घाना, ब्लॉक सुरखी, जिला सागर (मध्य प्रदेश)
   (स) कमलाडीह, नरसिंगपुर ब्लॉक, जिला कटक (ओडिशा)
2. भारत सरकार की सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम – 10,000 कृषक उत्पादक संगठन संवर्द्धन परियोजना के अंतर्गत छः राज्यों अर्थात् हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों में कृषक उत्पादक संगठनों का संवर्द्धन

(स) केन्द्र /राज्य सरकारों तथा एन.सी.डी.सी. द्वारा सहायतित परियोजनाएं

1. भारत सरकार की सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम–10,000 कृषक उत्पादक संगठनों का संवर्द्धन परियोजना के अंतर्गत चार राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड एवं गुजरात राज्यों में कृषक उत्पादक संगठनों का संवर्द्धन

(द) सी.एस.आर. परियोजनाएँ

1. इफको–टोकियो जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड द्वारा सहायतित इफको–टोकियो समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना, छत्तीसगढ़ एवं बिहार
2. मित्सुई एंड कं. लि. द्वारा सी.एस.आर. के अंतर्गत दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बागवानी विभाग के विभिन्न पार्कों में ग्रीन बेल्ट विकास

Details of Project

(A) IFFCO Supported Projects

1. Social Forestry Projects (Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttarakhand)
2. Rural Livelihood Development Project (RLDP)
   (a) Odisha
   (b) West Bengal

(B) NABARD Supported Projects

1. Watershed Development Project
   (a) Amriti, Block Majhgawan, Distt. Satna (Madhya Pradesh)
   (b) Surkhi-Ghana, Block Surkhi, Distt. Sagar (Madhya Pradesh)
   (c) Kamladiha, Block Narsinghpur, District Cuttack (Odisha)
2. Promotion of FPOs in Six States i.e. Haryana, Uttar Pradesh, Bihar, Uttarakhand, Madhya Pradesh and Maharashtra under Central Sector Scheme of Government of India for promotion of 10,000 Farmers Producer Organisations.

(C) Projects Supported by Central/State Governments & NCDC

1. Promotion of FPOs in four States i.e. Uttar Pradesh, Bihar, Uttarakhand and Gujarat States under Central Sector Scheme of Government of India for promotion of 10,000 Farmers Producer Organisation.

(D) CSR Projects

1. IFFCO-Tokio Integrated Rural Development Projects Chhattisgarh and Bihar funded by IFFCO-Tokio General Insurance Co. Ltd.
2. Green Belt Development Project in Delhi NCT in Different Parks of Horticulture Department funded by Mitsui & Co. Ltd. under CSR Initiative.

निदेशकों की रिपोर्ट

माननीय सहकार बन्धुओं,

आपकी संस्था की वर्ष 2023–24 के लिए 31वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। मैं आप सभी को बधाई देता हूँ कि, आपकी समिति ने 15.72 करोड़ रुपये का सर्वोच्च कर पूर्व लाभ प्राप्त करके 2582 करोड़ रुपये का टर्नओवर प्राप्त किया है। आई.एफ.एफ.डी.सी. ने लगातार दो वर्षों में सर्वोच्च कर पूर्व लाभ अर्जित किया है। समिति ने ग्रामीण समुदाय को मार्गदर्शित करते हुए अंधकार से प्रकाश की ओर लाकर उन्हें गरीबी से बाहर निकाल कर, उनके सम्मान और अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक करते हुये, उनकी क्षमताओं में वृद्धि करने में समर्पित होकर गौरवशाली 31 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं।

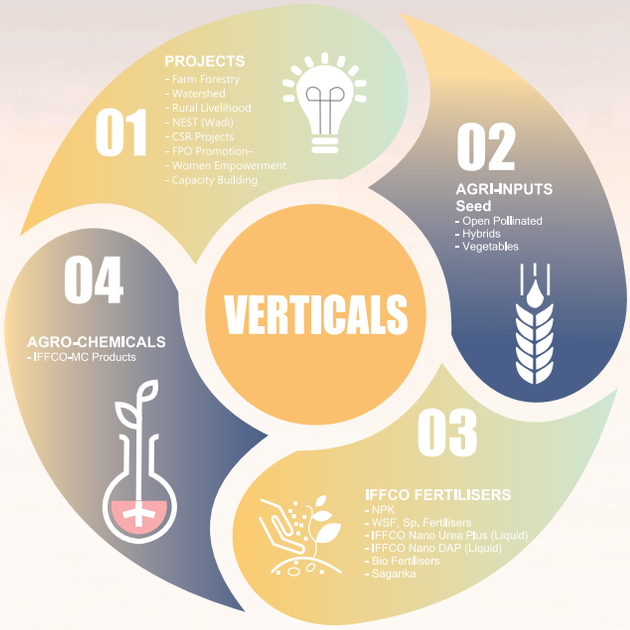
आई.एफ.एफ.डी.सी. की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए, हमने "अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA)", वन अनुसंधान संस्थानों जैसे सम्मानित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों के साथ–साथ अन्य सहकारी प्लेटफार्मों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन प्रयासों ने हमारी उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम आपकी समिति के समर्पित कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ता से हम विभिन्न फंडिंग एजेंसियों और सरकार से परियोजनाएँ लेने में सक्षम हुये।

निस्संदेह, आप अपनी समिति द्वारा देश भर में किए गए उत्कृष्ट कार्य से अच्छी तरह परिचित हैं, जिसमें गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। मुझे पिछले वर्ष की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालने की अनुमति दें। हमारे बीज उत्पादन कार्यक्रम का विस्तार एक प्रमुख मील का पत्थर रहा, जिसमें संकर व सब्जियों के बीज सहित उच्च गुणवत्तापूर्ण विविध फसलों के बीजों की किसानों को आपूर्ति करायी गयी। इस विस्तार से निस्संदेह उत्पादकता में वृद्धि होगी और खाद्य सुरक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

आईएफएफडीसी ने हमारे देश में स्वदेशी तकनीक से नैनो उर्वरकों में दुनिया के पहले आविष्कार "इफको नैनो यूरिया (लिक्विड)" का संवर्द्धन एवं किसानों को आपूर्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमने इफको नैनो यूरिया (तरल) की 35.10 लाख बोतलों का सफलतापूर्वक विपणन किया, जिससे 1.60 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक यूरिया प्रभावी रूप से प्रतिस्थापित हुआ।

इसके अलावा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा शुरू की गई नई और निरंतर चल रही परियोजनाओं के अलावा, हमारी समिति को नाबार्ड द्वारा पहली बार ओडिशा में "एकीकृत वाटरशेड विकास परियोजना, ब्लॉक नरसिंहपुर, जिला कटक" के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी और हमने इस परियोजना के क्षमता निर्माण के चरण (सी.बी.पी.) को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। यह जिम्मेदारी हम पर किए गए भरोसे और सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एक बार फिर, मैं सभी हितधारकों को उनके अटूट समर्थन और योगदान के लिए सच्चे दिल से सराहना करता हूं, जो हमारी समिति की प्रगति और उपलब्धियों को आगे बढ़ाने में सहायक रहे हैं। साथ मिलकर, हम ग्रामीण समुदायों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालना जारी रखेंगे और सभी के लिए उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे। वर्ष के दौरान पोर्टफोलियोवार प्रगति इस प्रकार है:–



Director's Report

Honourable Co-operators,

I take immense pride in presenting to you the 31st Annual Report of your Society for the fiscal year 2023-24. First and foremost, I extend my heartfelt congratulations to each and every one of you for the Society's remarkable achievement of completing 31 glorious years. This year, the Society attained its ever-highest Profit before Tax, of Rs. 15.72 crore reaching a turnover of Rs. 2582 crore. For two successive years IFFDC has earned higher Profit Before Tax. Our Society, IFFDC, remains devoted to uplifting rural communities from poverty to self-respect and empowerment. By imparting skills and enhancing their capabilities, we strive to guide these communities out of darkness and into the light of a brighter future.

To enhance IFFDC's reputation, we actively participated in esteemed national and international forums such as the "International Cooperative Alliance (ICA)" and the "Forest Research Institute" along with other cooperative platforms. These efforts have significantly contributed to our achievements. We owe our gratitude to the dedicated staff of your Society, whose unwavering commitment and perseverance enabled us to secure projects from various funding agencies and the government.

Undoubtedly, you are well aware of the outstanding work carried out by your Society across the country, encompassing a wide array of activities. Allow me to highlight some noteworthy accomplishments from the past year. A major milestone was the expansion of our Seed Production Programme, providing farmers with a diverse range of high-quality seeds, including hybrid and vegetable seeds. This expansion will undoubtedly enhance productivity and positively impact food security.

IFFDC has also played a pivotal role in the promotion and distribution of the world's first innovation with indigenous technology in nano fertilizers, "IFFCO Nano Urea (Liquid)," among farmers in our nation. We successfully marketed 35.10 lakh bottles of IFFCO Nano Urea (Liquid), effectively replacing 1.60 lakh metric tonnes of conventional urea.

Furthermore, I am delighted to inform you that in addition to the new and ongoing projects initiated by IFFDC, our Society has been entrusted with a significant responsibility first time in Odisha State for the "Integrated Watershed Development Project, Block Narsinghpur, District Cuttack" in Odisha by NABARD and we have completed its Capacity Building Phase (CBP) successfully. This responsibility showcases the trust placed in us and our commitment to sustainable development.

Once again, I extend my sincere appreciation to all stakeholders for their unwavering support and contributions, which have been instrumental in driving our Society's progress and achievements. Together, we shall continue to create a positive impact on the lives of rural communities and build a brighter future for all. Portfolio-wise progress during the year is as follows:-

क्लाईमेट एक्शन (सतत् विकास लक्ष्य–13)

विश्व के सभी देशों द्वारा विकास की दिशा में कार्य करने हेतु संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 17 सत्त विकास के लक्ष्य निर्धारित किये गये। आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा अपने सामाजिक वानिकी विकास कार्यक्रम, समन्वित जलग्रहण प्रबंधन व जलवायु परिवर्तन शमन की गतिविधियों के माध्यम से सत्त विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.)– 13 "क्लाईमेट एक्शन" व एस.डी.जी.–15 "भूमि पर जीवन" की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

1. सामाजिक वानिकी विकास

आई.एफ.एफ.डी.सी. का मुख्य कार्यक्रम प्रक्षेत्र वानिकी विकास है जिसमें, किसानों की व्यक्तिगत, ग्राम पंचायत तथा राजकीय राजस्व बंजर व सीमांत भूमियों पर सहभागी वानिकी विकास के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। संबंधित ग्रामीण समुदायों को प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियों (पी.एफ.एफ.सी.एस.) के माध्यम से संगठित किया गया है। ये समितियां, सहभागी वनों का चिरंतर आधार पर प्रबन्धन करने में मुख्य सामुदायिक संस्था के रूप में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा इन पी.एफ.एफ.सी.एस. को आवश्यक तकनीकी, वित्तीय, क्षमता निर्माण, संबंध विकसित करने, विपणन एवं स्त्रोत जुटाने से संबंधित आदानों के लिए सहायता की जा रही है। इसके अवधानों के फलस्वरूप, 500 से अधिक गांवों में न सिर्फ हरीतिमा विकसित हुई है बल्कि, बंजर भूमि भी पुनःरक्षित हुई है। वर्तमान में, विद्यमान वनों से आर्थिक लाभ केवल चयनित कटाई, घास एवं लघु वनोपज आदि तक सीमित है, जिसे समुदाय के लाभ हेतु अन्य पर्यावरणीय सेवाओं के माध्यम से और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है।

आई.एफ.एफ.डी.सी. के समग्र दृष्टिकोण का ध्यान, अन्य संबंधित गतिविधियों जैसे अवैध कटाई व अतिक्रमण को रोकना, हितधारकों के आर्थिक लाभ के लिए बेहतर वनोपज प्रदान करने, इन वनों के माध्यम से उत्पन्न कार्बन क्रेडिट के व्यवसाय जैसे अन्य वैकल्पिक अवसरों तथा इस भूमि के उपयोग अधिकारों को पुनः परिभाषित करने आदि पर भी केन्द्रित है। वानिकी समितियों को चिरन्तरता हेतु आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के क्रम में शीघ्र बढ़वार वाली व्यावसायिक उन्नत पौध प्रजातियों के रोपण व कृषि आदानों के व्यवसाय करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।



राजसमंद (राजस्थान) जिले की चौकड़ी वानिकी समिति में मिलिया कम्पोजिटा (बर्मा नीम) वृक्षारोपण

Climate Action (Sustainable Development Goal - 13)

The United Nations General Assembly has defined 17 Sustainable Development Goals (SDG) to be acted upon by the nations of the World. It is praiseworthy and a matter of great satisfaction that IFFDC has made significant contribution towards Sustainable Development Goal (SDG-13) "Climate Action" and SDG-15 "Life on Land" through its multiple Social Forestry Development Programmes, Integrated Watershed Management, Climate Proofing activities etc.

1. Social Forestry Development

IFFDC's flagship programme of Farm Forestry focuses on mitigating climate change effects through developing participatory forestry on waste and marginalised lands belonging to individual farmers, village Panchayats and Government. The concerned communities are organised into Primary Farm Forestry Cooperative Societies (PFFCS), designed as the key community institutions to manage and maintain the developed participatory forests, on a sustainable basis.

IFFDC supports the PFFCS with the necessary technical, financial, capacity building, networking, marketing and resource mobilisation inputs. As a result of its intervention, green cover has not only been improved in more than 500 villages, but degraded lands have also been restored. Economic returns from existing forests are presently restricted to selective felling, Grasses and Minor Forest Produce (MFP) etc., however, this needs to be accelerated for other environmental services/benefits to the community.

The integrated approach of IFFDC has also led to attention being given to related activities such as control of illegal felling, prevention of encroachment, better forest yield for improving economic returns to the stakeholders, commercial options such as trading of carbon credits generated through these forests and defining the usufruct rights of these lands, etc. The PFFCS are being encouraged to undertake plantation of improved fast growing plant species and business of Agri-inputs for economic self-sufficiency and sustainability.



Forests developed in PFFCS Medhawa, Distt. Pratapgarh (Uttar Pradesh)

शुरुआत में आई.एफ.एफ.डी.सी. ने वृक्षारोपण हेतु उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा उत्तराखण्ड राज्यों में कई दशकों से वृहद् स्तर पर खाली पड़ी हुई बंजर भूमि की पहचान कर अधिग्रहित की। यह बंजर भूमि, राजस्थान में ग्राम पंचायत, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड में निजी कृषकों तथा मध्य प्रदेश में राजस्व के स्वामित्व वाली है। विकसित 29,421 हैक्टेयर सामुदायिक वानिकी के प्रबंधन हेतु 151 प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियाँ (पी.एफ.एफ.सी.एस.) विकसित की गयी हैं। इन वानिकी सहकारी समितियों के अंतर्गत वानिकी उन्नयन पर "अनुसंधान व विकास" का कार्य भी किया जा रहा है। इफको की सहायता और वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के तकनीकी मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश की समितियों में नीम (अजाडीरेक्टा इंडिका) के 153 जीनोटाइप्स के चार शोध परीक्षण किए गए हैं। स्वदेशी प्रजातियों का सघन व अल्पावधि में वन विकसित करने हेतु उत्तर प्रदेश की कनकसिंहपुर वानिकी समिति में 'मियावाकी पद्धति' (एक जापानी तकनीकी) अपनायी गयी। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट, सेब (हरमन–99) और समिति क्षेत्र में सीताफल (बालानगर) का रोपण परीक्षण के आधार पर शुरू किया गया।

संयुक्त राष्ट्र के कुल 17 सतत् विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) में से, यह परियोजना, 5 एस.डी.जी. प्राप्ति में सहयोग कर रही है। विकसित हो रहे वन, वायुमंडलीय कार्बन को अवशोषित कर रहे हैं जिससे जलवायु परिवर्तन को कम करने में सहायता मिल रही है जिससे एस.डी.जी.–13 "क्लाईमेट एक्शन" को संबोधित किया जा रहा है। जल भराव वाले क्षेत्र में विकसित जंगल क्षेत्र अब पक्षियों के अभ्यारण्य के रूप में विकसित हो गया है। विकसित वनों में वन्य जीवन और कई नई पौधों की प्रजातियाँ और घासें उभर रही हैं जिससे एस.डी.जी.–15 "भूमि पर जीवन" को संबोधित करने में योगदान मिल रहा है। इससे एस.डी.जी.–1 "कोई गरीबी नहीं" में भी योगदान मिल रहा है क्योंकि, वृक्षारोपण गतिविधियाँ ग्रामीण समुदाय के लिए रोजगार सृजित करती हैं जो उनके परिवारों के लिए आय का साधन बना है। आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा कृषि उद्यानिकी प्रणाली के तहत् फल वृक्षों का भी रोपण किया जा रहा है, जिससे परियोजना क्षेत्र में पोषक भोजन की उपलब्धता में वृद्धि हुई है, जिससे एस.डी.जी. नंबर – 2 "शून्य भूख" और एस.डी.जी. नंबर –3 "अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण" को संबोधित किया जा रहा है।



लापस्या वानिकी समिति जिला राजसमंद (राजस्थान) में स्थापित सौर ऊर्जा इकाई

At the outset, IFFDC identified for afforestation large tracts of wasteland, which had been lying almost barren for decades in the states of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttarakhand. These acquired wastelands are Panchayat lands in Rajasthan, individual lands in Uttar Pradesh & Uttarakhand and Revenue land in Madhya Pradesh. 151 Primary Farm Forestry Cooperative Societies (PFFCS) have been developed for management of the community forests developed on 29,421 Hectares. The research and development work on Forestry improvement is undertaken by these PFFCS. Four research trials of 153 Genotypes of Neem (Azadirachta indica) has been undertaken in the PFFCS of Uttar Pradesh, Rajasthan and Madhya Pradesh with the help of IFFCO and under the technical guidance of Forest Research Institute, Dehradun. The 'Miyawaki' method (a Japanese Technique) for developing fast and dense forests of indigenous species has also been adopted in Kanaksinghpur PFFCS of Uttar Pradesh. Introduced plantation of Dragon Fruits, Apple (Harman-99) in tropical region and Custard apple (Balanagar) at PFFCS area on trial basis.

Out of the total 17 Sustainable Development Goal (SDGs) of United Nation's, this project is addressing 5 SDGs. The developed forests are sequestrating atmospheric carbon and helps in mitigating climate change which is addressing SDG- 13 "Climate Action". The forest developed in waterlogged area is now converted in bird sanctuary. Wild life and many new plant species and grasses are emerged in the developed forests which are contributing in SDG - 15 "Life on Land". It also contributes to the SDG - 1 "No Poverty" because the plantation activities generating employment to the rural community which generate income for their families. IFFDC is undertaking fruit plantation also under Agro-horti system which increased nutritive food availability in the project area leading to address the SDG - 2 "Zero Hunger" and SDG -3 "Good Health & Well Being".



Dense forest developed on Wasteland at Malikmau PFFCS, Distt. Raebareli (Uttar Pradesh)

परियोजना विवरण

राज्य	जिला	कुल क्षेत्र (हेक्ट.)	कुल विद्यमान वृक्ष (लाख)
उत्तर प्रदेश	सुलतानपुर, रायबरेली, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, लखनऊ, अमेठी, उन्नाव	12,951	51.39
उत्तराखण्ड	नैनीताल, चम्पावत	207	0.87
राजस्थान	उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद	9,713	20.85
मध्य प्रदेश	सागर, छतरपुर, टीकमगढ़	6,550	35.44
	योग	**29,421**	**108.55**

सामाजिक वानिकी में नये अवधान

(अ) कृषि वानिकी प्रणाली विकास

भारतीय वनों से लगभग 3000 लाख लोगों को अपनी आजीविका चलाने में मदद मिलती है तथा ये जलवायु परिवर्तन शमन के लिए भी काफी महत्वपूर्ण हैं। भारत सरकार ने यू.एन.एफ.सी.सी.सी. को वर्ष 2030 तक वानिकी क्षेत्र से 250–300 करोड़ टन कार्बन का स्वैच्छिक रूप से अतिरिक्त अवशोषण करने के निश्चय का वादा किया। यदि भारत के सभी खुले वनों को संरक्षित कर लिया जाये तो भी मात्र 9 लाख टन अतिरिक्त कार्बन का अवशोषण किया जा सकता है, शेष कार्बन की मात्रा को वन क्षेत्रों से बाहर वृक्ष उगाकर ही अवशोषित किया जा सकता है। वन क्षेत्र के बाहर वृक्ष उगाने के लिए कृषि वानिकी भी एक अच्छा विकल्प है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि, कृषि वानिकी विकास को बढ़ावा दिया जाये। इसलिए भारत सरकार की एन.डी.सी. प्रतिबद्धता के संदर्भ में, आई.एफ.एफ.डी.सी. ने किसानों के खेतों पर कृषि वानिकी विकसित करने के लिए एक नई पहल की है। यह न केवल जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करता है बल्कि, किसानों को अतिरिक्त आय उत्पन्न करने में भी मदद करता है। इस प्रकार, एन.डी.सी. प्रतिबद्धता में योगदान करने के साथ–साथ कृषि वानिकी, भारत सरकार के मिशन "किसानों की आय को दुगुनी करना" में भी मदद करता है।



वानिकी समिति सिंदेसर कला, जिला राजसमंद (राजस्थान) अंतर्गत विकसित कृषि वानिकी

PROJECT DETAILS

State	District	Total Covered Area (ha)	Total Existing Trees (Lakh)
Uttar Pradesh	Sultanpur, Raebareli, Prayagraj, Kaushambi Pratapgarh, Lucknow, Amethi, Unnao	12,951	51.39
Uttarakhand	Nainital, Champawat	207	0.87
Rajasthan	Udaipur, Chittorgarh, Rajsamand	9,713	20.85
Madhya Pradesh	Sagar, Chhatarpur, Tikamgarh	6,550	35.44
	Total	**29,421**	**108.55**

New Initiatives in Social Forestry

(a) Agro-forestry System Development:

Indian Forests are helping towards improving the livelihoods of about 3000 lakh people and are important for mitigating Climate Change. The Government of India has committed to UNFCCC an additional voluntary reduction of 2.5–3 billion tonnes of CO_2 e by 2030 from its forestry sector. If all of India's open forests are taken up for restoration, only about 0.9 million tonnes of CO_2e worth additional carbon sink can be created. The balance will need to come from Trees outside Forests (ToF). Agro-forestry is one of the best options for developing ToF. Therefore, it becomes imperative to focus on the potential of ToF. It is in this context of India's NDC commitment that IFFDC has undertaken up the new initiative of developing agro-forestry on farmer fields. This not only helps in mitigating Climate Change but also helps in additional income generation for farmers. Besides contributing to NDC commitment, development of Agro-forestry also contributes toward the mission "Doubling Farmer's Income" of the Government of India.



Measuring trees height of plantation in sample plot under Carbon Credit Project at Bara Jhagarpur PFFCS, Distt. Unnao (Uttar Pradesh)

कृषि वानिकी के अंतर्गत रोपित की जाने वाली प्रजातियाँ व्यावसायिक उपयोग, शीघ्र बढ़ने वाली तथा जल्दी परिपक्व होने वाली हैं। कृषि वानिकी के अंतर्गत वृक्षारोपण हेतु चयनित पौध प्रजातियाँ मिलिया कम्पोजिटा (बर्मा नीम) तथा सहजन आदि हैं। वर्ष 2023–24 के दौरान, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों में 120 किसानों के खेतों पर कुल 0.74 लाख पौधे लगाये गये।

(ब) कृषि उद्यानिकी प्रणाली विकास

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2004 से पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से "राष्ट्रीय बागवानी मिशन" (एन.एच.एम.) का क्रियान्वयन किया जा रहा है। आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा भारत सरकार के एन.एच.एम. एवं "सतत् विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) नं. 1" "गरीबी नहीं" व (एस.डी.जी) नं. 2 "शून्य भुखमरी" में सहयोग करने के लिए अपने विद्यमान घटक सामाजिक वानिकी व जलवायु परिवर्तन में कृषि वानिकी को सहयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को अतिरिक्त आय सृजन कराना है और उनके परिवारों के लिए पोषण का स्त्रोत उपलब्ध कराना है।

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा किसानों की कृषि योग्य भूमि पर फसल के साथ तात्कालिक लाभ देने वाली पौध प्रजातियाँ जैसे केला, पपीता एवं अन्य फलदार प्रजातियों के रोपण के लिए वित्तीय व तकनीकी सहायता प्रदान करना प्रारंभ किया गया। वर्ष 2023–24 के दौरान, किन्नू, माल्टा, शरीफा, आम व अमरूद के लगभग 10,500 पौधे लगाए गए।

(स) कार्बन क्रेडिट अर्जन की दिशा में एक कदम

वनीकरण और पुनःवनीकरण कार्बन डाइ–ऑक्साइड (CO_2) को अवशोषित करता है जिससे वायुमण्डल में CO_2 की सांद्रता कम होती है। CO_2 की इस सांद्रता में कमी का उपयोग मुख्य रूप से विकसित देशों में उद्योगों द्वारा CO_2 के उत्सर्जन को ऑफसेट करने के लिए किया जा सकता है। वातावरण से CO_2 में इस तरह की कमी को स्वैच्छिक उत्सर्जन में कमी (VER) के रूप में माना जाता है और विकसित देशों में विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में इसकी काफी मांग है।



कार्बन क्रेडिट परियोजना अंतर्गत मेढावा वानिकी समिति, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) में वृक्षों की वृद्धि एवं विकास मापने हेतु विकसित सैम्पल प्लॉट

The species planted under agro-forestry are of commercial use, fast growing and early maturing. Such plant species selected for agro-forestry plantations are Melia composita (Burma Neem) and Sahajan etc. During the year 2023-24, 0.74 lakh saplings have been planted on the fields of 120 farmers in Uttar Pradesh, Rajasthan and Madhya Pradesh.

(b) Agri-horti System Development

The Government of India is implementing the "National Horticulture Mission" (NHM) since 2004 aimed at ensuring nutritional security and income generation for farmers. To contribute to the additional income objectives of the NHM and the Sustainable Development Goal (SDG) No. 1 "No Poverty" and (SDG) No. 2 "Zero Hunger", particularly for farmers IFFDC has grafted the component of Agri-horti system development to its existing Social Forestry and Climate Change portfolio.

IFFDC also has embarked upon financial and technical support to farmers to undertake plantation on their arable land along with traditionally grown crops of fruit species, such as Banana and Papaya which give immediate returns. During the year 2023-24, about 10,500 saplings of Kinnow, Malta, Custurd Apple, Mango and Guava were planted. Agri-horticulture has shown encouraging results in as much as many more farmers are being attracted to this system.

(c) Steps towards Carbon Credits

Afforestation & Reforestation absorbs Carbon Di-oxide (CO_2) and thus reduces the CO_2 in the atmosphere. This reduction of CO_2 can be used for off-setting the emission of CO_2 mainly by industries in developed countries. Such reduction in CO_2 from the atmosphere can be traded as Voluntary Emission Reduction (VER) and is in demand in developed countries particularly in the United States of America and Europe.



Fruit Plantation under Agro-Horti System in PFFCS of Rajasthan

ग्रामीण समुदायों के लिए अपने आउटपुट का मुद्रीकरण करने और आय बढ़ाने के साथ–साथ वानिकी में निरंतर और त्वरित कार्यवाही को प्रोत्साहित करने के लिए नए आयाम सृजित करने हेतु "कार्बन फाइनेंस" के क्रम में आईएफएफडीसी ने उत्तर प्रदेश की 11 समितियों में वर्ष 2008 से 2013 के दौरान विकसित 189 हैक्टेयर वृक्षारोपण क्षेत्र के लिए एक कार्बन क्रेडिट परियोजना वेरा रजिस्ट्री, वाशिंगटन डीसी के साथ पंजीकृत की। कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग के लिए परियोजना प्रस्ताव तैयार करने, परियोजना का प्रमाणीकरण और सत्यापन अंकेक्षण कराने तथा कार्बन क्रेडिट की बिक्री में सहयोग करने के लिए आई.एफ.एफ.डी.सी. ने मैसर्स इमरजेंट वेंचर इंडिया प्रा. लि. (EVI) को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। मैसर्स साइंस, देहरादून द्वारा वानिकी स्थलों की जीपीएस मैपिंग और मैसर्स रेनफॉरेस्ट एलायंस, इंडोनेशिया द्वारा वीसीएस प्रमाणीकरण ऑडिट कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, मैसर्स कार्बन चेक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा परियोजना का सत्यापन ऑडिट किया गया जिसके अनुसार प्रति वर्ष लगभग 6000 कार्बन क्रेडिट का सृजन अनुमानित है।

कार्बन क्रेडिट परियोजना को अप्रैल 2023 में वैरा के साथ पंजीकृत किया गया था और 2008 से 2022 (पहली तिमाही) की अवधि के लिए मई, 2023 के महीने में सत्यापित कार्बन मानक (वी.सी.एस.) मे तहत् 78000 कार्बन क्रेडिट जारी किए गए थे। जिसमें से 41,229 कार्बन क्रेडिट की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बिक्री की गयी। 41,229 क्रेडिट की बिक्री से 6.72 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ जिसमें से 1.50 करोड़ रुपये 11 वानिकी सहकारी समितियों को और 3 करोड़ रुपये 120 किसानों को दिए जा रहे हैं जिनकी भूमि पर वृक्षारोपण किया गया था। सत्यापित कार्बन मानक (वी.सी.एस.) कार्यक्रम दुनियां का सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला ग्रीनहाउस गैस क्रेडिटिंग कार्यक्रम है। इससे प्राप्त आय से उन गतिविधियों को बल मिलता है जिससे उत्सर्जन को कम हो/वायुमण्डल में कार्बन की मात्रा घटे, आजीविका में सुधार हो और प्रकृति की सुरक्षा हो। इन व्यापक मानदंडों के आधार पर, वेरा ने आई.एफ.एफ.डी.सी. को कार्बन क्रेडिट जारी किया है।

कार्बन क्रेडिट के राजस्व को साझा करने के लिए आई.एफ.एफ.डी.सी., वानिकी समितियाँ और भूमि मालिक सदस्य किसानों के मध्य एक त्रिपक्षीय समझौता किया गया। समझौते के तहत्, सत्यापन और सत्यापन ऑडिट शुल्क, जी.पी.एस. मैपिंग, वेरा शुल्क आदि सहित कार्बन क्रेडिट परियोजना के विकास पर होने वाले खर्चों में कटौती के बाद, क्रेडिट की बिक्री से उत्पन्न शुद्ध राजस्व को वानिकी समितियों, जहाँ वृक्षारोपण किया गया, संबंधित भूमि मालिक सदस्य किसानों, आई.एफ.एफ.डी.सी. को साझा किया जाएगा। निष्पादित समझौते के अनुसार भूमि मालिक किसानों को 50 प्रतिशत, संबंधित सदस्य वानिकी सहकारी समिति को 25 प्रतिशत और आई.एफ.एफ.डी.सी. को 25 प्रतिशत मिलेगा। इस परियोजना से तीनों हितधारकों के लिए वर्ष 2008 से 2038 तक 30 वर्षों के लिए कार्बन क्रेडिट का राजस्व प्राप्त होगा।



मेढावा वानिकी समिति, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) में बंजर भूमि पर विकसित सघन वन

Recognizing the transformative potential of "Carbon Finance" to unlock new avenues for forest-dwelling and rural communities to monetise their outputs and enhance incomes as also incentivise continuous and accelerated action in forestry, IFFDC got registered a carbon credit project with VERRA Registry, Washington DC for 189 ha plantation area developed during 2008 to 2013 in 11 PFFCS of Uttar Pradesh. To facilitate the carbon credit trading mechanism, IFFDC appointed M/s Emergent Venture India Pvt. Ltd. (EVI) as consultants for the preparation of the project proposal, development and facilitation of validation, verification of Afforestation/Reforestation Project and sale of carbon credits. The GPS Mapping of the forestry sites by M/S Science, Dehradun and VCS validation audit work by M/S Rainforest Alliance, Indonesia have been completed. Further, the verification audit of project completed by M/s Carbon Check (India) Pvt Ltd.

The carbon credit project was registered in April 2023 with VERRA and got issuance of 78000 carbon credits under Verified Carbon Standard (VCS) in the month of May, 2023 for the period of 2008 to 2022 (first quarter). Out of which, 41,229 carbon credits have sold in the international market. 41,229 Credits sale resulted in revenue of Rs 6.72 million. Rs 1.50 crore going to 11 forestry cooperatives and Rs 3 crore going to 120 farmers where plantation was done. The Verified Carbon Standard (VCS) Program is the world's most widely used greenhouse gas (GHG) crediting program. It drives finance toward activities that reduce and remove emissions, improve livelihoods, and protect nature. Based on these broad criteria, the VERRA has issued the carbon credits to IFFDC.

A tri-party agreement amongst IFFDC, Forestry Cooperative and land owner member farmers was undertaken on sharing the revenue of carbon credits. Under the agreement, after deduction of the expenses on development of the carbon credit project including validation & verification audit fee, GPS Mapping, VERRA Fee etc. the revenue generated from sale of credits will be shared with Forestry Societies land owner member farmers, concerned IFFDC member Forestry Cooperative where plantation is raised & IFFDC as per the agreement executed i.e. 50% to land owner farmers, 25% to the respective member Forestry Cooperative and 25% to IFFDC. This project will generate carbon credit revenue for 30 years from year 2008 to 2038 to all the three stakeholders



Recording growth and development of trees under Carbon Credit Project in Uttar Pradesh

आईएफएफडीसी की उक्त कार्बन क्रेडिट की पायलट परियोजना की सफलता संस्था के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है, जिससे संस्था के प्रयासों को और बल मिला है। आईएफएफडीसी ने 455.25 हैक्टेयर में विकसित वृक्षारोपण क्षेत्र के लिए एक दूसरी परियोजना तैयार कर वेरा रजिस्ट्री, वाशिंगटन डीसी के साथ आधिकारिक रूप से सूचीबद्ध कर दी है। इस परियोजनांतर्गत उत्तर प्रदेश की 30 समितियों और मध्य प्रदेश की 6 समितियों में वर्ष 2015 और 2023 की अवधि के दौरान विकसित वृक्षारोपण को शामिल किया गया है। इस परियोजना के वृक्षारोपण से प्रतिवर्ष 10,370 टन कार्बन अवशोषण होगा जिससे वार्षिक 10,370 कार्बन क्रेडिट सृजित होने का अनुमान है। दो दशकों की इस अवधि में, कुल 2,07,447 कार्बन क्रेडिट सृजित होने का अनुमान है। मान्यता प्राप्त लेखा परीक्षकों, मैसर्स कार्बन चेक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने इस दूसरी कार्बन क्रेडिट परियोजना का सत्यापन ऑडिट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। जैसे–जैसे परियोजना आगे बढ़ेगी, बाद की सत्यापन प्रक्रिया सुनिश्चित होगी, अंततः वेरा रजिस्ट्री द्वारा कार्बन क्रेडिट जारी करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रगति

- 290 हैक्टेयर (उत्तर प्रदेश मे 119 हैक्टेयर, उत्तराखण्ड मे 22 हैक्टेयर, मध्य प्रदेश मे 38 हैक्टेयर और राजस्थान मे 111 हैक्टेयर) मे वृक्षारोपण किया गया है। 2.92 लाख पौधे (उत्तर प्रदेश में 1.16 लाख, उत्तराखण्ड में 0.21 लाख, मध्य प्रदेश में 0.34 लाख और राजस्थान में 1.21 लाख) विभिन्न समितियों द्वारा लगाए गए है। प्रमुख प्रजातियों मिलिया (बर्मा नीम), आडुसा, क्लोन यूकेलिप्टस, सागौन व तेजपत्ता आदि है। देश में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण हेतु इफको को नीम के 4.89 लाख पौधों की आपूर्ति की गई।
- विभिन्न समितियों की 110 वार्षिक आम सभायें व 740 कार्यकारिणी कमेटी की बैठकें आयोजित की। स्वयं सहायता समूहों के सुदृढ़ीकरण हेतु 3,178 बैठकें और सचिवों की 42 बैठकें आयोजित की। 86 वानिकी समितियों के ऑड़िट पूर्ण किया।
- 05 स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन किया गया जिसमे 700 रोगियो की जाँच की गयी व 04 पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमे 200 पशुओ की जाँच व उपचार किया गया। 11 महत्वपूर्ण दिवस जैसे पर्यावरण दिवस, महिला दिवस, किसान दिवस आदि मनाये गये।
- उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की समितियो मे ''अग्निशमन'' पर मॉक ड्रिल के साथ 7 प्रशिक्षण का आयोजन किया गया इस प्रशिक्षण के दौरान, वृक्षारोपण क्षेत्र मे लगी आग पर नियन्त्रण पाने के तरीके सीखे। 'तेजपत्ता की कटाई व उपचार' पर एक तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सेंटर फॉर एरोमैटिक प्लांट (केप), देहरादून द्वारा तेजपत्ता की कटाई, शोधन और पत्तियों की गुणवत्ता बनाए रखने की तकनीक के बारे मे बताया गया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव, उदयपुर में वानिकी सहकारी समितियों के अध्यक्ष/निदेशकों के लिए "नेतृत्व विकास" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 30 समितियों के अध्यक्षों ने भाग लिया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग द्वारा किया गया।
- अमेठी जिले के हरखूमऊ समिति मे एक किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विपणन निदेशक, इफको मुख्य अतिथि थे। इसमें आई.एफ.एफ.डी.सी अधिकारियों सहित 500 किसानों ने भाग लिया। किसानो को इफको नैनो यूरिया व इफको नेनो डीएपी (तरल) के महत्व, उपयोग एवं लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

परिणाम

- प्राथमिक वानिकी समितियाँ पर्यावरण संरक्षण और जलाऊ लकड़ी, चारा एवं अन्य सामूहिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक प्रमुख संस्था के रूप में विकसित हो रही हैं।
- समस्याग्रस्त भूमियां (क्षारीय, लवणीय, बीहड़ और जल भराव भूमि) अब कृषि योग्य भूमि में परिवर्तित होने से ये एक उत्पादक सम्पत्ति के रूप में सिद्ध हो रही हैं।
- कृषि वानिकी गतिविधियों द्वारा पारिस्थतिकीय संतुलन बनाये रखने में मदद हो रही है। वेरा रजिस्ट्री के साथ पंजीकृत आई.एफ.एफ.डी.सी. की 189 हैक्टेयर भूमि के लिए कार्बन क्रेडिट परियोजना से वर्ष 2008–2022 की अवधि में 78,000 कार्बन क्रेडिट्स सृजित हुये। इनमें से 41,229 क्रेडिट्स की बिक्री से 11 वानिकी समितियों को 1.5 करोड़ रुपये तथा 120 कृषक सदस्यों जिनकी भूमि पर वृक्षारोपण है को 3.0 करोड़ रुपये की आय हुई। इससे इनके लिए अतिरिक्त आमदनी का एक स्त्रोत विकसित हुआ।
- प्रक्षेत्र वानिकी कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप विभिन्न प्रक्षेत्र वानिकी गतिविधियों के द्वारा स्थानीय समुदाय विशेषकर महिलाओं को अतिरिक्त रोजगार के अवसर प्रदान किये गये।
- पी.एफ.एफ.सी.एस. व स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए लघु उद्योगों की स्थापना एवं आजीविका के साधनों में वृद्धि हेतु चक्रीय कोष मददगार सिद्ध हुआ है। संचालित लघु उद्योग जैसे मधुमक्खी पालन से कृषकों की आय को दुगुनी करने के ध्येय को मदद मिल रही है।

The achievement of IFFDC's Carbon Credit pilot project has served as an inspiring milestone, further bolstering its endeavours. IFFDC has since diligently devised and officially enlisted a second project with the VERRA Registry in Washington DC. This encompasses a plantation area spanning 455.25 hectares, meticulously cultivated between the years 2015 and 2023, across 30 PFFCS in Uttar Pradesh and 6 PFFCS in Madhya Pradesh. This initiative is expected to yield an annual production of 10,370 carbon credits, equating to a significant carbon sequestration of 10,370 tons. Over a span of two decades, this is estimated to culminate in an impressive grand total of 2,07,447 carbon credits. Accredited auditors, M/s Carbon Check (India) Pvt Ltd, have successfully completed the vital validation audit for carbon credit generation. As the project moves forward, the subsequent verification process will ensue, ultimately paving the way for the issuance of carbon credits by the VERRA Registry.

Progress

- 290 ha area (119 ha in Uttar Pradesh, 22 ha in Uttarakhand, 38 ha in Madhya Pradesh and 111 ha in Rajasthan) has been covered under plantation. 2.92 lakh plants (1.16 lakh in Uttar Pradesh, 0.21 lakh in Uttarakhand, 0.34 lakh in Madhya Pradesh, 1.21 lakh in Rajasthan) have been planted by different PFFCS. Major species include Melia (Burma Neem), Arrusa, Clonal Eucalyptus, Teak and Tejpatta etc. 4.89 lakh saplings of Neem have been supplied for plantation in different places in the country.
- 110 Annual General Body Meetings, 740 Executive Meetings of different PFFCS have been organized. 3,178 meetings of SHG and 42 Meetings of PFFCS Secretaries were organized. Audit work of 86 PFFCS has been completed.
- 05 Health camps were organized, in which 700 patients were examined and free medicines were provided. 04 Veterinary camps were organized, in which 200 Cattle were examined and treated. 11 different important days i.e. Environment Day, Women Day, Farmers Day etc were celebrated.
- 7 training cum Mock Drill on "Fire Fighting" were organised in PFFCS of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh. They learnt about how to overcome the fire in the plantation area. One Technical training on "Harvesting and curing of Tajpatta" was organised. Centre for Aromatic Plant (CAP), Dehradun has imparted the improved technique of Tejpatta harvesting, curing and maintaining quality of Leaves.
- 3-day training on "Leadership Development "for Chairmen/Directors of Farm Forestry Cooperatives were organized at KVK, Badgaon, Udaipur in which, Chairmen of 30 PFFCS, were participated. The training was inaugurated by Additional Registrar, Cooperative Department.
- One Krishak Ghosthi was organised in Harkhamau PFFCS of Amethi District, in which Marketing Director, IFFCO was the Chief Guest. 500 farmers alonwith IFFDC officials participated. The farmers were briefed about importance, uses & benefits of the IFFCO Nano Urea and IFFCO Nano DAP (Liquid).

Outcome

- PFFCS are serving as nodal agencies for environment up-gradation and catering to fuel wood, fodder and other needs of Agri-inputs supply of the community.
- Problematic lands (Sodic, Saline, Ravines and Water logged, etc) are now converted into cultivable lands and have proved to be productive assets.
- Farm forestry activities have helped to bring ecological balance. The Carbon Credit Project for 189 hectares of IFFDC registered with VERRA Registry has generated 78,000 Carbon Credits during the year 2008-2022. The sale of 41,229 credits generated an income of Rs. 1.5 crore to 11 PFFCS and Rs. 3.0 crore to 120 plantation owner member farmers. It developed an additional source of income to them.
- Farm Forestry Programme has resulted in additional employment opportunities being created through various farm forestry activities for local communities and has especially benefited the women of these communities.
- Revolving Fund is helping to PFFCS as well as SHG members to established micro-enterprises and generating livelihood options. The operationalised micro-enterprises are helping to the aim of doubling the Farmer's income.

2. जलग्रहण प्रबंधन (पारिस्थितिकीय प्रतिस्कंदन)

आई.एफ.एफ.डी.सी. ने काफी समय पूर्व ही अपने जलवायु परिवर्तन शमन व क्लाईमेट एक्शन कार्यक्रम में अन्य विषयक अवधानों जैसे जल संसाधन विकास, मृदा–जल संरक्षण, क्लाईमेट प्रूफिंग आदि को समाहित करने के महत्व को अपना लिया था। आई.एफ.एफ.डी.सी. को विशेषतः प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण समुदायों की जेंडर केंद्रित आजीविका उत्थान के लिए जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम का बहुत अनुभव है, इससे सतत् विकास लक्ष्य सं. 13 "क्लाईमेट एक्शन" तथा सतत् विकास लक्ष्य सं. 15 "जमीन पर जीवन" में सहयोग मिलता है। इस कार्यक्रम के सहभागी तरीके से क्रियान्वयन हेतु ग्राम जलग्रहण कमेटी तथा जल उपयोग कमेटियां जैसी सामुदायिक संस्थायें विकसित की गयीं। जल एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के क्रम में समुदाय के लिए पारिस्थितिकीय प्रतिस्कंदन निर्माण हेतु इस गतिविधि में भू–उपयोग योजना एवं विकास तथा अन्य आजीविका अर्जन से संबंधित गतिविधियों के एक व्यापक समूह को क्रमबद्ध तरीके से समाहित किया गया है।

जलग्रहण विकास का मुख्य उद्देश्य, भूमि व जल संसाधनों को संरक्षित व पुनर्स्थापित करना जिससे, जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिस्कंदन विकसित हो तथा इन क्षेत्रों में खाद्य एवं आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस हेतु, आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा जल संसाधनों के क्षरण को पुनर्स्थापित करने के लिए अन्य संस्थाओं तथा नाबार्ड से एवं विभिन्न सरकारी संस्थाओं से अभिमुखीकरण कर संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

जलग्रहण कार्यक्रम का क्रियान्वयन नाबार्ड के वित्तीय सहयोग से किया जा रहा है। वर्तमान में, "रिज से वैली तक" उपचार की अवधारणा के साथ भूमि उपचार, जलवायु शमन, आजीविका सृजन तथा ग्रामीण समुदाय का क्षमता विकास करते हुए सतत् सामुदायिक संस्थाओं जैसे ग्राम जलग्रहण विकास समितियों (वी.डब्ल्यू.डी.सी.) का विकास एवं परियोजना चक्र के सभी स्तरों में जेन्डर समानता को सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। विभिन्न मृदा एवं जल संरक्षण गतिविधियों के माध्यम से कुल 18,837 हैक्टेयर क्षेत्र को उपचारित किया गया है।



नाबार्ड–जलग्रहण विकास परियोजना अमरीती, जिला सतना (मध्य प्रदेश) में वर्षा जल संरक्षण हेतु निर्मित तालाब

2. Watershed Management (Ecological Resilience)

Early on in its Climate Change Mitigation and Climate Action, IFFDC recognised the importance of integrating other thematic interventions like Water Resource Development, Soil Water Conservation, Climate Proofing etc. into this activity. In particular, the IFFDC's experience of its watershed management programme for improving gender focused rural livelihoods of communities through natural resource management is noteworthy. It contributes to the Sustainable Development Goal No. 13 "Climate Action" and SDG 15 "Life on Land".

Village Watershed Committees and Water Users Committees are developed for implementing this programme using a participatory approach. Focusing on providing Water and Food Security, a comprehensive set of activities related to land use planning and development and other livelihood generation activities has been systematically integrated for building up the 'Ecosystem Resilience' of the community.

The purpose of watershed development is to rehabilitate and conserve land and water resources in order to develop resilience towards climate change to ensure food and livelihood security. For this, the IFFDC has joined hands with other agencies and is mobilising resources directly from NABARD and through convergence with various Government agencies for the restoration of depleting water resources.

The Watershed programme is being implemented with the financial support of NABARD. The focus is on land treatment with "Ridge to Valley" treatment concept, climate proofing, livelihood generation and building capacities of the rural community by developing sustainable community institutions like Village Watershed Development Committees (VWDC) and ensuring gender equity in all stages of the project cycle. Total 18,837 ha area has been treated by various soil & water conservation measures.



Gabion Structure constructed under NABARD Watershed Development Project-Kamladiha, Distt. Cuttack (Odisha)

परियोजना विवरण

सहायक संस्था	राज्य	जिला	उपचारित क्षेत्र (हेक्ट.)
नाबार्ड	छत्तीसगढ़	कवर्धा, बिलासपुर	2,609
	मध्य प्रदेश	सागर, छिंदवाड़ा, सतना	4,127
	राजस्थान	प्रतापगढ़, उदयपुर	1,652
	तेलंगाना	निजामाबाद	1,837
	ओडिशा	कटक	81
राज्य सरकारें	म.प्र. (मनरेगा)	भोपाल, श्योपुर, छतरपुर	3,417
	म.प्र. (आई.डब्ल्यू.एम.पी.)	छतरपुर, रीवा	5,114
		कुल	**18,837**

प्रगति

- 750 हैक्ट. क्षेत्र को प्रभावी मृदा–जल संरक्षण हेतु 12,243 घन मी फार्मबंड (एफ.बी), 5,012 घन मी. फार्म बंड की मरम्मत (एस.एफ.बी.),व 661 घन मी स्टोन आउटलेट (एस.ओ.), 2,172 घन मी जल अवशोशण ट्रैंच (डब्लू.ए.टी.), 206 मिट्टी की नालाबंदी (ई.जी.पी.), 72 लूज बोल्डर संरचना (एल.बी.एस.), 02 गेबियन संरचना, 03 परकोलेशन टैंक, 2 संयोजित गेबियन संरचना निर्माण किया गया।
- मृदा–जल संरक्षण उपायों के तहत, किसानो के खेत मे बारिश के पानी को एकत्रित करके फसलों को सिंचित करने के लिए 26 फार्म पौंडों का निर्माण किया गया व जल संरक्षण के लिए, 13 रिर्चाज पिट की स्थापित किए गए।
- ग्राम जलग्रहण विकास समिति के सदस्यों के लिए वित्तिय साक्षरता, सामाजिक मुद्दों और फसल बीमा, जलवायु परिवर्तन शमन, अनुकूलन, सहनशीलता विकास और जलवायु स्मार्ट फसल उत्पादन व जल बजट पर 07 प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। जिसमे 150 किसानों ने भाग लिया।
- क्षेत्र मे पौष्टिक आहार की उपलब्धता बढाने हेतु, 15 किसानों व स्वयं सहायता समूह सदस्यो को सब्जियों जैसे करेला, भिंडी, कद्दू व लौकी के उन्नत किस्मों 15 किट प्रदान किये गये।
- परियोजना क्षेत्र मे पशु के लिए प्रोटीन युक्त चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए अजोला की खेती की 12 ईकाइयां स्थापित की गई है। इससे पशुओं के दूध की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार करने मे मदद होगी। चारे की खेती हेतु, 40 किसानो को 145 किलो बरसीम का बीज प्रदान किया गया। इससे परियोजना क्षेत्र मे दूध उत्पादन बढाने और दूध देने वाले मवेशियों को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। उपज बढ़ाने के लिए परियोजना क्षेत्र के 70 किसानों को आलू (पहाड़ी), प्याज (महालक्ष्मी) और लहसुन (गोरंग) के 21 क्विंटल बीज और चना (जे.जी.–12) के 2 क्विंटल बीज प्रदान करके नई फसल किस्मों की शुरुआत की।
- आय अर्जन हेतु, स्वयं सहायता समूह सदस्यो, 1 आटा चक्की, 1 मसाला ग्राइंडर व मिनी दाल मिल आदि प्रदान की गई, जिससे स्वयं सहायता समूह की आय एवं आजीविका अर्जन हेतु एक वैकल्पिक स्रोत विकसित हुआ हैं।
- सिंचाई के पानी की बचत और लागत कम करने के लिए, 11 किसानो को रेन गन पाइप वितरित किए गए है व पानी की हानि को कम करने व जल उपयोग दक्षता को बढ़ाने के लिए किसानों को 12 ड्रिप और स्प्रिंकलर सेट प्रदान किया।
- खरीफ फसलो मे कीट नियंत्रण हेतु, उन्नत तकनीकी के 67 फेरोमोन ट्रैप किसानों के खेतो मे लगाये गये।

परिणाम

- कुओं में पानी के स्तर में वृद्धि हुई तथा किसान अपनी दूसरी फसल लेने में सफल हुए, जिससे अधिक आमदनी हुई।
- मृदा संरक्षण की विभिन्न गतिविधियों के करने से कृषि योग्य भूमि में अतिरिक्त क्षेत्र की बढ़ोत्तरी हुई।
- विभिन्न कौशल विकास एवं मृदा संरक्षण गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र के भूमिहीन कृषक एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर मिले।
- सिंचित क्षेत्र से पशुओं के लिए उन्नत गुणवत्ता का चारा उपलब्ध हुआ जिससे पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ।
- परियोजना क्षेत्र में कृषकों में "जलवायु स्मार्ट खेती" करने के ज्ञान में वृद्धि हुई।
- भारत सरकार के उद्देश्यों "प्रत्येक बूँद से अधिक फसल" तथा कृषकों की आय को दोगुना करना" में योगदान प्रदान करने में सहायता मिली।

PROJECT DETAILS

Supporting Agency	State	District	Treated Area (ha)
NABARD	Chhattisgarh	Kawardha, Bilaspur	2,609
	Madhya Pradesh	Sagar, Chhindwara, Satna	4,127
	Rajasthan	Pratapgarh, Udaipur	1,652
	Telangana	Nizamabad	1,837
	Odisha	Cuttack	81
State Govt.	MP (MGNREGA)	Bhopal, Sheopur, Chhatarpur	3,417
	MP (IWMP)	Chhatarpur, Rewa	5,114
		Total	**18,837**

Progress

- 750 ha area has been treated with 12,243 M^3 Farm Bund (FB), 5,012 M^3 Strengthening of Field Bund (SFB), 661 M^3. Stone outlet (SO), 2,172 M^3 Water Absorption Trench (WAT), 206 Earthen Gully Plug (EGP), 72 Loose Boulder Structure (LBS), 02 Gabion Structure, 3 Percolation Tanks, 2 Composite Gabion have been constructed for Soil Water Conservation purpose.
- Under soil-water conservation measures, 26 Farm Ponds were constructed in farmer field to harvest rain water and its utilization for irrigating the crops and 13 Recharge Pits to conserve water have been established to Conserve Water.
- 7 training programmes on Financial Literacy, Social issues & Crop Insurance, Climate Change Mitigation, Adaptation, Resilience Development and Climate Smart Cropping, Water budgeting were organized for village Watershed Community members in which 150 farmers participated.
- 15 Kits of improved Vegetable seeds such as Bitter Gourd, Okra, Pumpkin and Bottle Gourd have been provided to 15 Farmers and SHG members to increase nutritive food availability in the area.
- 12 Units of Azola Cultivation have been set up for increasing availability of protein rich fodder for cattle in the area. It will help in improving the quality & production of the Cattle Milk. 145 Kg seed of Barseem have been provided to 40 farmers for fodder cultivation. It will help in increase milk production and maintaining milching cattle health in the project area. Introduced new crop varieties by providing 21 qtl seeds of Potato (Pahari), Onion (Mahalaxmi) & Garlic (Gorang) and 2 qtl of Gram (J.G.-12) to 70 farmers in the project area for increasing yield.
- For income Generation, One Flour mill, one Masala Grinding Machine and one mini Dal Mill have been provided to SHG members. An alternate source for generating income and livelihood for SHG members has been developed.
- 11 Rain Gun Pipes have been distributed to 11 farmers and 12 Drip and sprinkler set have been provided to farmers to increase water use efficiency to reduce water losses and saving of water .
- 67 Pheromone Traps have been installed on farmers fields for Pest Control in Kharif crops

Outcome

- Increase of water table of the wells has been observed and farmers are able to harvest their second crop successfully leading to more returns.
- Additional area has been brought under cultivation by adopting various soil conservation measures.
- Landless farmers and women have been endowed with employment opportunities in the area through skill development and various soil-moisture conservation activities.
- Treated area has produced good quality fodder for cattle by which health of cattle has been improved.
- The knowledge on "Climate Smart Agriculture" amongst the farmers of the project area has increased.
- It helped in contributing to the objectives of Govt. of India i.e. "More Crop from Each Drop" and Doubling Farmers Income.

किसान उत्पादक संगठन संवर्धन परियोजना (सतत् विकास लक्ष्य सं. 1 "निर्धनता नहीं")

किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) प्राथमिक उत्पादकों, जैसे किसान, दूध उत्पादक, मछुआरे, बुनकर, ग्रामीण कारीगर, शिल्पकार द्वारा गठित एक कानूनी इकाई है। एफपीओ एक उत्पादक कंपनी, एक सहकारी समिति या कोई अन्य कानूनी रूप में हो सकता है जो सदस्यों के बीच लाभ/लाभ साझा करने का प्रावधान करता है। एफपीओ का मुख्य उद्देश्य सदस्य उत्पादकों के लिए अपने स्वयं के संगठन के माध्यम से बेहतर आय अर्जन सुनिश्चित करना है। छोटे उत्पादकों के पास व्यक्तिगत रूप से इतनी मात्रा में आदान और उत्पादन दोनों नहीं होते हैं कि, जिससे उनको आर्थिक लाभ हो सके। इसके अलावा, कृषि विपणन में, बिचौलियों की एक लंबी श्रृंखला है जो अक्सर अपारदर्शी तरीके से काम करते हैं जिससे ऐसी स्थिति पैदा होती है कि, जहाँ उत्पादक को अंतिम उपभोक्ता द्वारा भुगतान किए गए मूल्य का केवल एक छोटा हिस्सा ही प्राप्त होता है। एकत्रीकरण के माध्यम से, प्राथमिक उत्पादक, बड़ी मात्रा से आर्थिक लाभ उठा सकते हैं। उनके पास थोक क्रेताओं और इनपुट के थोक आपूर्तिकर्ताओं के मुकाबले बेहतर सौदेबाजी की शक्ति भी होती है। एफपीओ को बढ़ावा से सतत् विकास लक्ष्य संख्या 1 "निर्धनता नहीं" में योगदान होता क्योंकि, इससे एफपीओ के सदस्यों की आय को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

आईएफएफडीसी द्वारा नाबार्ड एवं एन.सी.डी.सी. द्वारा वित्तपोषित भारत सरकार की सेंट्रल स्कीम–10,000 कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) संवर्धन परियोजना के तहत् 10 परियोजनायें सात राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में संचालित की जा रही है। परियोजना की अवधि अप्रैल 2021 से मार्च 2026 तक पांच वर्ष की है।

- आंवटित सभी 50 कृषक उत्पादक संगठनों का गठन कर पंजीकरण करा दिया गया जिसमें से 27 सहकारिता अधिनियम व 23 कम्पनी अधिनियम के तहत् पंजीकृत कर दिए गये हैं। इन कृषक उत्पादक संगठनों में कुल सदस्यता 21,435 है।
- कृषक उत्पादक संगठन जागरूकता पर 1,204 बैठकें और कृषक उत्पादक संगठन के निदेशक मंडल की 1,210 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 39,185 किसानों ने भाग लिया।



पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड श्री भगत सिंह कोश्यारी द्वारा जी.बी. पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर (उत्तराखण्ड) में आई.एफ.एफ.डी.सी. संवर्द्धित कृषक उत्पादक संगठन की स्टॉल का अवलोकन

Promotion of Farmers Producer Organisation (FPO) Project

(Sustainable Development Goal No. 1 "No Poverty")

A Farmer Producer Organisation (FPO) is a legal entity formed by primary producers, viz. farmers, milk producers, fishermen, weavers, rural artisans, craftsmen. A FPO can be a producer company, a cooperative society or any other legal form which provides for sharing of profits/benefits among the members. The main aim of FPO is to ensure better income for the producers through an organization of their own. Small producers do not have the volume individually (both inputs and produce) to get the benefit of economies of scale. Besides, in agricultural marketing, there is a long chain of intermediaries who very often work non-transparently leading to the situation where the producer receives only a small part of the value that the ultimate consumer pays. Through aggregation, the primary producers can avail the benefit of economies of scale. They will also have better bargaining power vis-à-vis the bulk buyers of produce and bulk suppliers of inputs. Promotion of FPO contributes to the Sustainable Development Goal No. 1 "No Poverty" as it helps in increasing income of the FPO members.

IFFDC is implementing 10 projects on Promotion of FPOs Projects in seven States i.e Uttar Pradesh, Uttarakhand, Bihar, Haryana, Madhya Pradesh, Gujarat and Maharashtra with Financial support of NABARD and NCDC under Central Sector Scheme of Govt. of India for promotion of 10,000 Farmer Producer Organizations (FPOs). The project duration is for five years from April 2021 to March 2026

- All 50 allotted FPOs have been formed of which 27 FPOs, are registered under Cooperative Acts and 23 FPO registered under the Companies Act. The total membership is 21,435 Farmers in these FPOs.
- 1,204 meetings on FPO awareness and 1210 meetings of Board of Directors of FPO have been organised, in which, 39,185 farmers participated.



IFFDC promoted FPO woman member in Haryana trained under "Namo Drone Didis" programme operating Drone

- हरियाणा, गुजरात, उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तराखंड के 45 कृषक उत्पादक संगठनों को 144.40 लाख रुपये का इक्विटी अनुदान प्राप्त हुआ है।
- 50 कृषक उत्पादक संगठनों ने पैन नंबर प्राप्त किया है, 38 कृषक उत्पादक संगठनों ने जीएसटी नंबर प्राप्त किया है, 48 कृषक उत्पादक संगठनों ने राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई–नाम) पोर्टल पर पंजीकृत किया है, 16 कृषक उत्पादक संगठनों ने मंडी लाइसेंस प्राप्त किया है और 32 कृषक उत्पादक संगठनों ने उर्वरक, बीज और कीटनाशक लाइसेंस प्राप्त किए हैं।
- अब तक, 45 कृषक उत्पादक संगठनों को प्रबंधन लागत के लिए पहली से दसवी किस्त के रूप में 367.11 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं।
- कृषक उत्पादक संगठनों के निदेशक मंडलों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के 102 प्रशिक्षण कार्यक्रम और 100 एक्सपोजर भ्रमण आयोजित किए गए हैं।
- अब तक, आई.एफ.एफ.डी.सी. ने सी.बी.बी.ओ. प्रबंधन लागत के रुप में 374.84 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया।
- वर्ष के दौरान, 41 एफपीओ ने कृषि–इनपुट यानी उर्वरक, बीज, कीटनाशक एवं जैव उर्वरको की बिक्री से कुल 6.02 करोड़ रुपये का व्यापार किया।
- वर्ष के दौरान, 29 एफपीओ ने 70.87 करोड़ रुपये के कुल कारोबार के साथ कमोडिटी ट्रेडिंग की ।
- भारत सरकार की नमो ड्रोन दीदी की पहल के तहत्, आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा प्रवर्तित 21 एफ.पी.ओ. की 21 ग्रामीण महिला सदस्यों को इफको की मदद से कृषि उद्देश्यों के लिए ड्रोन पायलट बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तीकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ाना है।



जिला कौशाम्बी (उ.प्र.) में आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा संवर्द्धित एफ.पी.ओ. को कृषि विभाग द्वारा फार्म मशीनरी बैंक योजना के अंतर्गत कृषि यंत्रों की सहायता

- 45 FPO of Haryana, Gujarat, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Maharashtra, Bihar and Uttarakhand have received Equity Grant of Rs.144.40 Lakh.
- 50 FPO have obtained PAN numbers, 38 FPO have obtained GST number, 48 FPOs registered on National Agriculture Market (e-NAM) portal, 16 FPOs obtained Mandi Licenses and 32 FPOs obtained Fertiliser, Seed and Pesticide Licenses.
- So far, 45 FPO have received of Rs. 367.11 Lakh as 1st to 10th installment towards Management Cost.
- 102 Training programmes of FPO Boards of Directors & Chief Executive Officers and 100 Exposure Visits have been organised.
- So far, IFFDC received grant of Rs. 374.84 Lakh towards CBBO Management Cost.
- During the Year 41 Farmer Producer Organizations sold Agri-inputs i.e. Fertilisers, Seeds, Pesticides, Bio fertilisers with total turnover of Rs. 6.02 Crore.
- During the Year 29 FPOs undertaken Commodity Trading with total turnover of Rs 70.87 Crore.
- Under the initiative of Namo Drone Didis of Govt of India, 21 rural women members from IFFDC promoted 21 FPOs have been trained with the help of IFFCO to become drone pilots for agricultural purposes. The initiative aims to enhance economic empowerment and financial autonomy among women, especially in rural areas.



Onion procurement as commodity trading by Rajula FPO, Amreli (Gujarat) promoted by IFFDC with NCDC help

सी.एस.आर. पहल

''कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व'' (सी.एस.आर.) प्रबंधन की एक अवधारणा है जिसमें, कम्पनियाँ अपने व्यापार के संचालन तथा अपने हितधारकों के साथ बातचीत में सामाजिक एवं पर्यावरण चिन्ताओं को समन्वित करती है। सी.एस.आर. सामान्यतः एक ऐसा तरीका है जिसके माध्यम से एक कम्पनी आर्थिक, पर्यावरण तथा सामाजिक अनिवार्यता में एक सन्तुलन प्राप्त करने के साथ–साथ शेयरधारकों की अपेक्षाओं को भी सम्बोधित किया जाता है। भारत में सी.एस.आर. को परम्परागत परोपकार की एक गतिविधि के रूप में देखा गया है। कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के तहत् सी.एस.आर. का विचार प्रस्तुत किया गया था तथा अब यह, ऐसी सभी कम्पनियों के लिए अनिवार्य हो गया है जिनका वार्षिक टर्नओवर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक, अथवा 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवल मूल्य अथवा शुद्ध लाभ 5 करोड़ रुपये से अधिक का हो। इस एक्ट के अनुसार, ऐसी कम्पनियों को उनके पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ की कम से कम 2 प्रतिशत राशि को सी.एस.आर. गतिविधियों पर खर्च करना होता है।

अधिकांश कारपोरेट, सी.एस.आर. नीति की अनुपालना कर रहे हैं तथा उनके केन्द्रित क्षेत्रों में सामाजिक व पर्यावरण विकास के विभिन्न सी.एस.आर. गतिविधियों/परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। सी.एस.आर. आधारित कार्यक्रमों को सूत्रीकरण करने व उनके क्रियान्वयन करने तथा इस प्रकार की पहलों के परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन के लिए विशेष मनोवृत्ति, रणनीति, कौशल तथा क्षमताओं की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु आई.एफ.एफ.डी.सी. के पास वांछित योग्यता, मनोवृति, कौशल क्षमता तथा अनुभव है, अतः कार्पोरेट्स को परिणामोन्मुखी तरीके से उनके सी.एस.आर. प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने में सहयोग करना प्रारम्भ कर दिया। कार्पोरेट्स के सी.एस.आर. पहल की साझेदारी में आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा अपनी सेवाओं का विस्तार करने के माध्यम से गरीबी उन्मूलन एवं चिरन्तर आजीविका विकास की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। आई.एफ.एफ.डी.सी. की ग्रामीण आजीविका पहुँच में लोगों को विकास के केन्द्र में रखा जाता है तथा सम्पत्ति व कौशल निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है ताकि, महिलाएँ व पुरुष, रोजगार व आय अर्जन के लिए नये अवसरों तक अपनी पहुँच बना सके।

सी.एस.आर. परियोजना

इफको टोकियो–समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना (आई.आई.आर.डी.पी.)

इफको–टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंम्पनी लिमिटेड (आई.टी.जी.आई.) द्वारा इनके "सी.एस.आर. पहल" के अन्तर्गत "इफको टोकियो–समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना" 7 गाँवों अर्थात् छत्तीसगढ़ राज्य के गरियाबंद जिले के 4 गाँवों एवं बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के 3 गाँवों में क्रियान्वित की जा रही है जिसमें आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा सहयोग किया जा रहा है।



इफको–टोकियो समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना–गरियाबंद (छत्तीसगढ़) अंतर्गत जल स्त्रोत विकास हेतु निर्मित तालाब

CSR INITIATIVES

"Corporate Social Responsibility" (CSR) is a management concept whereby companies integrate social and environmental concerns in their business operations and interactions with their stakeholders. CSR is generally understood as being the way through which a company achieves a balance of economic, environmental and social imperatives simultaneously, addressing the expectations of shareholders and stakeholders. CSR in India has traditionally been seen as a philanthropic activity. Under the Clause 135 of the Companies Act, 2013 has introduced the idea of CSR and now it is mandatory for the companies with an annual turnover of more than 1,000 crore INR, or a net worth of more than 500 crore INR, or a net profit of more than five crore INR. The Act encourages companies to spend at least 2% of their average net profit in the previous three years on CSR activities.

Most of the corporates are complying with the CSR policy and implementing various CSR activities/projects for social and environment development in their focused area. Formulation and Implementation of CSR based programme also requires specific attitude, strategy, skill and capabilities for outcome oriented implementation of such initiatives. IFFDC has the aptitude, attitude, skill, capability and experience in implementing such programmes and has started facilitating Corporates in achieving their CSR commitments in result oriented mode. Efforts are being made by IFFDC towards poverty alleviation and sustainable rural livelihood development through extending its services in partnership with Corporates under their CSR initiatives. IFFDC's rural livelihoods approach places people at the centre of development and focuses on building assets and skills so that women and men can access new opportunities for income generation and employment.

CSR PROJECT

IFFCO-TOKIO Integrated Rural Development Project (IIRDP)

IFFDC is facilitating IFFCO-Tokio General Insurance Co. in implementation of its IFFCO-Tokio Integrated Rural Development Project in 07 villages i.e. 04 villages of Distt. Gariaband in Chhattisgarh and 03 Villages of Distt, Muzaffarpur in Bihar under its CSR initiative.



Supported for poultry rearing to poor Musahar family under IFFCO-Tokio CSR Project - Muzaffarpur (Bihar) for livelihood

यह परियोजना आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा इन गांवों में ग्रामीण सहभागी अध्ययन (पी.आर.ए.), आंकड़े एकत्रीकरण व विश्लेषण, समस्याओं की पहचान, मुद्दों का प्राथमिकीकरण, क्रान्तिक समस्या विश्लेषण (सी.पी.ए.) आदि जैसी (सहभागी प्रक्रियाओं) के माध्यम से तैयार की गयी।

परियोजना का क्रियान्वयन 8 घटकों (i) सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, (ii) स्वच्छ पेयजल एवं जलस्त्रोत विकास, (iii) कृषि उत्पादन (iv) पशुधन विकास, (v) महिला सशक्तिकरण, (vi) कौशल विकास व रोजगार सृजन, (vii) शिक्षा एवं (viii) पर्यावरण सुधार के अन्तर्गत 62 गतिविधियों से अधिक के साथ किया जा रहा है।

वर्ष के दौरान परियोजना की प्रगति :

- परियोजना गांवों में सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 3 सौर आधारित पेयजल इकाइयां स्थापित की गई हैं, बिजली और ऊर्जा की बचत के लिए 46 सौर स्ट्रीट लाइटें और 270 घरेलू सौर लाइटें स्थापित की गईं।
- परियोजना गांवों में कौशल विकास के लिए 3 महीने की अवधि के सिलाई, लाख की चूडियां, मधुबनी पेटिंग, एप्लिक कार्य (खटुआ), 2 माह की अवधि का "सौर ऊर्जा चलित उपकरणों की मरम्मत एवं एक माह की अवधि का बांस शिल्प बनाने पर पर 06 प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। एसएचजी और युवाओं ने अपने सूक्ष्म उद्यम शुरू कर दिए हैं।
- जल संसाधन विकास के अंतर्गत 11 तालाब एवं 34 रिंगवेल का निर्माण/पुनर्निर्माण किया गया है।
- गरीब मुसहर परिवारों के लिए परियोजना ग्रामों में 30 स्नानागारों का निर्माण किया गया है। इनकी आवश्यकता व उपयोग के मद्देनजर महिलाओं ने इसका नाम "इज्जत घर" रखा।
- ग्रामीण गरीबों के बेहतर पोषण और स्वास्थ्य के लिए मौसमी सब्जियों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किचन गार्डन विकसित करने के लिए 1,138 परिवारों को मदद की गई है।
- परियोजना ग्रामों में चार सामुदायिक केन्द्र, एक प्राथमिक विद्यालय, एक तेंदूपत्ता संग्रहण केन्द्र एवं एक मंदिर का निर्माण/पुनर्निर्माण किया गया।
- पशुधन विकास के तहत 525 गरीब परिवारों को "सोनाली एवं कडकनाथ" नस्ल के 10,500 चूजे और "ब्लैकबंगाल" नस्ल की 220 बकरियां प्रदान की गई हैं।
- 27 स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के लिए और 09 पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए।
- हैंडपंपों से आने वाले अपशिष्ट जल को धीरे–धीरे नीचे जमीन में सोखने के लिए हैंडपंपो के 105 प्लेटफार्मों के साथ सोक पिटों का निर्माण किया गया। यह भूजल स्तर को रिचार्ज करने में मदद कर रहा है।




इफको–टोकियो समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना, गरियाबंद (छत्तीसगढ़) अंतर्गत सिंचाई जल स्त्रोत विकास हेतु निर्मित रिंग वैल

The project was developed with "Participatory Process" by adopting the steps like Participatory Rural Appraisal (PRA), Data Collection & Analysis, Problem identification, Prioritization of the issues, Critical Problem Analysis (CPA) etc in these villages by the IFFDC.

The Project is being implemented with more than 62 activities covered under eight components viz;

(I) Community Health and Sanitation, (ii) Safe Drinking Water and Water Resources Development (iii) Agriculture Production, (iv) Livestock Development, (v) Women Empowerment, (vi) Skill Development and Employment Generation, (vii) Education and (viii) Environment Up-gradation.

The Progress of the Project during the year :

- 3 Solar based drinking water units have been installed for ensuring safe drinking Water, 46 Solar Street Lights and 270 Solar home Lights established for saving electricity and energy in the Project Villages.
- For Skill Development in project villages, 06 trainings on Tailoring, Lac Bangles Making, Madhubani Painting and Applique Work (Khatua) for 3 months period, Solar operated equipments repairing for 2 months period, Bamboo Craft Making for one month period have been organised. The SHGs and Youth have started their micro-enterprises.
- Under Water Resource Development, 11 Ponds and 34 Ring Wells have been constructed/ renovated.
- 30 Bathrooms have been constructed in project villages for poor Musahar families. In view of the necessity and usefulness of these bathrooms, the Women named it "Izzat Ghar".
- 1,138 families were supported for developing Kitchen Garden for increasing availability of season vegetables for better nutrition and health of the rural poor community.
- 04 Community Centers, One Primary school, One Tendupatta Collection Centre and one Temple constructed/renovated in project villages..
- Under Live Stock Development, 10,500 chicks of " Sonali and Kadaknath " breed and 220 Goats of "Black Bengal" have been provided to 525 poor families.
- 27 Health & Awareness Camps particularly for pregnant women and 09 Veterinary Camps were organized.
- 105 Platforms with Soak Pits of Hand Pumps have been constructed for leaching down the wastewater of Hand pumps to slowly soak into the underground. It also helps in recharging the groundwater table.



Bathroom constructed for Musahar Community Women under IFFCO-Tokio Integrated Rural Development Project, Purbi Musahar Tola, Distt. Muzaffarpur (Bihar)

- घरों की मरम्मत के लिए सहायता हेतु, 198 गरीब परिवारों को सीमेंट की शीटें एवं सीमेंट के पोल प्रदान किये गये।
- परियोजना ग्रामों में 06 शौचालय ब्लॉकों का निर्माण किया गया है, जिससे 155 परिवार लाभान्वित हो रहे है।

प्रभाव

- परियोजना परिवारों व विद्यार्थियों में पढ़ाई का महत्व, साफ सफाई, स्वास्थ्य व स्वच्छता तथा स्वच्छ पेयजल के बारे में जागरूकता उत्पन्न हुई। परियोजना क्षेत्र के परिवारों ने खुले में शौच करना बंद कर दिया तथा शौचालयों का प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया। परियोजना क्षेत्र के समुदायों में बाल–विवाह, जनसंख्या नियंत्रण, नशामुक्ति आदि जैसी कुरीतियों पर जागृति उत्पन्न हो रही है। इससे परियोजना क्षेत्र की लड़कियों व महिलाओं में विशेषतौर पर आत्मसम्मान व सुरक्षित वातावरण की भावना विकसित हुई।
- 3 गाँवों के 75 परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है जिससे जलजनित बीमारियाँ कम हुई हैं।
- सोलर लाईट व सोलर स्ट्रीट लाईट के प्रयोग से बिजली के खर्चे व ऊर्जा की बचत हुई।
- महिलाओं विशेषतया समूह सदस्यों ने कौशल विकास व आय अर्जन की गतिविधियों के माध्यम से आय अर्जन के वैकल्पिक स्त्रोत विकसित किये। 62 महिला सदस्यों को प्रति माह 3000–10,000 रुपये तक की अतिरिक्त आय अर्जित होना प्रारंभ हो गई।

दिल्ली में बागवानी विभाग के तहत विभिन्न पार्कों में हरित पट्टी विकास एन.सी.टी.

मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड ने दिल्ली एन.सी.टी में 5 अलग–अलग पार्कों यानी पीतमपुरा में पुलु ब्लॉक पार्क और सेंट्रल पार्क, रामपुरा में टंकी वाला पार्क, रिंग रोड के पास नेफेड पट्टी पार्क और केशव पुरम में रेलवे लाइन के पास पार्क में हरित पट्टी विकास परियोजना प्रदान की है। परियोजना को तीन साल यानी अप्रैल 2021 से मार्च 2024 के लिए लागू किया जा रहा है। परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण सुधार के लिए वृक्षारोपण बढ़ाना है जो जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने में योगदान देता है।

- 4550 पौधों के रखरखाव की गतिविधियाँ जैसे निराई–गुड़ाई, सिंचाई, थामला निर्माण आदि नियमित रूप से की जा रही हैं।



इफको–टोकियो एकीकृत ग्रामीण विकास परियोजना, मुजफ्फरपुर (बिहार) अंतर्गत बेरोजगार नवयुवतियों के लिए मधुबनी पेंटिंग पर प्रशिक्षण

- For repairing of Houses, Support of Plain Cement roofing sheets and RCC Precast poles has been provided to 198 poor families.
- 06 Toilet Blocks have been constructed in project villages, in which, 155 families are benefited

Impact

- The project families and school children are getting aware about the importance of study, cleanness, health & sanitation and safe drinking water. The families of the project area stopped open defecation and started use of toilets. The project communities are getting aware about the social evils like Child Marriage, Population Control, De-addiction etc. It developed self-steemed and safe environment for the girls & women in particular.
- 75 Families in 3 villages are getting safe drinking water which helped in reducing water borne diseases.
- Use of Solar Lights and Solar Street Lights resulted into saving of electricity expenses and energy.
- The women particularly the SHG members have developed alternative income generation sources through skill development & other income generation activities. 62 women members are earning additional income ranging Rs. 3,000 to 10,000 per month through micro enterprises development.

Green Belt Development in Different Parks under Horticulture Department in Delhi N.C.T.

The Mitsui & Co. Ltd. has awarded a Green Development Project in 5 different Parks i.e. Pulu Block Park & Central Park in Pitampura, Tanki wala Park in Rampura, Nafed Patti Park near Ring Road and Park near Railway Line in Keshav Puram in Delhi N.C.T. The project is being implemented for three years i.e April 2021 to March 2024. The objective of the project for increasing tree cover for environment improvement which contributes toward combating the climate change.

- Maintenance activities like hoeing & weeding, irrigation, Basin making etc. of 4,550 saplings are being carried out regularly.



Support for construction of house to poor Musahar Family under IFFCO-Tokio Integrated Rural Development Project-Muzaffarpur (Bihar)

समन्वित ग्रामीण आजीविका विकास

देश में समावेशी विकास को मुख्य ध्येय रखकर की गयी पहलों के उपरान्त भी भूमि, जल, उन्नत आदानों, तकनीकियों एवं सूक्ष्मवित्त जैसे उत्पादक आदानों तक सीमित पहुँच एवं इसके साथ–साथ सूखा के प्रति अति संवेदनशीलता एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण से गरीबी है।

आई.एफ.एफ.डी.सी. के ग्रामीण विकास के दृष्टिकोण में, लोगों को केन्द्र बिन्दु में रखा जाता है तथा उनके लिए सम्पत्तियाँ, दक्षता, सहायक नीतियाँ, सशक्त संस्थाओं एवं विनियामक संरचनाओं के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। जिससे, विकास को बढ़ावा मिलता है तथा अतिसंवेदनशील समुदाय को सुरक्षा प्राप्त होती है। ताकि, पुरुष एवं महिलाऐं साथ–साथ अपनी चिरन्तर आजीविका के लिए रोजगार एवं आय अर्जन के नये अवसरों तक अपनी पहुँच बना सकें।

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा, इफको एवं अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर, सीमांत समुदाय की आजीविका विकास के लिए उत्पादन वृद्धि, लागत में कमी, मूल्य वृद्धि, विपणन सहायता आदि पर विभिन्न कार्यक्रम चलाये गये।

परियोजना विवरण

परियोजना	राज्य	जिला
ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना	ओडिशा	गंजाम
ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना	पश्चिम बंगाल	अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी एवं दार्जिलिंग

इसमें, कृषि विकास पद्धति, जल संसाधन विकास, महिला सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण, कौशल विकास आदि की उपलब्ध उपयुक्त तकनीकियाँ, जो कि, अभी तक किसानों के खेत तक नहीं पहुँची, के संवर्द्धन पर ध्यान दिया जा रहा है। इस संदर्भ में, आई.एफ.एफ.डी.सी. ने आर्थिक स्तर एवं प्रदर्शन प्रभावों के लिए 'किसानों को केन्द्रित' रखते हुए प्रशिक्षण, प्रसार, एक्सपोजर भ्रमण एवं क्लस्टर दृष्टिकोण को अपनाया है।



इफको ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना–गंजाम (ओडिशा) अंतर्गत स्वच्छ पेयजल हेतु स्थापित सौर ऊर्जा आधारित जल शोधन इकाई

Integrated Rural Livelihood Development

Despite initiatives aimed at inclusive growth in the country, poverty persists because of limited access to productive resources, such as land, water, improved inputs, technology and micro-finance, as well as vulnerability to drought and other natural calamities.

It bears repeating that IFFDC's rural livelihoods approach places people at the centre of development and focuses on building assets and skills, supportive policies, robust institutions and regulatory structures that both encourage growth and protect the most vulnerable, so that, women and men together can access new opportunities for income generation and employment for their sustainable livelihoods.

IFFDC is undertaking several measures in collaboration with IFFCO for increasing productivity, reducing input costs, value addition, providing marketing support etc. for enhancing the livelihoods of the marginalised communities.

PROJECT DESCRIPTION

Project	State	District
Rural Livelihood Development Project	Odisha	Ganjam
Rural Livelihood Development Project	West Bengal	Alipurdwar, Jalpaiguri and Darjeeling

The focus is on promotion of available appropriate technologies for farming system development, water resource development, women empowerment, capacity building, skill development etc. that have not yet percolated to the farmers' fields. In this regard, the IFFDC is adopting 'Farmer-Centric' processes through training, extension, exposure visits and cluster approach to achieve economies of scale and for having a demonstrative effect.



Introduced Mushroom cultivation for generating additional income source to poor families under IFFCO Rural Livelihood Development Project, Siliguri (West Bengal)

प्रगति

- पर्यावरण विकास के तहत, 7,650 पपीता, केला, नारियल, स्ट्रॉबेरी एवं सुपारी के पौधे लगाए गए।
- कौशल विकास हेतु, समूहों के उचित संचालन एवं प्रबंधन, रिकार्ड के रखरखाव आदि पर आठ प्रशिक्षणो आयोजन किया गया।
- आय सृजन के लिए गरीब परिवारों को 4 मसाला पीसने की मशीने, 04 बड़ी बनाने की मशीन, 04 इकाई कैटरिग के सामान प्रदान किये गये एवं 90 मुर्गी पालन इकाईयाँ (प्रति इकाईमें 25 चूजे) स्थापित की गईं साथ में चारा, अनाज पात्र, टीका करण किट एवं पानी के बर्तन प्रदान किए गये।
- गांव के तालाबों में मछली पालन के लिए गरीब परिवारों को रोहू, कतला एवं सिल्वर कार्प प्रजाति के 1,53,000 मछली बीज प्रदान किए गए।
- 961 किसानों को 501 किट उच्च उत्पादक सब्जी बीज, उच्च उत्पादक दलहन एवं तिलहन फसल के बीज के 460 किट्स उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा, फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए इफको जल घुलनशील उर्वरको एवं जैव उर्वरको के 371 किट भी प्रदान किए गए।
- इफको नैनो उर्वरक को बढ़ावा के लिए, 1,757 किसानों को इफको नैनो यूरिया तरल एवं इफको नैनो डी.ए.पी. तरल की 1,757 बोतलें प्रदान की गई, जो उत्पादन लागत को कम करने, मृदा स्वास्थ्य में सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायक होंगी।
- जल संसाधन विकास के तहत, 10 उथले ट्यूबवैल, सोलर सिस्टम सहित 02 बोरवेल के साथ वाटर फिल्टर इकाई एवं 7 हैण्डपंप लगाए गए।
- स्वयं सहायता समूह सदस्यों को, श्रम में कमी लाने हेतु 2 पेट्रोल चालित पंपसेट, 47 स्प्रे मशीनें एवं 38 हैंड/पावर वीडर प्रदान किए गए।
- पर्यावरण सुधार हेतु, 5 सोलर संचालित स्ट्रीट लाईटों की स्थापना की गई एवं 35 सोलर एल.ई.डी. लाईटें प्रदान की गईं।
- 15 स्वास्थ्य व जागरुकता शिविर एवं 16 पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए।
- आय अर्जन के लिए 8 गरीब परिवारों को सुअर पालन हेतु, 8 इकाईयाँ (प्रति इकाई में घुंघरु नस्ल के 03 वराह के शिशु) प्रदान किए गए। गरीब परिवारों की आय एवं आजीविका अर्जन हेतु एक वैकल्पिक स्रोत विकसित किया गया हैं।
- किसानों के खेतों में पानी की बचत एवं सिंचाई लागत को कम करने हेतु, 25 स्प्रिंकलर सेट स्थापित किये गए हैं।

परिणाम

- कुँओं और ट्यूबवैल के जल स्तर में वृद्धि होने के कारण अब किसान 2 से 4 बार अपनी फसलों को अतिरिक्त सिंचित करने लगे हैं। बंदगोभी, टमाटर, मटर, आलू, पपीता, स्ट्राबेरी आदि की नयी फसलों का परियोजना क्षेत्र में शुरुआत हुई।
- किसानों ने विकसित जल संसाधन सुनिश्चित किये हैं, जो सिंचाई के तहत अतिरिक्त क्षेत्र को बढ़ाने में मदद करता है। इन संसाधनों ने दूसरी फसल की खेती में भी मदद की है जिससे फसल क्षेत्र और फसल गहनता में भी वृद्धि हुई है।
- सभी परियोजना गांवों में संस्थागत रूप देने के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उनकी तत्काल जरूरतों को पूर्ण करने और लघु उद्यमों की स्थापना के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।
- विभिन्न आयजनित गतिविधियों और लघु–उद्यमों के माध्यम से आय में वृद्धि हुई है जिससे, सदस्यों की आत्मनिर्भरता में बढ़ोत्तरी हो रही है।
- जागरूकता कार्यक्रमों के कारण, सामाजिक बुराइयों को कम करने और आजीविका में सुधार करने में समुदाय को मदद हो रही है।
- किसान उच्च पैदावार देने वाली किस्मों और नकदी फसलों की खेती करने लगे हैं जिससे, किसानों को अधिक उत्पादन और आय के कारण उनकी आजीविका बेहतर हो रही है।

Progress

- Under Environment Development, 7,650 Papaya, Banana, Coconut, Arecanut and Strawberry saplings have been planted.
- 8 Training programmes for skill development on Proper Functioning & Management of Groups, Record keeping etc for SHGs have been organised.
- 4 Masala Grinding Machines, 4 Badi Making Maching, 4 units of catering Utensils have been provided and 90 Poultry Units (25 Chicks in each unit) have been established along with feed, feeder box, vaccination kits and water pots provided to poor families for income generation.
- 1,53,000 fingerings of Rohu, Catla and Silver Carp species have been provided to poor families for fish farming in village ponds.
- 501 Kits HYV Vegetable seed, 460 Kits HYV Pulses & Oil Seed Crops Seed have been provided to 961 farmers. Moreover, 371 Kits of IFFCO Water Soluble fertilizers & Bio-fertilisers have also been provided for increasing crop yield.
- For Promotion of Nano Fertilisers, 1,757 bottles of IFFCO Nano Liquid Urea (Liquid) and IFFCO Nano Liquid DAP (Liquid) have been provided to 1,757 farmers, which will be helpful in reducing production costs, improvement in soil health and environment conservation.
- Water Resource Development has been carried out and 10 Shallow tubewells, 2 Bore-Wells with solar based Water Filter Units and 7 hand pumps have been installed.
- 2 Petrol operated Pump Sets, 47 Spray Machines and 38 Hand/Power Weeder have been provided to SHG members for drudgery reduction.
- For Environment Up-gradation, 5 Solar Street Lights have been installed and 35 Solar LED Lights have been provided.
- 15 Health & Awareness Camps and 16 Veterinary Camps were organised.
- For Income Generation, For Income Generation, 8 Units of Piglets (03 Ghungroo breed Piglets in each unit) were provided to 08 poor families. An alternate source for generating income and livelihood for the poor families has been developed.
- 25 Sprinkler Sets have been installed in farmer's field for saving the water and reducing the irrigation Cost.

Outcome

- Due to increase in water availability in the nearby wells and tube wells, farmers are now able to provide 2-4 times more irrigation to their crops. New crops i.e. Cabbage, Tomato, Peas, Potato, Papaya, Straw Berry etc have been introduced in the project area.
- Farmers have assured with developed water resources which helps in increasing additional area under irrigation. These resoures have also helped in cultivation of second crop thereby, the cropped area and cropping intensity also increased.
- All the project villages are institutionalized through Self Help Groups (SHG) by providing financial support for addressing immediate needs and setting up of Micro-enterprises
- Enhanced income of members through various Income Generation activities and Micro-enterprises is leading towards their self-reliance.
- Awareness generation has helped in minimising social evils and improving livelihoods of the community.
- Farmers have started cultivating High Yield Varieties (HYV) and cash crops for more production and income leading to better livelihoods

सार्वभौमिक अवधान

ऐसे अवधान एवं गतिविधियाँ जो आई.एफ.एफ.डी.सी. की अधिकांश परियोजनाओं के अन्तर्गत संचालित की जा रही हैं उन्हें ''सार्वभौमिक अवधानों'' के तहत् रखा गया है, जो निम्नानुसार हैंः–

अ. सामुदायिक संस्थाएं

सार्वजनिक संम्पत्ति संसाधनों (सी.पी.आर.) के सफलतापूर्वक प्रबन्धन एवं परियोजना आधारित अवधानों की समाप्ति के उपरान्त भी, विकास की प्रक्रिया को जारी रखने हेतु, स्थायी तन्त्र विकसित करने के क्रम में सामूहिक कार्यवाही के लिए क्षमता निर्माण करना बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। आई.एफ.एफ.डी.सी. ने अपनी विकासात्मक गतिविधियों को संस्थागत रूप देने हेतु सामुदायिक संस्थाओं के संवर्द्धन की नीति को विवेकपूर्ण तरीके से अपनाया है। विकसित किये गये अभिनव समूह सहकारिता की अवधारणा पर आधारित हैं। परन्तु, इनका नामकरण उनके उद्देश्य, जिसके लिए उन्हें विभिन्न परियोजना के अन्तर्गत गठित किया गया, के अनुसार किया गया है। इस प्रकार की सामुदायिक संस्थाऐं जैसे कि, प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियाँ (पी.एफ.एफ.सी.एस.), प्राथमिक आजीविका विकास सहकारी समितियाँ (पी.एल.डी.सी.एस.), कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.), आजीविका समितियाँ (एल.सी.), कृषक क्लब, वाड़ी समूह, स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.), ग्राम जलग्रहण विकास कमेटी (वी.डब्ल्यू.डी.सी.) आदि हैं।

प्रगति

आई.एफ.एफ.डी.सी. स्वयं एक सहकारी संस्था होने के नाते सहकारिता की ताकत से भलीभाँति परिचित है जो, स्थानीय स्तर की संस्थाओं को बनाये रखने, उनका विकास करने में तथा परियोजना आधारित अवधानों की समाप्ति के पश्चात् भी विकास की प्रक्रिया में सहायता प्रदान करता है। सामुदायिक संस्थाएं, समुदाय की उनके वातावरण में आजीविका को सुनिश्चित करने एवं संसाधनों के सामूहिक प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र एवं अवसर प्रदान करती हैं।

विभिन्न परियोजनाओं के तहत विकसित एवं पोषित सामुदायिक संस्थायेंः

क्र.सं.	सामुदायिक संस्थायें	कुल संख्या	कुल सदस्य
1.	पी.एफ.एफ.सी.एस.	151	19,118
2.	पी.एल.डी.सी.एस.	14	1,788
3.	स्वयं सहायता समूह	1907	19,529
4.	किसान क्लब	258	2,599
5.	वाड़ी समूह / टुकड़ी	180	2,475
6.	जल उपभोक्ता समिति	190	2,518
7.	ग्राम जलग्रहण समिति	69	785
8.	कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.)	88	56,832
9.	आजीविका स्वायत्त सहकारी समिति (एल.सी.)	11	6,044
	कुल योग	**2,868**	**1,11,688**

- वर्ष के दौरान 65 सदस्यों को जोड़कर 7 नये स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) का गठन किया गया।

CROSS CUTTING INTERVENTIONS

Interventions and activities which are common to most of the IFFDC projects have been placed under the thematic area "Cross Cutting Interventions" which are as under: -

A. Community Institutions

Building capacity for collective action is crucial for the successful management of Common Property Resources (CPR) and to provide sustainable mechanisms for continuing the development process after withdrawal of project based interventions. IFFDC has consciously adopted the policy of promoting Community Institutions for institutionalizing its development interventions. The promoted groups are strongly rooted in the cooperative principles but differently named depending on the purpose for which formed, under its different projects viz: Primary Farm Forestry Cooperatives Societies (PFFCS), Primary Livelihood Development Cooperative Societies (PLDCS), Farmer Producers Organisation (FPOs), Livelihood Collectives (LCs), Farmer Clubs, Wadi Groups, Self Help Group (SHG), Village Watershed Development Committees (VWDC) and so on.

PROGRESS

Being a Cooperative itself, IFFDC believes strongly in the strength of 'cooperative action' to uphold institutions at the local level and to provide support to the development process and help them sustain after withdrawal of the project. Community Institutions provide institutional mechanisms and opportunities for collective management of resources.

Community Institutions Developed and Nurtured under different Projects :

S.No.	Community Institutions	Total No.	Total Members
1.	PFFCS	151	19,118
2.	PLDCS	14	1,788
3.	SHG	1,907	19,529
4.	Farmer Clubs	258	2,599
5.	Wadi Groups/Tukdi	180	2,475
6.	Water User Committee	190	2,518
7.	Village Watershed Committee	69	785
8.	Farmers Producers Organisation (FPO)	88	56,832
9.	Self Reliant Livelihood Coop. Society (LC)	11	6,044
	Total	**2,868**	**1,11,688**

- During the year, 7 new Self Help Groups (SHGs) formed consisting of 65 members.

ब. जेंडर को मुख्य धारा से जोड़ना एवं महिला सशक्तिकरण

सभी परियोजनाओं के अन्तर्गत जेंडर को मुख्य धारा से जोडना एवं महिला सशक्तिकरण के लिए आई.एफ.एफ.डी.सी. का दृष्टिकोण विद्यमान गतिविधियों में केवल 'महिला घटक' को जोड़ना या 'जेंडर समानता घटक' ही नहीं है अपितु, महिला भागीदारी को बढ़ाने, उनमें अनुभव, ज्ञान व विकास के मुद्दों पर महिला एवं पुरुषों में रुचि पैदा करने से कहीं अधिक है। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से असमान सामाजिक एवं संस्थागत संरचनाओं को समान एवं महिलाओं तथा पुरुषों दोनों के लिए, उनकी अपनी संरचनाओं के रूप में परिवर्तित करने की दिशा में किए गये प्रयासों को सभी परियोजनाओं में सार्वभौमिक रूप से 'जेंडर को मुख्य धारा से जोड़ना एवं महिला सशक्तिकरण' के अन्तर्गत रखा गया है।

प्रगति

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत 1,907 स्वयं सहायता समूहों का पोषण किया जा रहा है। जिनकी कुल सदस्यता 19,529 है, जिनमें 94 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इन समूहों ने अभी तक कुल 588.46 लाख की बचत करके सदस्यों ने आपस में 539.25 लाख का ऋण वितरित किया। स्थानीय बैंक भी इन समूहों को लघु उद्यमों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिनसे सदस्यों की चिरन्तर आजीविका सुनिश्चित हो रही है। इन समूहों को नियमित बैठक, कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से पोषित किया जा रहा है। 331.24 लाख रुपये की राशि से ग्रामीण क्षेत्रों में 'सूक्ष्म–वित्त–प्रक्रिया' सहयोग हेतु चक्रीय कोष संचालित किया जा रहा है।

परियोजना क्षेत्र में, महिलाओं में कौशल विकास व अतिरिक्त आय अर्जन के लिए और अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए ''नेशनल इन्नोवेशन फाउंडेशन – इंडिया'' (निफी), सीबार्ट, ट्राईफेड की उन्नत तकनीकियाँ जैसे हैंडलूम उत्पादों की बुनाई, बाँस के फर्नीचर/उत्पाद निर्माण, सेनेटरी नेपकिन निर्माण, अगरबत्ती निर्माण, मसाला प्रसंस्करण, दिया–बाती निर्माण, पेपर प्लेट निर्माण, सुपारी के पत्तों से प्लेट निर्माण, ब्यूटीशियन, हेयर कटिंग, लाख के सामान बनाना, चाँदुआ निर्माण, कृत्रिम आभूषण निर्माण, मधुबनी पैंटिंग, एल.ई.डी. बल्ब निर्माण, कम्प्यूटर ऑपरेशन आदि अपनाई गईं। इसके अलावा, राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन बोर्ड व बी पॉजिटिव कं. के तकनीकी सहयोग से मधुमक्खी पालन इकाइयाँ स्थापित की गईं। मधुमक्खी पालन इकाईयों से महिलाओं के आय–अर्जन में वृद्धि हो रही है।



इफको टोकियो समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना–मुजफ्फरपुर (बिहार) अंतर्गत गांव पश्चिम मुशहर टोला में अतिरिक्त आय अर्जन के लिए महिला सदस्यों हेतु एपलीक वर्क प्रशिक्षण

B. Gender Mainstreaming & Women Empowerment

IFFDC's approach to mainstreaming gender and women empowerment in all its projects is not about adding merely a 'woman's component' or even a 'gender equality component' into an existing activity. It goes beyond increasing women's participation, bringing the experience, knowledge, and interests of women and men to bear on the development agenda. Its efforts for empowering women through transforming unequal social and institutional structures into equal and just structures for both men and women are an essential feature of all IFFDC interventions and constitute the cross cutting thematic area 'Gender Mainstreaming and Women Empowerment.

PROGRESS

IFFDC is nurturing 1,907 SHG with a total membership of 19,529 of which 94% are women. The cumulative savings of these groups has reached Rs. 588.46 lakh. Loans taken by members are around Rs. 539.25 lakh. The local banks are also providing financial assistance to them for initiating micro-enterprises for sustainable livelihood development. These SHG are being nurtured through Regular Meetings, Skill Development and Capacity Building Programmes. Furthermore, the revolving fund amounting to Rs. 331.24 lakh has been operationalised for facilitating Micro-Credit Mechanism in the rural areas.

To develop skill and open new avenues of income generation to the women members, the innovative technologies of "National Innovation Foundation - India" (NIFI), CIBART, TRIFED etc are being mobilised. The income generating activities suc as Handlooms items weeving, Bamboo furniture/Products making, Sanitary Napkin Manufacturing, Agarbatti Making, Spices Processing, Wick making, Paper Plates manufacturing, Arecanut leaves plates manufacturing, Beautician, Hair Cutting, Lac Items Making, Applique work, Artificial Ornaments Making, Madhubani Painting, LED Bulbs Making, Computer Operation etc. have been adopted in the project area. Moreover, the Bee-keeping units setup with the technical guidance of National Bee Board and Bee Positive Co. are resulting in additional income generation.



Skill Development on Tailoring for SHG women members for income generation under IFFCO Rural Livelihood Development Project-Cuttack (Odisha)

स्वयं सहायता समूहों के अलावा, अन्य सामुदायिक संगठनों जैसे–प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियाँ, प्राथमिक आजीविका विकास सहकारी समितियाँ, ग्राम जलग्रहण विकास कमेटी, आजीविका स्वायत्त सहकारी समितियाँ इत्यादि में भी महिलाओं की सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्ष के दौरान महिलाओं को मुख्य धारा में जोड़ने हेतु निम्न गतिविधियाँ आयोजित की गयीं।

महिलाओं को मुख्य धारा में जोड़ने सम्बन्धी गतिविधियों का विवरणः

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धि (संख्या)
1.	स्वास्थ्य चिकित्सा व स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम (सं.)	359
2.	पीने का स्वच्छ जल सहयोग (परिवार सं.)	6,106
3.	धूम्ररहित चूल्हा निर्माण (परिवार सं.)	2,788
4.	महिला विकास गतिविधियाँ (सं.)	400
5.	शौचालय/स्नानघर निर्माण (परिवार सं.)	533
6.	महिला श्रम बचत गतिविधियाँ (सदस्य सं.)	1,936
7.	मधुमक्खी पालन इकाईयाँ – 5 बॉक्स प्रति इकाई (सं.)	92
8.	आय अर्जन गतिविधियाँ (सदस्य सं.)	1,693

परिणाम

- स्वयं सहायता समूह तत्कालिक आवश्यकताओं को पूरा कर महिलाओं के सामरिक हितों के समाधान से उन्हें मुख्य धारा में लाने में मदद कर रहे हैं। उन्नत कृषि से सम्बन्धित मुद्दों के अलावा स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं, कार्यात्मक साक्षरता, बच्चों की शिक्षा, बाल विवाह, अनियोजित परिवार, कम उम्र में गर्भधारण, सामाजिक शोषण तथा शराब, जुंआ, तम्बाकू आदि की लत जैसी सामाजिक बुराईयों की पहचान कर उनका उपयुक्त समाधान कर रहे हैं।
- सौर ऊर्जा आधारित पेयजल फिल्टर इकाईयाँ, सौर स्ट्रीट लाईट, सौर होम लाईट महिलाओं के कठिन श्रम को कम करके जीवन को आसान बनाया है।
- कौशल विकास से स्वयं सहायता समूह में सम्बद्धता, स्वामित्व और समुदाय के बीच अपनेपन की भावना पैदा हुई है।
- वर्तमान में सभी परियोजना गांव स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संस्थागत सहभागी योजना निर्माण और क्रियान्वयन में भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।
- महिला श्रम में कमी हेतु आयोजित की गयी गतिविधियों से उनकी मेहनत व समय में बचत हुई। इस बचत के समय को महिलाऐं स्वयं के विकास व आय अर्जन में उपयोग कर रही हैं।
- शौचालय/स्नानघर निर्माण से खुले में शौच व नहाने की प्रवृत्ति में कमी आयी है। लड़कियाँ व महिलाऐं अब स्वयं को सुरक्षित महसूस करती हैं जिससे, उनके आत्मसम्मान में वृद्धि हुई है। निर्मित स्नानघरों को महिलाओं ने "इज्जत घर" का नाम दिया है जिससे इनकी अति आवश्यकता व उपयोगिता प्रदर्शित होती है।
- नयी तकनीकी जैसे बायो–डाईजेस्टर शौचालय के प्रयोग से मानव विष्टा पूर्ण तरह से विघटित हो जाती है, परिणामस्वरूप भू–जल की गुणवत्ता खराब नहीं होती है। अन्ततोगत्वा, इससे भारत सरकार के कार्यक्रम ''स्वच्छ भारत अभियान'' में योगदान करने में सहायता मिलती है।
- आय अर्जन गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्र में चिरन्तर आजीविका सृजन में सहयोग हो रहा है तथा उद्यमी महिला सदस्यों की भूमिका उनके परिवार में और अधिक मजबूत हुई है।

Apart from Self Help Group formation, women membership is also encouraged in Community Based Organisations such as PFFCS, PLDCS, VWDC, LCs etc. During the year following activities were undertaken for Gender mainstreaming.

Details of Gender mainstreaming related activities:

S. No.	Activities	Achievement (Nos.)
1.	Health Checkup & Sanitation Awareness Programme (No.)	359
2.	Safe Drinking Water (No. of Families)	6,106
3.	Construction of Smokeless Chulha (No. of Families)	2,788
4.	Women Development Activities (No.)	400
5.	Toilets/Bathrooms Construction (No. of Families)	533
6.	Women Drudgery Reduction Activities (No. of Members)	1,936
7.	Bee-keeping Units - 5 Boxes per unit (No.)	92
8.	Income Generation Activities (No. of Members)	1,693

Outcome

- Self Help Groups (SHG) are helping in addressing the fulfillment of immediate needs as well as the strategic interests of women and helping to bring them into the mainstream. SHG are also discussing their problems related to health, functional literacy, education of children, child marriage, unplanned family, early age pregnancy, social exploitation and social evils like addiction to alcohol, gambling, tobacco consumption etc. and are identifying suitable solutions for their problems.
- Solar based drinking water filter units, Solar Street Lights, Solar Home Lights are made the life easy to women by reducing drudgery.
- Skill Development of SHG has generated income and created a sense of cohesiveness, ownership and belongingness amongst community members.
- SHG have been institutionalized in all project villages at present, which is ensuring that the women and marginalized communities are actively involved in the participatory planning and implementation exercises.
- The women drudgery reduction activities helped in saving time and labour of the women. The women are utilising the saved time in their own development & income generation.
- Open defecation and bathing is reduced due to construction of toilets/bathrooms. Girls and women are feeling safe which has helped in improving their self-esteem. The bathrooms are named as "Izzatghar" by the women which reflects the necessity and usefulness of the bathrooms.
- Use of new technology i.e. Bio-Digester Toilets helped in total decomposition of human waste consequently the quality of ground water does not deteriorate ultimately it contributes significantly to the agenda of Government of India for "Swachh Bharat Abhiyan".
- Income generating activities helping in sustainable livelihood in rural area and the role of entrepreneur women in their families has increased.

स. क्षमता निर्माण

आई.एफ.एफ.डी.सी. में क्षमता निर्माण एक सार्वभौमिक अवधान के रूप में आवश्यक एवं व्यवस्थित प्रक्रिया है। जिससे, संस्था के कर्मियों/भागीदारों के प्रायोगिक ज्ञान, दक्षता एवं मनोभावों को विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाता है।

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा अपने प्रशिक्षणों में, निर्देशात्मक प्रणाली डिजाइन अथवा प्रशिक्षण प्रणाली दृष्टिकोण का प्रयोग किया जाता है। प्रशिक्षण में धारणा प्रणाली के प्रयोग से अनवरत परिवर्तित हो रहे वातावरण में प्रयोग की जा सकने वाली आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण सामग्रियों का नियमित विकास सुनिश्चित हो जाता है।

प्रगति

आई.एफ.एफ.डी.सी. ने स्थानीय लोगों को परिवर्तनकारी भूमिकाओं के संवारने पर जोर दिया– वह भूमिकाएँ जिनका उद्देश्य व्यक्तियों एवं समूहों का क्षमता निर्माण है। इन भूमिकाओं में उद्यमिता विकास, वानिकी समितियों, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पादक संगठनों, ग्राम जलग्रहण विकास समितियों एवं अन्य समूहों का प्रबंधन तथा ग्राम स्तर पर स्थानीय सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षणों से कौशल विकास शामिल है। स्वयं सहायता समूह सदस्यों के लिए कौशल विकास पर 30 प्रशिक्षण, 10 एक्सपोजर भ्रमण का आयोजन किया गया।

परिणाम

- क्षमता निर्माण कार्यक्रमों ने जागरूकता सृजन, कौशल और ज्ञान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो परियोजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन, लघु उद्योग स्थापना और समुदाय में स्वामित्व की भावना विकसित करने में मदद करता है जो अवधानों की समग्र स्थिरता में मदद करता है।
- स्थानीय स्तर के 200 से अधिक सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित कर पैरा–प्रोफेशनल जैसे कृषक मित्र, जानकार, स्वयं सेवकों/कम्युनिटी फैसिलिटेटर्स, समूह प्रेरक, इत्यादि का कौशल निर्माण किया।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।



वानिकी समिति, मूडरा, जिला सागर (मध्य प्रदेश) में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए लाख की चूड़ियाँ निर्माण पर कौशल विकास

C. Capacity Building

Capacity building, essentially an organised process of providing systematic inputs to personnel/ stakeholders that results in acquisition of practical knowledge, skills and attitudes, is another cross cutting component that IFFDC places great emphasis on.

IFFDC's use of System Approach to Training ensures that training programs and the required support materials are developed continuously to adapt to the variety of needs and rapidly changing environment.

PROGRESS

The IFFDC has laid emphasis on grooming people from the community for performing transformational roles that aim at capacity building of groups and individuals. These roles include entrepreneurship and management skills of PFFCS, SHGs, FPOs, Village Watershed Development Committee and other groups and village level local service providers. During the year, 30 trainings on Skill Development and 10 Exposure Visits were organised.

Outcome

- Capacity building programmes have played a crucial role generating awareness, developing skill & knowledge which helped in smooth implementation of projects, initiating micro-enterprises and inculcating a sense of ownership in the community that helps in turn in the overall sustainability of interventions.
- A cadre of more than 200 local-level service providers are trained and groomed as para-professionals such as Krishakmitras, Jankars, volunteers / community facilitators group motivators, etc. and are involved in skill up-gradation of the community.
- Involvement of women in the training programmes has helped in instilling a sense of confidence in these women.



PFFCS Members meeting on the occasion of "Cooperative Week Celebration" at Sindesar Kalan, Distt. Rajsamand (Rajasthan)

अन्य

- कृषि आधारित कार्बन क्रडिट सृजन पर सहयोग के लिए ''उन्नत जैव ईंधन और प्रौद्योगिकी इंडिया प्रा0 लि0 (ईबीटीआई)'' कोयंबटुर और आई.एफ.एफ.डी.सी. ने समझौता किया। डा.गणपति ए. प्रबंध निदेशक व श्री एस.पी. सिंह, प्रबन्ध निदेशक, आई.एफ.एफ.डी.सी. ने समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
- अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी संघ –एशिया प्रशान्त, तथा कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन मंत्रालय जापान, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किसानो की क्षमता निर्माण हेतु ''कृषि सहकारी समितियों के विकास के माध्यम के चुनौतियों का समाधान वर्ष 2023–24'' पर आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु किये गये कार्यो पर बने वीडियो कार्यक्रम को अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी संघ –एशिया प्रशान्त व कृषि वानिकी और मत्स्य पालन मंत्रालय जापान के ''प्रशिक्षण कोर्स'' मे शामिल किया गया।
- ब्लाक मुनस्यारी, जिला, पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड) मे आई.एफ.डी.सी द्वारा प्रवर्तित छिपला केदार किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) द्वारा उत्पादित ''मुनस्यारी सफेद राजमा'' को ऑनलाइन बिक्री के लिए ''भारतीय सहकारी डिजिटल प्लेटफार्म'' इफको ई–बाजार पर लॉन्च किया गया है। ऑनलाईन बिक्री की जा रही है।
- 27, जुलाई, 2023 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा राष्ट्र को 1.25 लाख प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रो (पी.एम.के.एस.के) को समर्पित करने के अवसर पर आई. एफ.एफ.डी.सी ने 13 राज्यों में भौतिक रूप से 595 स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमे कुल 63,600 किसानों, वानिकी सदस्यों, आदिवासियों, कृषक महिलाओं, एस.एच.जी. महिला सदस्य, बीज उत्पादक किसान और आई. एफ.एफ.डी.सी फ्रेचाइजी एवं कृषि–वानिकी सेवा केन्द्रो ने इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।



आई.एफ.एफ.डी.सी. की पर्यावरण संरक्षण पर निर्मित फिल्म को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी संघ–एशिया प्रशांत और कृषि वानिकी व मत्स्य पालन मंत्रालय, जापान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर एक केस स्टडी शामिल किया गया।

Other

- An MoU between Enhanced Biofuels & Technologies India Pvt.Ltd (EBTI), Coimbatore & IFFDC signed for Collaboration on Agriculture based Carbon Credits Generation. Dr. Ganpathy, Managing Director, EBTI & Sh. S.P. Singh, Managing Director, IFFDC signed the MoU.
- IFFDC's work on Environment Conservation as Video Program included in ICA-MAFF Training Course on "Capacity Building of Farmers to Respond to Challenges through Development of Agricultural Cooperatives - FY2023-24" organized jointly by International Cooperative Alliance- Asia and Pacific (ICA-AP), Ministry of Agriculture Forestry & Fisheries (MAFF), Government of Japan and The Institute for the Development of Agricultural Cooperation in Asia (IDACA), Japan.
- The Munsyari White Rajma produced by IFFDC promoted Chippla Kedar Farmer Producer Organization (FPO) in Block Munsyari, Distt, Pithoragarh (Uttarakhand) has been launched on "Indian Cooperative Digital Platform" IFFCO e-Bazar for online sale. The online sale is being done.
- On the occasion of Dedication of 1.25 Lakh "Pradhan Mantri Kisan Samridhi Kendras (PMKSKs)" to the Nation by Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India on 27th July, 2023, IFFDC organised 595 physical field level programmes in 13 States, in which approximate 63,600 member of Forestry Cooperative, Farm women, SHG women members, Seed Growers farmers, IFFDC Franchise and AFSCs viewed the live telecast of the event.



An MoU signed between EBTI and IFFDC for collaboration on Agriculture based Carbon Credit Generation

बीज एवं अन्य कृषि आदान

(अ) बीज

बीज कृषि उत्पादन के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण एवं क्रांतिक आदान है जिस पर अन्य कृषि आदानों की कार्य क्षमता एवं प्रभाव बहुत हद तक निर्भर करता है। भिन्न–भिन्न फसलों में केवल सही बीज के प्रयोग से ही फसल उत्पादन में 15–20 प्रतिशत की वृद्धि संभव है तथा बीज के साथ अन्य कृषि आदानों के बेहतर प्रबंधन से फसल उत्पादन को 45 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की कृषि–जलवायु परिस्थितियों में अधिक उत्पादन देने वाले बीज की समुचित मात्रा उचित मूल्य पर उपलब्ध होना आवश्यक है। कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में निरन्तर बढ़ोत्तरी के लिए नई व उन्नतशील किस्मों के बीजों का विकास अत्यन्त आवश्यक है जिससे किसानों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

यह साबित हो चुका है कि बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए भविष्य में खाद्य सुरक्षा हेतु विभिन्न फसलों के लिए बीज प्रतिस्थापना दर (सीड रिप्लेसमेंट रेट) को बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। हमारे देश में अधिकतर किसानों को आज भी अच्छी गुणवत्ता का उन्नत बीज उपलब्ध नहीं हो पाता है जिससे वे पीढ़ी दर पीढ़ी घर के बीजों को ही प्रयोग में ले रहे हैं। फसल की अधिक उपज हेतु गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता पूर्व अपेक्षित है।

इस समस्या के समाधन हेतु आई.एफ.एफ.डी.सी. ने 'किसान केन्द्रित' बाजारोन्मुखी बीज उत्पादन कार्यक्रम आरम्भ किया है। इस कार्यक्रम के तहत किसानों के खेतों में आई.एफ.एफ.डी.सी. व राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था (एस.एस.सी.ए.) के तकनीकी पर्यवेक्षण में बीज उत्पादन किया जा रहा है। बीज उत्पादन कार्य में रुचि रखने वाले व आई.एफ.एफ.डी.सी. के बीज उत्पादन के मापदण्डों को पूरा करने वाले किसानों को 'बीज उत्पादक समूहों' (एस.जी.जी) के रूप में संगठित कर उनमें उच्च गुणवत्ता के बीज उत्पादन की क्षमता को विकसित किया जा रहा है। इनके द्वारा उत्पादित बीजों को आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा स्वयं के अथवा किराये के प्रसंस्करण संयंत्रों पर अपने पर्यवेक्षण में बीज उत्पादन के तकनीकी पहलुओं के अनुरूप प्रसंस्करण किया जाता है। राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था से प्रमाणित करवाने के पश्चात् सहकारी बिक्री तन्त्र के माध्यम से बीज किसानों को विपणन किया जाता है।



गेहूँ (किस्म पी.बी.डब्ल्यू. 826) बीज उत्पादन प्रक्षेत्र, रामपुराफूल (पंजाब)

SEED & Other Agri-Inputs

(A) SEED

Seed is the critical determinant of agricultural production on which depends the performance and efficacy of other inputs. Seed itself can potentially raise total production by about 15% – 20% depending upon the crop and further up to 45% with efficient management of other inputs. Quality seeds appropriate to different agro-climatic conditions and in sufficient quantity at affordable prices are required to raise productivity. Availability and use of quality seeds is not a one time affair. Sustained increase in agriculture production and productivity necessarily requires continuous development of new and improved varieties of crops befitting to the needs of the farmers and efficient system of production and supply of seeds to farmers.

It has become evident that in order to achieve the food security in future for growing population, a major effort will be required to enhance the seed replacement rates of various crops. Many of the farmers in the country have little or no access to improved seed and continue to use the Farm Saved Seeds (FSS) generation after generation. For a good crop harvest, availability of quality seeds is a prerequisite.

To address this problem, the IFFDC has initiated a 'farmer centric', market driven Seed Production Programme. Seed is being produced on farmer's fields under technical supervision of IFFDC and the State Seed Certification Agencies (SSCA). Interested farmers fulfilling the criteria of "IFFDC Seed Production Guidelines" are organised into "Seed Grower Groups" (SGG) and their capacities are built for seed quality control alongwith technical aspects of seed production. The seed is then processed either in IFFDC's own processing plants or hired processing plants under its supervision as per the "Seed Certification Standards". After certification by the SSCA, the seed is being marketed to the farmers through the existing cooperative network.



Certified Seed Production Field of Wheat (H.D.-2851) at Jabalpur (Madhya Pradesh)

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता बढ़ाने व कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, जम्मू, राजस्थान, गूजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिमी बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में बीज उत्पादन तथा विपणन कार्यक्रम किया जा रहा है। वर्ष 2023–24 के दौरान बीज उत्पादन कार्यक्रम में चौदह नई किस्में एवं 2 नई फसलों को जोड़ा गया है। 18 किलोवाट क्षमता की पहली सौर ऊर्जा उत्पादन इकाई बीज प्रसंस्करण इकाई, दुर्जनपुर, हिसार (हरियाणा) में एवं 15 किलोवाट क्षमता की दूसरी सौर ऊर्जा उत्पादन इकाई बीज प्रसंस्करण इकाई, रामपुराफुल, भटिंडा, पंजाब में स्थापित की गई।

अधिक से अधिक कृषकों को बीज उत्पादन प्रणाली से जोड़ने के लिए, आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा किसानों के साथ प्रभावी संवाद के लिए 'बीज उत्पादक समूह' के गठन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे, उनमें क्षमता विकास हो व गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन को बढावा मिले। इन बीज उत्पादक समूहों को नियमित बैठकों, प्रशिक्षणों व जागरूकता लाने वाली गतिविधियों के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता के बीज उत्पादन के लिये आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा अपनी स्वयं की आन्तरिक गुणवत्ता नियन्त्रण प्रणाली विकसित की गई है जिसके तहत, विभिन्न क्रांतिक अवस्थाओं जैसे बीज स्त्रोंतों का प्रबंधन, बुवाई, खड़ी फसल में की जाने वाली शस्य क्रियायें, कटाई उपरान्त गतिविधियाँ, प्रसंस्करण व प्रमाणीकरण, पैकिंग, भंडारण, परिवहन आदि के समय निरीक्षण एवं नियंत्रण किया जाता है। आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा बीज के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। आई.एफ.एफ.डी.सी. ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति तथा बीज उत्पादक कृषकों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के कार्य में योगदान किया।

संपर्क (लिंकेज) विकास

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा जनक एवं आधार बीजों के क्रय के लिए भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ, राष्ट्रीय बीज निगम, कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, राज्य बीज निगमों व अन्य सस्थानों के साथ तथा उत्पादित बीज के प्रमाणीकरण के लिए राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्थाओं के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित किये गये हैं। आई.एफ.एफ.डी.सी. को सात केन्द्रीय बीज उत्पादक एजेंसियों में से एक के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। केन्द्रीय बीज उत्पादक एजेंसी के रूप में आई.एफ.एफ.डी.सी. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की दलहन, पोषक अनाज एवं तिलहन योजनाओं के अंतर्गत अपनी सेवायें प्रदान कर रही है। यह योजना मुख्य रूप से प्रजनक बीज खरीद, आधार एवं प्रमाणित बीज उत्पादन एवं मिनीकिट वितरण पर केंद्रित है।



कोटा (राजस्थान) में चना की किस्म जी.एन.जी. 1581 का बीज उत्पादन प्रक्षेत्र

IFFDC has undertaken Seed Production and Marketing in the states of Uttar Pradesh, Uttrakhand, Haryana, Punjab, Jammu, Rajasthan, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Bihar, West Bengal, Odisha, Chattisgarh, Jharkhand and Himachal Pradesh to increase availability of quality seed and thus enhance agricultural productivity. 14 new varieties and 2 new crops have been added in the Seed Production Programme during the year 2023-24. The first Solar Power Generation Unit of 18 KW capacity has been established at SPU, Durjanpur, Hisar (Haryana) and Second Solar Power Generation Unit of 15 KW capacity has been established at SPU, Rampuraphul, Bhatinda (Punjab).

To bring farmers under the ambit of the Seed Production System, IFFDC is focusing on formation of Seed Growers Groups (SGG) for effective communication with the farmers, helps in capacity building and also ensure quality seed production. These SGGs are being nurtured through regular meetings, training and other awareness creating activities. For ensuring the quality of seeds produced, the IFFDC has an inbuilt Internal Quality Control (IQC) System which involves inspection and control at various critical stages viz. arranging seed sources, sowing, field/crop level, post-harvest, processing, certification, packaging, storage, transportation etc. Wider publicity of IFFDC seeds is being undertaken through organising various activities. IFFDC also contributed towards doubling the farmers income by providing quality seeds and also providing incentives to the seed grower farmers.

Linkages Development

IFFDC has developed strong linkages with National Seed Association of India (NSAI), National Seed Corporation (NSC), Agricultural Universities, Research Institutes, State Seed Corporations and other Agencies for procuring Breeder/Foundation Seed and also with the State Seed Certification Agencies for getting Certification of the IFFDC produced seeds. IFFDC has also been recognised as one of the seven central seed producing agencies. As a central seed producing agency IFFDC is delivering its services under different schemes of National Food Security Mission (NFSM) – Pulses, Nutri-Cereals & Oilseeds, Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare, Govt. of India, New Delhi. These scheme are mainly focused on procurement of Breeder seeds, production of Foundation & Certified Seed and minikit distribution.



Paddy (Variety PB-1509) Seed Production Field at Hisar (Haryana)

बीज ग्रेडिंग इकाई , गोदाम एवं बीज परीक्षण प्रयोगशाला

संस्था की ताखा, इटावा (उत्तर प्रदेश), चपरतला, लखीमपुर–खीरी (उत्तर प्रदेश), रामपुराफूल, भटिंडा (पंजाब), दुर्जनपुर, हिसार (हरियाणा) तथा कोटा (राजस्थान) में पाँच प्रसंस्करण इकाईयाँ जिनमें समुचित भण्डारण व्यवस्था है, कार्यरत हैं। बीज उत्पादन इकाई चपरतला, लखीमपुर–खीरी (उत्तर प्रदेश) में आई.एफ.एफ.डी.सी. की प्रथम बीज परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की गई। इस प्रयोगशाला में वर्ष के दौरान 4500 बीज सैम्पल का परीक्षण किया गया।

वर्ष के दौरान प्रगति

(I) उत्पादन

- खरीफ 2023 के दौरान कुल 21,055 क्विंटल प्रमाणित बीज (10,705 क्विंटल मूँगफली, 6,835 क्विंटल धान, 1,548 क्विंटल मूँग, 1,484 क्विंटल सोयाबीन, 183 क्विंटल उड़द एवं 300 क्विंटल बाजरा) का उत्पादन किया गया जो कि खरीफ 2024 में विपणन के लिये उपलब्ध होगा।
- रबी 2023–24 के दौरान लगभग 2.95 लाख क्विंटल उत्पादित प्रमाणित बीज (2.91 लाख क्विंटल गेंहूँ, 2,830 क्विंटल चना, 850 क्विंटल जौ एवं 215 क्विंटल सरसों) रबी 2024–25 में विपणन के लिए उपलब्ध होगा।
- इसी प्रकार, लगभग 11,020 क्विंटल आधार बीज (790 क्विंटल धान, 134 क्विंटल सोयाबीन, 37 क्विंटल मूँग, 6 क्विंटल उड़द, 10,694 क्विंटल गेहूँ, 277 क्विंटल चना, 40 क्विंटल जौ एवं 10 क्विंटल सरसो) आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा उत्पादित किया गया जो कि अगले वर्ष के बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए प्रयोग में लाया जायेगा।
- सी.एन.–इफको परियोजना भूमि, समराला, पंजाब में सब्जियों की फसलों यानी भिंडी, करेला, लौकी, तोरई, कद्दू, खीरा, आलू, पालक, गाजर, मूली, शलजम, धनिया, मटर और मेथा का बीज उत्पादन कार्यक्रम लिया गया। आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा वर्ष 2023–24 के दौरान अनुमानित 91,347 किलोग्राम सब्जी बीज का उत्पादन किया गया।

(ii) विपणन

- खरीफ 2023 के दौरान, कुल 30,492 क्विंटल (10,807 क्विंटल धान, 7,803 क्विंटल ढैंचा, 3,115 क्विंटल संकर धान, 3,045 क्विंटल सोयाबीन, 2,012 क्विंटल मूंग, 1,904 क्विंटल ज्वार, 841 क्विंटल संकर बाजरा, 549 क्विंटल मूंगफली, 336 क्विंटल संकर मक्का, 55 क्विंटल उड़द और 25 क्विंटल अरंडी) बीज की बिक्री किसानों को सहकारी नेटवर्क, आई.एफ.एफ.डी.सी. फ्रेंचायजी एवं इफको ई–बाजार लिमिटेड को ऑनलाईन बिक्री हेतु की गई।
- रबी 2023–24 के दौरान कुल 2.93 लाख क्विंटल (2.88 लाख क्विंटल गेहूँ, 2,448 क्विंटल चना, 629 क्विंटल जौ, 480 क्विंटल सरसों, 390 क्विंटल संकर सरसों, 334 क्विंटल बरसीम और 17 क्विंटल तोरिया) बीज को सहकारी नेटवर्क एवं आई.एफ.एफ.डी.सी. फ्रेंचायजी के माध्यम से किसानों को बिक्री की गई।



ताखा, इटावा (उत्तर प्रदेश) में राई की किस्म वरूणा का बीज उत्पादन

Seed Grading Units, Godown & Seed Testing Lab

It's five Seed Processing Units at Takha, Etawah (Uttar Pradesh), Chapartala, Lakhimpur Khiri (Uttar Pradesh), Rampura Phul, Bhatinda (Punjab), Durjanpur, Hisar (Haryana) and Kota (Rajasthan) with sufficient storage facility are in operation. The first IFFDC's Seed Testing Lab has been established at SPU Chapartala, Lakhimpur-Khiri (Uttar Pradesh). 4500 Seed samples were tested during the year in this Lab.

Progress during the year

(i) Production

- During Kharif 2023, total 21,055 qtls Certified Seeds (10,705 qtls Groundnut, 6,835 qtls Paddy, 1548 qtls Moong, 1484 qtls Soybean, 183 qtls Urd and 300 qtls Pearl Millet) have been produced & the same will be available for marketing during Kharif 2024.
- During Rabi 2023-24, approximately 2.95 lakh qtls Certified Seeds (2.91 lakh qtls Wheat, 2,830 qtls Gram, 850 qtls Barley and 215 qtls Mustard) produced will be available for marketing during Rabi 2024-25.
- Similarly, approximately 11,020 qtls Foundation Seed (790 qtls Paddy, 134 qtls Soybean, 37 qtls Moong, 6 qtls Urd, 10,694 qtls Wheat, 277 qtls Gram, 40 qtls Barley, 10 qtls Mustard) has been produced by IFFDC for further multiplication
- Seed Production of Vegetable Crops i.e. Okra, Bitter Gourd, Bottle Gourd, Sponge Gourd, Pumpkin, Cucumber, Potato, Spinach, Carrot, Radish,Turnip, Coriander, Pea & Metha has also been taken up at CN-IFFCO Project Land, Samrala, Punjab. Approximately 91,347 Kg vegetable Seed have been produced by IFFDC during 2023-24.

(ii) Marketing

- During Kharif 2023, total 30,492 quintals seeds (10,807 quintals Paddy, 7,803 quintals Dhaincha, 3,115 quintals Hybrid Paddy, 3,045 qtls Soybean, 2,012 quintals Moong, 1,904 quintals of Sorghum, 841 quintals Hybrid Bajra, 549 qtls Groundnut, 336 quintals Hybrid Maize, 55 quintals Urd and 25 quintals castor) has been sold to the farmers through cooperative network, IFFDC Franchisees and IFFCO e-Bazar Ltd. for online sale.
- During Rabi 2023-24, total 2.93 lakh quintals (2.88 lakh quintals Wheat, 2,448 quintals Gram, 629 quintals Barley, 480 quintals Mustard, 390 quintals Hybrid Mustard, 334 quintals Berseem and 17 quintals Toria) seeds have been sold to the farmers through cooperative network and IFFDC Franchisees.



Exposure Visit of IFFDC State Incharge at IFFCO-CN Farm, Samrala (Punjab)

- वर्ष 2023–24 के दौरान कुल 29,987 किग्रा (2,065 किग्रा सब्जी बीज कॉम्बो किट, 21,108 किग्रा मटर, 2,366 किग्रा पालक, 2,636 किग्रा धनिया, 179 किग्रा बीन्स, 627 किग्रा गाजर, 109 किग्रा भिंडी, 530 किग्रा मैंथी, 2 किग्रा शलजम, 151 किग्रा गाजर, 8 किग्रा लौकी, 7 किग्रा तोरई, 7 किग्रा बैंगन, 73 किग्रा घीया तोरई, 12 किग्रा कद्दू, 61 किग्रा चुकंदर, 14 किग्रा करेला, 6 किग्रा खीरा, 3 किग्रा फूलगोभी, 5 किग्रा बंद गोभी, 3 किग्रा मिर्च, 2 किग्रा टमाटर, 4 किग्रा शिमला मिर्च, 8 किग्रा तरबूज एवं 0.50 किग्रा चप्पन कद्दू) सब्जी बीज को आई.एफ.एफ.डी.सी. फ्रेंचाइजियों एवं सहकारी नेटवर्क के माध्यम से किसानों को बिक्री की गई। वर्ष 2023–24 के दौरान विभिन्न सब्जी बीजों के 0.59 लाख पैकेटों की बिक्री की गई।

बीज उत्पादक समूह (एस.जी.जी.) और बीज प्रचार–प्रसार

- वर्ष 2023–24 के दौरान, कुल 545 सदस्यों के साथ 18 बीज उत्पादक समूहों का गठन किया गया है।
- कृषक समूहों के सदस्यों हेतु गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की नई तकनीकियों की जानकारी हेतु कृषि अनुसंधान संस्थानों में दस और कृषि विश्वविद्यालयों के कृषक मेलों में नौ भ्रमणों का आयोजन किया गया।
- आई.एफ.एफ.डी.सी. बीज एवं इफको नैनो उर्वरक (तरल) के प्रचार–प्रसार के लिए, 157 नैनो उर्वरक ट्रायल, 41 क्षेत्र दिवस, 7 फसल संगोष्ठी, 38 विशेष बिक्री अभियानों, बिक्री कर्मियों हेतु 79 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16,787 वर्ग फुट दीवाल पेंटिंग, 79 ट्रैक्टर–ट्रॉली पैंटिंग, आई.एफ.एफ.डी.सी. एग्रो.फो.से.के. पर 25 किसान सभा, 23 क्षेत्र प्रदर्शन, किसान मेलों में 8 प्रदर्शनी स्टॉल तथा विभिन्न स्थानों पर बोर्ड व बैनर आदि लगाये गये।

(ब) उर्वरक एवं कृषि रसायन

स्थाई रूप से फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए आई.एफ.एफ.डी.सी. अपनी वितरण श्रृंखला (कृषि–वानिकी सेवा केन्द्र, पी.एफ.एफ.सी.एस. नेटवर्क, कृषक सेवा केन्द्र आदि) के माध्यम से दूरदराज के किसानों को भी समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है।



श्री प्रहलाद सिंह, अध्यक्ष, आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा दुर्जनपुर (हरियाणा) में किसान समृद्धि केन्द्र का उद्घाटन

- During 2023-24, total 29,987 kg (2065 kg in Vegetable Seed Combo Kits, 21108 Kg Peas, 2366 Kg Palak, 2636 Kg Coriander, 179 Kg Beans, 627 Kg Radish, 109 Kg Okra, 530 Kg Methi, 2 Kg Turnip, 151 Kg Carrot, 8 Kg Bottle Gourd, 7 Kg Ridge Gourd, 7 Kg Brinjal, 73 Kg Sponge Gourd, 12 Kg Pumpkin, 61 Kg Beetroot, 14 Kg Bitter Gourd, 6 Kg Cucumber, 3 Kg Cauliflower, 5 Kg Cabbage, 3 Kg Chilli, 2 Kg Tomato, 4 Kg Capsicum, 8 Kg Watermelon & 0.50 Kg Longmelon) vegetable seeds have been sold to the IFFDC KSKs and through cooperative network etc. Total 0.59 Lakh packets of vegetable seeds were sold during the year 2023-24.

Seed Grower Groups (SGG) and Seed Publicity

- 18 Seed Grower Groups with 545 members have been formed during 2023-24.
- 10 exposure visits to the Agriculture Research Institutes and 9 visits to the Farmer Fairs of Agriculture Universities have also been organised to expose them to new technologies and practices of quality seed production.
- Wider publicity of IFFDC Seed & IFFCO Nano Urea (Liquid) has been undertaken through organising 157 Nano Fertilizer Trails, 41 Field-days, 7 Crop Seminars, 38 Special Sales Campaigns, 79 Sale Personnel Trainings, 16787 Sq. Ft. Wall Paintings, 79 Tractor Trolley Paintings, 25 farmers meeting at IFFDC AFSCs, 23 Field Demonstration, participating in 8 Exhibition Stalls in Farmers Fairs, displaying boards and banners etc at various places.

(B) FERTILISERS & AGRO-CHEMICALS

To increase production and productivity of crops, timely supply of quality agri-inputs to the farmers even in the remote areas is being ensured by IFFDC through its supply chain (Agro-forestry Service Centres, PFFCS Network, Krishak Seva Kendra etc).



Exposure visit for Cooperative Society Sales Personnels at Mustard Research Centre, Sevar (Bharatpur)

प्रगति

वर्ष 2023–24 के दौरान 31.03.2024 तक 15.78 लाख मैट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है। वर्ष 2022–23 की इसी अवधि के दौरान उर्वरक बिक्री 17.35 लाख मैट्रिक टन थी।

2022–23 के सापेक्ष 2023–24 के दौरान आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा अन्य उत्पादों की बिक्री

क्र.सं.	विवरण	अप्रैल–मार्च 2023-24	अप्रैल–मार्च 2022-23	% वृद्धि / कमी
1.	इफको नैनो यूरिया एवं डी.ए.पी. बोतल (500 मिली) (संख्या)	35,10,258	53,56,555	-34.47
2.	जल विलेय उर्वरक + स्पेशिएलिटी उर्वरक (मैट्रिक टन)	30,472	39,544	-22.94
3.	सागरिका लिक्विड (लीटर)	2,38,942	3,02,444	-21.00
4.	सागरिका ग्रेनुलर (मैट्रिक टन)	11,467	13,615	-15.78

कृषि–वानिकी सेवा केन्द्र

आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पश्चिमी बंगाल तथा बिहार में 17 कृषि वानिकी सेवा केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। इन केन्द्रों के द्वारा उच्च उत्पादक किस्मों के बीज, इफको उर्वरक, जैव उर्वरक एवं इफको–एम.सी. कृषि–रसायन की आपूर्ति के साथ–साथ कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। वर्ष के दौरान, 20,518 मैट्रिक टन इफको खाद (13,664 मैट्रिक टन यूरिया, 1265 मैट्रिक टन एन.पी.के., 5167 मैट्रिक टन डी.ए.पी./एन.पी., 77 मैट्रिक टन जल विलेय उर्वरक और 345 मैट्रिक टन स्पेशिएलिटी उर्वरक), 89 मैट्रिक टन सागरिका ग्रेनुलर, 2870 लीटर सागरिका तरल, 578 लीटर जैविक खाद, 131.06 लाख रुपये का कृषि–रसायन एवं 8595 क्विंटल गेहूँ सरसों, बरसीम, मूँग, ढैंचा एवं धान के प्रमाणित बीजों की आपूर्ति किसानों को इन कृषि वानिकी सेवा केन्द्रों द्वारा की गयी।



इफको नैनो यूरिया (तरल) जागरूकता अभियान के अंतर्गत गेहूँ बीज उत्पादन प्रक्षेत्र, हिसार (हरियाणा) में ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया का छिड़काव

PROGRESS

During the year 2023-24, 15.78 Lakh MT of fertiliser has been sold up to 31.03.2024. The sale during the corresponding period of 2022-23 was 17.35 Lakh MT.

Sales of Other Products through IFFDC during 2023-24 v/s 2022-23

S.No.	Particulars	April-March 2023-24	April-March 2022-23	% Increase/ Decrease
1.	IFFCO Nano Urea and DAP Bottle Numbers (500 ML)	35,10,258	53,56,555	-34.47
2.	WSF+ Speciality Fertiliser (MT)	30,472	39,544	-22.94
3.	Sagarika Liquid (ltr)	2,38,942	3,02,444	-21.00
4.	Sagarika Granular (MT)	11,467	13,615	-15.78

Agro-Forestry Service Centers

The IFFDC is operating 17 Agro-Forestry Service Centres (AFSC) in Uttar Pradesh, Haryana, Bihar and West Bengal. These AFSC are providing inputs like, HYV seed, IFFCO fertilisers, bio-fertilisers and IFFCO-MC Agro-Chemicals along with technical guidance to farmers. During the year, 20,518 MT IFFCO fertilisers (13664 MT Urea, 1265 MT NPK, 5167 MT DAP/NP, 77 MT WSF, 345 MT specialty fertliser), 89 MT Sagarika Granular, 2870 litre Sagarika Liquid, 578 litre Bio Fertiliser, Agro- Chemical of Rs.131.06 lakh and 8595 quintals Certified Seed of Wheat, Mustard, Berseem, Moong, Dhaincha and Paddy etc have been supplied to the farmers through these AFSC.



IFFCO Nano DAP (Liquid) trial demonstration and publicity at various states

प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समिति नेटवर्क

उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश की प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियों को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाने के लिए, इफको उर्वरकों का विपणन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। वर्ष के दौरान, कुल 40 समितियों ने 3,655 मैट्रिक टन इफको उर्वरक (जिसमें 2,854 मैट्रिक टन यूरिया, 195 मैट्रिक टन एन.पी.के., 590 मैट्रिक टन डी.ए.पी./एन.पी., 16 मैट्रिक टन जल विलेय उर्वरक,) 3 मैट्रिक टन सागरिका ग्रेनुलर, 36 लीटर सागरिका तरल तथा 2,717 क्विंटल विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त बीजों की भी आपूर्ति की गयी।

कृषक सेवा केन्द्र (के.एस.के.)

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र राज्यों के विशेषकर उन क्षेत्रों/जिलों में जहाँ सहकारी समितियां कमजोर हैं, वहाँ गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने हेतु आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा कृषक सेवा केन्द्र खोलकर एक वितरण श्रृंखला प्रणाली विकसित की गई। देश भर में संचालित इस प्रकार के 10,730 केन्द्रों द्वारा इस वर्ष 15,53,827 मैट्रिक टन इफको उर्वरक (जिसमें 8,31,059 मैट्रिक टन यूरिया, 4,55,846 मैट्रिक टन डी.ए.पी./एन.पी. और 2,33,232 मैट्रिक टन एन.पी.के., 30,379 मैट्रिक टन जल विलेय उर्वरक, 3311 मैट्रिक टन अन्य खाद), 11,375 मैट्रिक टन सागरिका ग्रेनुलर, 2,36,036 लीटर सागरिका (तरल), 1,08,312 लीटर जैविक खाद तथा 92,551 क्विंटल धान, ढैंचा, मूँग, संकर धान, संकर बाजरा, संकर मक्का, ज्वार, गेहूँ, सरसों, जौ, संकर सरसों, मूँगफली, अरंडी और चना के गुणवत्तापूर्ण बीजों की आपूर्ति की गई।



सब्जी बीज उत्पादन प्रक्षेत्र इफको सी.एन. फार्म, समराला (पंजाब)

PFFCS Network

The Primary Farm Forestry Cooperative Societies (PFFCS) in Uttar Pradesh, Rajasthan and Madhya Pradesh were encouraged to take up the marketing of fertiliser and other Agri-inputs for economic self-sufficiency. 40 PFFCS have marketed 3655 MT IFFCO fertiliser (comprising of 2854 MT Urea, 195 MT NPK, 590 MT DAP/NP, 16 MT WSF), 3 MT Sagarika Granular, 36 Litre Sagarika Liquid and also 2717 quintals of quality seeds of various crops.

Krishak Seva Kendra (KSK)

To provide quality agricultural inputs, a delivery chain mechanism has been developed by opening IFFDC Krishak Seva Kendras (KSKs) in Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Bihar, Jharkhand, Tamilnadu, West Bengal, Odisha, Andhra Pradesh, Telangana, Kerala, Karnataka, Chhattisgarh, Rajasthan, Haryana, Punjab and Maharashtra especially in the areas / districts where cooperative societies are weak. 10,730 such Centres operating all over India supplied 15,53,827 MT of IFFCO fertiliser (comprising of 8,31,059 MT Urea, 4,55,846 MT DAP/NP and 2,33,232 MT NPK, 30,379 MT WSF, 3,311 MT other fertilisers), 11,375 MT Sagarika Granular, 2,36,036 Litre Sagarika Liquid, 1,08,312 litre Bio Fertiliser and 92,551 quintals of quality seed of Paddy, Dhaincha, Moong, Hybrid Paddy, Hybrid Bajra, Hybrid Maize, Sorghum, Wheat, Mustard, Barley, Hybrid Mustard, Groundnut, Castor and Gram etc has been marketed.



Visit of Cooperatives/Franchises Personnel to IFFDC Seed Processing Unit Rampura Phul (Punjab)

मानव संसाधन विकास

आई.एफ.एफ.डी.सी. सभी स्तरों पर प्रोफेशनल स्टॉफ को बेहतरीन अवसर प्रदान कर रहा है। 31 मार्च, 2024 तक कुल 278 कर्मचारी हैं। इसके अतिरिक्त, आई.एफ.एफ.डी.सी. ने इफको नैनो उर्वरकों के विपणन और प्रचार के लिए वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान 18 कृषि–इनपुट बिक्री सहायक (एएसए) भी नियुक्त किए। आई.एफ.एफ.डी.सी. ने प्रेरित और प्रतिबद्ध मानव पूंजी के पोषण और विकास के लिए दूरदर्शी, कर्मचारी केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया है। आई.एफ.एफ.डी.सी. ने पहली बार एच.आर.एम.एस. सॉफ्टवेयर लॉन्च किया है जिसमें टाइम ऑफिस और पेरोल पूरी तरह कार्यात्मक हैं। कर्मचारी सुझाव योजना भी पहली बार शुरू की गई है और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग सभी राज्यों में आई.एफ.एफ.डी.सी. के कर्मचारियों को इस योजना के बारे में जागरूक किया गया है। आई.एफ.एफ.डी.सी. के कर्मचारियों के वेतनमान को भी 01.01.2024 से संशोधित किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 में आई.एफ.एफ.डी.सी. के सभी कर्मचारियों को दी गई प्रोत्साहन राशि सबसे अधिक थी। कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए, पदोन्नति नीति को उन्नत किया गया और कम समय के पैमाने पर पदोन्नति दी गई। वर्ष के दौरान, आईएफएफडीसी लिमिटेड ने 53 आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं आयोजित कीं, जिसमें 2,131 प्रतिभागियों (कर्मचारी–1,065 और फ्रेंचाइजी सेल्समैन–1,066) को क्षमता निर्माण इनपुट प्रदान किए गए, जो कुल 2,726 मानव–दिवस प्रशिक्षण (कर्मचारी कार्यदिवस–1,660 और फ्रेंचाइजी सेल्समैन–1,066) हैं। इस प्रकार, प्रति कर्मचारी औसतन 3.80 प्रशिक्षण दिए गए। वर्ष के दौरान आयोजित प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का विवरण इस प्रकार है:

परियोजना सम्बन्धी प्रशिक्षण

- वानिकी समितियों के अध्यक्षों/निदेशकों के लिए नेतृत्व विकास पर तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 97 प्रशिक्षणार्थियों ने भागीदारी की।
- कृषक उत्पादक संगठनों के लिए व्यवसाय प्रबंधन पर सात ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- परियोजना प्रबंधन एवं परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर दो ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 3 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बीज कार्यक्रम सम्बन्धी प्रशिक्षण

- "बीज उद्योग/राष्ट्रीय बीज सम्मेलन में नवीन विकास पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 6 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।
- बीज प्रसंस्करण इकाई में कर्मचारियों का अंतर्राज्यीय दौरे पर दो प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- "बीज गुणवत्ता नियंत्रण" पर तीन ऑनलाइन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- "बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी, बीज भण्डारण, प्रसंस्करण तथा पैकिंग" पर तीन ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिसमें 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- कृषि वानिकी सेवा केन्द्र के स्टॉफ हेतु एक ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित कर 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- "बिक्री एवं विपणन विकास (नैनो उर्वरको)" पर सात ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 1,066 फ्रेंचाइची सेल्समैनो ने भाग लिया।

लेखा संबंधित कार्यक्रम

- बजट पर दो ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- "लेखा परीक्षा" पर दो ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- टैक्सेशन–जी.एस.टी. पर तीन ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 41 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।
- बिक्री एवं देनदार प्रणाली पर दो ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

व्यावसायिक विकास

- "कंप्यूटर प्रोग्राम (एमएस ऑफिस– वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट इत्यादि) पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- "आई.एफ.एफ.डी.सी. कर्मचारी सुझाव योजना" पर छह प्रशिक्षणों कार्यक्रमो का आयोजन किया गया, जिसमें 135 आई.एफ.एफ.डी.सी. के कर्मचारियों ने भाग लिया।

व्यवहारिक कार्यक्रम

- मेडीटेशन–रिट्रीट पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- कार्य संस्कृति, कार्य नैतिकता, कार्य जीवन संतुलन पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- मानव संसाधन कार्मिक एवं प्रशासन पर एक ऑनलाईन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 172 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- स्वास्थ्य एवं कल्याण संवर्धन (योग एवं प्राणायाम) पर पाँच ऑनलाईन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें 256 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Human Resource Development

IFFDC has been providing great opportunities to the professionals at all levels. There are total 278 employees as on 31st March, 2024. Additionally IFFDC also appointed 18 Agri-inputs Sale Assistants (ASA) during the Financial Year 2023-24 for Marketing and Promotion of IFFCO NANO fertilisers. IFFDC has adopted a forward looking, employee centric approach for nurturing and developing motivated and committed human capital. IFFDC has launched HRMS software for the first time in which the Time Office and Payroll are fully functional. The Employees' Suggestion Scheme has also been launched for the first time and through various training programmes, the employees of IFFDC have been made aware of this Scheme in almost all the States. The Pay-Scales of the employees of IFFDC have also been revised w.e.f. 01.01.2024. The incentive amount paid in FY 2023-24 to all the employees of IFFDC was the highest. In order to motivate the employees, the Promotion Policy was upgraded & promotions are given on reduced time scale. During the year, IFFDC Ltd organized 53 need based trainings and workshops in which 2,131 participants (Employees-1,065 & Franchisee salesmen-1,066) were imparted capacity building inputs which comes total 2,726 training man-days (Employees Mandays-1,660 & Franchisee salesmen-1,066). Thus, on average 3.80 trainings per employee were imparted. The details of trainings & workshop organized during the year are as follows:

Project related trainings

- Three training programmes on Leadership Development for PFFCS Chairmen/Directors were organized in which there were 97 participants.
- Seven online training programmes on Business Management for Farmer Producer Organizations were organized for 19 participants.
- Two online training programmes on project management & Project Report preparation were organized for 3 participants.

Seed related trainings

- One training programme on New Development seen in seed Industry/National seed Conference was organized for 6 participants.
- Two training programmes on Interstate visit of Staff to seed processing unit were organized for 41 participants.
- Three online training programmes on "Seed Quality Control" were organized for 66 participants.
- Three online training programmes on "Production Technologies, Seed Storage, Processing and Packing of Seed" were organized for 35 participants.
- One online training programmes on "AFSC Staff" were organized in which there was 16 participants.
- Seven online training programmes on "sales and marketing Development (Nano fertilizers)" were organized in which there was 1,066 Franchisee salesmen. .

Accounts related programme

- Two online training programme on "Budgeting" was organized for 60 participants.
- Two online training programmes on "Auditing" were organized, in which, 20 employees participated.
- Three online training programmes on "Taxation-GST" were organized, in which, 41 trainees participated.
- Two online training programme on "Sales and Debtors System" was organized, in which 40 participants were participate.

Professional Development

- One training programme on "Computer Programme (MS Office- Word, Excel, Power Point etc." was organized for 21 participants.
- Six training programmes on "IFFDC Employees Suggestion Scheme" were organized, in which 135 IFFDC staff were participated.

Behavioral Programs

- One training programme on "Meditation Retreat" was organized for 10 participants.
- One training programme on "Work Culture, Work ethics & Work Life Balance" was organized for 27 participants.
- One online training programme on "HR Personnel & Administration" was organized for 172 participants.
- Five online training programmes on "Health & Wellness (Yoga & Pranayama)" were organized for 256 participants.

प्रचार–प्रसार गतिविधियाँ

संस्था के मुख्य विषयक कार्यक्रमों की विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के क्रियान्वयन के दौरान आई.एफ.एफ.डी.सी. ने कई महत्वपूर्ण अनुभव व सीख प्राप्त की है जिन्हें ग्रामीण विकास के क्षेत्र की अन्य संस्थाओं, भागीदारों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में दोहराया जा सकता है। इन अनुभवों व सीखों का आदान–प्रदान करने, दोहराने तथा प्रभावित व आपसी सामंजस्य का एक दायरा विकसित करने के लिए प्रचार–प्रसार घटक के अन्तर्गत निम्नलिखित कदम उठाये गयेः–

- माननीय विधायक श्रीमती सूर्यमणि बैद्य, खलीकोट (गंजाम) ने संयुक्त रूप से ओडिशा के पुरूषोत्तमपुर और हिन्जिली ब्लॉक में इफको ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना के तहत महिला सशक्तिकरण पर किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए आईएफएफडीसी ओडिशा टीम को पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।
- आई.एफ.एफ.डी.सी. संवर्द्धित गंगोलीहाट में बासुकीनाग, रुद्रपुर में हलधर और हलद्वानी (उत्तराखंड) में हिमालय एफपीओ को गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर (यू.एस. नगर), उत्तराखंड में "किसान मेले" के अवसर पर माननीय गणेश जोशी, कृषि मंत्री द्वारा क्रमशः बाजरा, बीज उत्पादन और मसालों पर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।
- श्री अजय भट्ट, माननीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री, भारत सरकार ने डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ बायो–एनर्जी रिसर्च, गोरापड़ाव, हलद्वानी में किसान जवान विज्ञान मेला, 2023 में आईएफएफडीसी संवर्द्धित हिमालय एफपीओ, हलद्वानी, (उत्तराखंड) के स्टॉल का दौरा किया। माननीय मंत्री ने बाजरा पर उत्कृष्ट काम के लिए हिमालय एफपीओ को सम्मानित किया।



भारत सरकार की सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम के तहत् आई.एफ.एफ.डी.सी. व नाबार्ड द्वारा हरियाणा में गठित एफ.पी.ओ. की महिला सदस्यों के लिए नमो ड्रोन दीदी योजना के अंतर्गत ड्रोन संचालन प्रदर्शन

Publicity Activities

In the process of implementing various interventions in its selected thematic areas, IFFDC has gained valuable experiences and lessons, which can be replicated by other partners and stakeholders. To share/disseminate such experiences and learning, and also to develop a circle of influence and networking, the following steps have been taken under publicity component:

- Hon'ble MLA Mrs. Suryomani Baidya, Khalikote (Ganjam), jointly honoured IFFDC Odisha team with Award & Appreciation Certificate for excellent work done on Women Empowerment under IFFCO Rural Livelihood Development Project in Purushottampur & Hinjili Blocks, Odisha.
- IFFDC promoted FPOs Basukinag in Gangolihat, Haldhar in Rudrapur & Himalaya in Haldwani (Uttarakhand) awarded by Hon'ble Ganesh Joshi, Agriculture Minister on the occasion of "Kisaan Mela" at Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar (U.S. Nagar), Uttarakhand for excellent work on Millets, Seed Production & Spices respectively.
- Hon'ble Minister of State of Defence & Tourism, Govt. of India Shri Ajay Bhatt visited Stall of IFFDC Promoted Himalaya FPO, Haldwani, (Uttarakhand) at Defence Institute of Bio-Energy Research, Gorapadao, Haldwani Kisan Jawan Vigyan Mela, 2023. Hon'ble Minister honoured Himalaya FPO for their excellent work on Millets promotion.



माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री गुरमीत सिंह द्वारा जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर (उत्तराखण्ड) में आई.एफ.एफ.डी.सी. संवर्द्धित वासुकीनाग एफ.पी.ओ. स्टॉल का भ्रमण

आभार

आपका निदेशक मंडल आलोच्य वर्ष के दौरान सभी स्तर के कर्मचारियों द्वारा अपने स्तर पर किये गये सतत् और समर्पित प्रयासों के लिए उनकी सराहना करता है। कर्मचारियों के इन प्रयासों एवं कठिन परिश्रम के बिना समिति इन उत्साहजनक परिणामों एवं उपलब्धियों को प्राप्त नहीं कर पाती।

आपके निदेशक, इफको के निदेशक मंडल एवं प्रबन्धन विशेषतः डा. यू.एस. अवस्थी, प्रबन्ध निदेशक, इफको का अभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आई.एफ.एफ.डी.सी. को वर्तमान स्वरूप में विकसित होने के लिए मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्रदान की। हम डा. यू.एस. अवस्थीका आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने विश्व के पहले नैनो यूरिया प्लस व नैनो डी.ए.पी. (तरल) का आविष्कार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यह उत्पाद कृषि के क्षेत्र में विश्व स्तर पर गेम चेंजर साबित होगा। हम राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय सहकारी विकास संगठन (एन.सी.डी.सी.), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, इफको–टोकियो जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, लघु कृषक व्यापार संघ (एस.एफ.ए.सी.), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, मित्सुई इंडिया एण्ड क. प्रा. लि.; ट्राईफेड, इफको ई–बाजार एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनसे परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन में निरन्तर आर्थिक सहयोग और अमूल्य मार्गदर्शन मिला।

निदेशक मंडल, प्रबंध निदेशक, आई.एफ.एफ.डी.सी. और उनकी टीम को उनके द्वारा समिति के विकास के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के लिए हार्दिक बधाई देता है।

निदेशक मंडल, विभिन्न अनुसंधान संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों विशेषतः वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून; शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर; उष्णकटिबन्धीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर; राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, झांसी तथा राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र, इन्दौर, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान), नरेद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज फैजाबाद, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर (उ.प्र.), चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार (हरियाणा) , पंजाब कृशि विश्वविद्यालय, लुधियाना तथा गुजकोमासोल के प्रति विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु प्रदान किये गये सहयोग एवं तकनीकी सहायता के लिए धन्यवाद व्यक्त करता है।

आपका निदेशक मण्डल संस्था की कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं को सफल बनाने में प्रदत्त सहयोग के लिए परामर्शदात्री संस्था "इमरजेंट वेंचर ऑफ इंडिया प्रा. लि., गुड़गाँव" व कार्बन अंकेक्षण संस्था मैसर्स "कार्बन चेक", वेरा एवं पचामा का भी आभार प्रकट करता है।

आई.एफ.एफ.डी.सी. के बीज उत्पादन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने हेतु प्रदत्त सहयोग एवं आवश्यक सहायता के लिए आपका निदेशक मण्डल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय तिलहन एवं आयल पाम मिशन, नई दिल्ली, बोरलॉग इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया (बीसा), राज्य कृषि विभागों, भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ, राष्ट्रीय बीज निगम, राज्य बीज निगमों, राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्थाओं आदि का आभार व्यक्त करता है।

निदेशक मंडल, आई.एफ.एफ.डी.सी. की गतिविधियों, कार्यक्रमों व परियोजना प्रभावों के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए दिये गये सहयोग हेतु मीडिया विशेषतौर पर डी.डी. नेशनल, डी.डी. किसान चैनल व ऑल इंडिया रेडियो का भी आभार व्यक्त करता है।

आपके निदेशक, सदस्य समितियों के प्रति उनके द्वारा प्रदान किये गये निरन्तर सहयोग हेतु अपना आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने समिति के प्रबंधन में अपना विश्वास बनाए रखा।

निदेशक मंडल आश्वासन देना चाहता है कि आपकी समिति बहुमुखी प्रगति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत् प्रयास करती रहेगी और आगामी वर्षों में नये कीर्तिमान स्थापित करेगी।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(प्रहलाद सिंह)
अध्यक्ष, आई.एफ.एफ.डी.सी.

Acknowledgements

The Board of Directors wishes to deep gratitude for the dedicated efforts made by the employees of the Society at all levels during the year. Their committed efforts and hard work have made such encouraging results and achievements by the Society possible.

Your Directors wish to acknowledge continued financial support and valuable guidance extended by IFFCO Board and Management, particularly by Dr. U. S. Awasthi, Managing Director, IFFCO, who has been the guiding and motivating spirit in the growth of IFFDC to high levels. We express our gratitude to Dr. U.S. Awasthi who has been instrumental in inventing World's First Nano Urea Plus and Nano DAP (Liquid) which will be the game changer product in agriculture sector globally. We also thank National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), National Cooperative Development Corporation (NCDC), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi, IFFCO Tokio General Insurance Company Ltd., Small Farmers Agri-business Consortium (SFAC), NCUI, Mitsui India & Co. Pvt. Ltd., TRIFED, IFFCO e-Bazar, Ministry of Cooperation, Govt. of India and State Governments for their support in the implementation of project activities.

The Board of Directors also wishes to express hearty congratulations to the Managing Director, IFFDC and his team for their dedicated commitment to the betterment of society.

The Board of Directors also acknowledges with thanks the cooperation and technical support provided by various Research Institutes and Agriculture Universities, especially by Forest Research Institute (FRI), Dehradun; Arid Forest Research Institute (AFRI), Jodhpur, Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur, National Research Centre for Agroforestry, Jhansi and National Research Center for Soyabean (NRCS), Indore, Maharana Pratap University of Agriculture and Technology, Udaipur (Rajasthan), Narendra Dev University of Agriculture and Technology, Kumarganj Faizabad (U.P.), Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur (U.P.), Ch. Charan Singh University of Agriculture, Hisar (Haryana), Punjab Agriculture University, Ludhiana and Gujcomasol

Your Directors also expressed gratitude to the consulting firm M/s Emergent Ventures of India Pvt. Ltd., Gurgaon and the Carbon Auditors M/s Carbon Check, VERRA & Pachama for helping in success of the Carbon Credits Projects.

The Board of Directors also expresses its sincere thanks to the National Food Security Mission, National Mission on Oil Seed and Oil Palm (NMOOP), New Delhi, Borlaug Institute for South Asia (BISA), various State Agriculture Departments, National Seed Association of India, National Seed Corporation, State Seed Corporation, State Seed Certification Agencies, etc for providing necessary support and help in the successful implementation of IFFDC's Seed Production Programme.

The Board of Directors is thankfull to the Media specially the D.D. National, D.D. Kisan Channel and All India Radio for providing support in wider publicity of the activities, programmes and project's impact of IFFDC.

Your Directors also wish to express their deep gratitude to the Member Societies for their continued support and for reposing trust in the management of the Society.

The Board of Directors would like to assure you that your Society would continue to strive to achieve all-round progress and establish new records in the coming years.

For and On Behalf of the Board of Directors



(Prahlad Singh)
Chairman, IFFDC

पुरस्कार तथा सम्मान

आई.एफ.एफ.डी.सी. लिमिटेड को एक संस्था के रूप में निम्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है :

1. पर्यावरण के क्षेत्र में प्रतिष्ठित टाइम्स ऑफ इंडिया का सोशल इम्पैक्ट एवार्ड 2015 हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं विकास के लिए कारपोरेट कैटेगरी के तहत आई.एफ.एफ.डी.सी. को चयनित किया गया।

2. गरीब आदिवासी समुदाय की चिरन्तर आजीविका विकास के लिये उत्कृष्ट कार्य करने की दिशा में आजीविका विकास क्षेत्र में 'टाइम्स ऑफ इंडिया का सोशल इम्पैक्ट एवार्ड' 2 अक्टूबर 2011 को माननीय डा. मनमोहन सिंह, प्रधानमंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में प्राप्त किया गया।

3. वृक्षारोपण तथा बंजरभूमि विकास में विशिष्ट कार्य करने के लिये पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार, 1999'। संस्था द्वारा संवर्द्धित पाँच प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी सहकारी समितियों (राजस्थान में सांगवा व रख्यावल, उत्तर प्रदेश में कटारी व मड़वा तथा मध्य प्रदेश में करैया) को विभिन्न वर्षों में बंजर भूमि विकास व वृक्षारोपण में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

4. राजस्थान के प्रतापगढ़ एवं बारां तथा ओडिशा के जाजपुर जिलों में संचालित आई.आई.आर.डी.पी. परियोजनाओं के अंतर्गत किए गए स्वास्थ्य एवं सामुदायिक स्वच्छता तथा समुदाय विकास के उत्कृष्ट कार्यों को जिला व ब्लॉक स्तर पर सम्मानित किया गया एवं विभिन्न स्तरों पर इनकी प्रशंसा की गई।

5. आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा क्रियान्वित इफको–टोकियो समन्वित ग्रामीण विकास परियोजना, प्रतापगढ़ (राजस्थान) व जाजपुर (ओडीशा) को ग्रामीण महिलाओं के आजीविका सृजन के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्कॉच अवार्ड–2018 से सम्मानित किया गया।

6. एकीकृत आजीविका सहयोग परियोजना अल्मोड़ा के अन्तर्गत आई.एफ.एफ.डी.सी. द्वारा संवर्द्धित 6 सहकारी आजीविका समितियों एवं 3 उत्पादक समूहों को विभिन्न श्रेणियों जैसे उत्तम व्यापार एवं उत्तम टर्न ओवर आदि के लिए जिला प्रशासन द्वारा 9 पुरस्कार प्राप्त किये गये।

7. आई.एल.एस.पी. अंतर्गत पर्वतीय क्षेत्र में ग्रामीण समुदाय की आजीविका उत्थान हेतु किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु आई.एफ. एफ.डी.सी. समन्वयक चौखुटिया को उप जिला अधिकारी द्वारा "प्रशस्ति पत्र" प्रदान कर सम्मनित किया गया।

8. एस.एफ.ए.सी. के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अधिशाषी, एन.सी.यू.आई, नई दिल्ली द्वारा जिला सागर (म.प्र.) में आई.एफ.एफ.डी.सी द्वारा संवर्द्धित किसान उत्पादक संगठन "बीना कृषक उत्पादक कम्पनी लिमिटेड" को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

9. श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि और किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार द्वारा जिला सतना (म.प्र.) में आई. एफ.एफ.डी.सी द्वारा संवर्द्धित किसान उत्पादक संगठन "कामतानाथजी कृषक प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड" को उत्कृष्ट कार्य हेतु "ग्रामीण आइकन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

10. आई.एफ.एफ.डी.सी द्वारा संवर्द्धित स्वयं सहायता समूहों की आदिवासी कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जयपुर (राज.) व भोपाल (म.प्र.) में ट्राइफेड द्वारा आयोजित "आदि महोत्सव" के अवसर पर पुरुस्कृत किया गया।

11. राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर आई.एफ.एफ.डी.सी द्वारा संवर्द्धित सुरखी–घाना ग्राम जलग्रहण विकास समिति, सागर (म.प्र.) को उत्कृष्ट जलग्रहण कार्य के लिए, नाबार्ड भोपाल द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार श्री शेलेन्द्र सिंह (आई.ए.एस.) कृषि उत्पादन आयुक्त म.प्र. द्वारा प्रदान किया गया।

12. इफको–ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना को ओडिशा में ग्रामीण समुदाय के उत्थान के लिए कृषि एवं सम्बद्व क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए माननीय श्री रानेन्द्र प्रताप स्वाँई, कृषि व किसान सशक्तिकरण, मत्स्य पालन एवं पशु संसाधन विकास मंत्री, ओडिशा द्वारा एक प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान किया गया।

13. इफको–ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना को ओडिशा में महिला सशक्तीकरण में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए श्रीमती सूर्योमणि वैदया, माननीय विधायक खलीकोट, गंजाम द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान किया गया।

Awards and Recognition

The IFFDC has been honoured with several prestigious awards:

1. IFFDC has been selected for the prestigious Social Impact Award 2015 by Times of India in Environment Sector under Corporate Category for its outstanding performance in environment protection and development.
2. The Times of India "Social Impact Award" under the Livelihood category on 2nd October, 2011 in the presence of Hon'ble Dr. Manmohan Singh, Prime Minister of India, for its remarkable and excellent work on Sustainable Livelihood Enhancement of the Poor Tribal Community.
3. "Indira Priyadarshini Vrikashamitra Puraskar 1999" conferred by the Ministry of Environment and Forest, Govt. of India for excellence in afforestation and wasteland development. Five of its promoted PFFCS (Sangwa & Rakhyawal in Rajasthan, Katari & Madwa in Uttar Pradesh and Karaiya in Madhya Pradesh) have also been honoured with this award for their outstanding work in afforestation & wasteland development.
4. The remarkable work of IIRDP Projects, Pratapgarh and Baran in Rajasthan and Jajpur in Odisha for Health and Sanitation and Community Development have been awarded by District and Block Administration and also appreciated at different level.
5. The "IFFCO-Tokio Integrated Rural Development Project" (IIRDP) Pratapgarh (Raj.) and Jajpur (Odisha) implemented by IFFDC was honoured with "SKOCH Award- 2018" for its excellent work of "Livelihood Generation for Rural Women.
6. IFFDC promoted 6 Cooperatives (Livelihood Federations) and 3 Producer Groups under "Integrated Livelihood Support Project" (ILSP) Almora has won 9 Awards under different categories i.e. Best Business & Best turnover etc by District Administration.
7. Sub District Magistrate honoured IFFDC Coordinator, Chaukhutiya with Appreciation Certificate for excellent works towards livelihood Improvement of the community in Hilly areas under "Integrated Livelihood Support Project" (ILSP), Uttarakhand.
8. IFFDC promoted Farmer Producer Organization (FPO) "Bina Krishak Utpadak Company Ltd." in District Sagar (Madhya Pradesh) has been honoured by Chief Executive, NCUI, New Delhi for its excellent work on occasion of 26th foundation of SFAC at New Delhi.
9. IFFDC promoted Farmer Producer Organization (FPO) "Kantanath ji Krishak Producer Company Ltd." in District Satna (Madhya Pradesh) has been honoured with Rural Icon Award by Shri. Narendra Singh Tomar, Minister of Agriculture & Farmers Welfare and Minister of Rural Development, Govt. of India for its excellent work.
10. Ministry of Tribal Affairs, Govt of India honoured IFFDC and presented appreciation certificates for undertaking stall of SHG products in the "Aadi Mahotsav" at Jaipur (Raj.) and Bhopal (M.P.) Haat organized by TRIFED.
11. The Surkhi-Ghana Village Watershed Development Committee, Sagar (M.P.) promoted by IFFDC has been awarded with first prize by NABARD Bhopal on the occasion of National Farmers Day for its excellent Watershed work. The award conferred by Shri. Shaliendra Singh, (IAS), Agriculture Production Commissioner, Madhya Pradesh.
12. Hon'ble Shri Ranendra Pratap Swain, Agriculture and Farmer's Empowerment, Fisheries & Animal Resources Development Minister, Govt of Odisha hunoured IFFCO-IFFDC with Appreciation Certificates and Shield for excellent work on upliftment of Rural Community in Odisha under IFFCO-Rural Livelihood Development Project – Ganjam (Odisha).
13. On the Occasion of Republic day, an Appreciation Certificate and Shield was conferred to IFFCO-Rural Livelihood Development Project for excellent work in Women Empowerment in Odisha by Smt. Suryomani Baidya, Hon'ble M.L.A. of Khalikote, Ganjam.

सहयोगी संस्थायें

1. इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको)
2. इफको–टोकियो जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड
3. इंडिया कनाडा इनवायरनमेंट फैसिलिटी (आई.सी.ई.एफ.), कनाडा
4. डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डवलपमेंट (डी.एफ.आई.डी.), यूनाइटेड किंगडम
5. कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
6. ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं स्वच्छता एवं पेयजल मंत्रालय, भारत सरकार
7. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
8. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एन.सी.डी.सी.), नई दिल्ली
9. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आई.सी.ए.आर.), नई दिल्ली
10. रैन–फॉरेस्ट एलाइन्स, न्यूयार्क
11. राजस्थान राज्य सरकार के माध्यम से इन्टरनेशनल फण्ड फॉर एग्रीकल्चर डवलपमेन्ट (इफाड)
12. गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय (एम.एन.ई.एस.), नई दिल्ली
13. राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारिस्थितिकीय विकास बोर्ड (एन.ए.ई.बी.), नई दिल्ली
14. भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एन.सी.यू.आई.), नई दिल्ली
15. कोआपरेटिव रूरल डवलपमेन्ट ट्रस्ट (कोरडेट), फूलपुर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश
16. उत्तराखण्ड ग्राम विकास समिति, देहरादून, उत्तराखण्ड
17. भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ, नई दिल्ली
18. राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड (एन.एस.सी.), नई दिल्ली
19. इफको किसान संचार लिमिटेड (आई.के.एस.एल.), नई दिल्ली
20. इंटरनेशनल कोआपरेटिव एलाईंस (आई.सी.ए.), एशिया पैसिफिक, नई दिल्ली
21. एच.डी.एफ.सी. बैंक, नई दिल्ली
22. यस बैंक, नई दिल्ली
23. कोटक महिंद्रा बैंक
24. इंडसइंड बैंक
25. एक्सिस बैंक
26. लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (एस.एफ.ए.सी.), नई दिल्ली
27. भारत–ओमान रिफाइनरी लि., बीना, मध्य प्रदेश
28. ग्रामीण गैर–कृषि विकास एजेंसी (रूडा), जयपुर, राजस्थान
29. मित्सुई इंडिया एण्ड कं. प्रा. लि., नई दिल्ली
30. महाराष्ट्र राज्य बीज निगम लि.
31. बायर बायोसाइंस प्रा. लि.
32. क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि.
33. राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन बोर्ड, भारत सरकार
34. भारतीय बाँस स्त्रोत एवं तकनीकी केंद्र, नई दिल्ली
35. बी पॉजिटिव प्रा. लि., नई दिल्ली
36. मित्सुबिशी कॉर्प. इंडिया प्रा. लि., नई दिल्ली
37. परिद्याम हैल्थकेयर प्रा. लि., गुड़गाँव
38. बोरलॉग इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया (बीसा)
39. भारतीय आदिवासी सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राईफेड), नई दिल्ली
40. इमरजेंट वेंचर्स ऑफ इंडिया प्रा. लि., गुड़गाँव
41. कार्बन चेक (इंडिया) प्रा. लिमिटेड
42. वेरा, वाशिंगटन, डी.सी., यू.एस.ए.

अनुसंधान संस्थान/विश्वविद्यालय

1. वन अनुसंधान संस्थान (एफ.आर.आई.), देहरादून, उत्तराखण्ड
2. उष्णकटिबन्धीय वन अनुसंधान संस्थान (टी.एफ.आर.आई.), जबलपुर, मध्य प्रदेश
3. शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर, राजस्थान
4. केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर, राजस्थान
5. अर्ध–शुष्क क्षेत्रों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (इक्रीसेट), हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश
6. राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र, (एन.आर.सी.एस.), इंदौर, मध्य प्रदेश
7. राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र (एन.आर.सी.ए.एफ.), झांसी, उत्तर प्रदेश
8. अन्तर्राष्ट्रीय कृषि एवं वानिकी अनुसंधान केन्द्र (आई.सी.आर.ए.एफ.), नई दिल्ली
9. राज्य कृषि विश्वविद्यालय एवं आई.सी.ए.आर. संस्थान
10. सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर, राजस्थान
11. भारतीय गेंहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा
12. महाराणा प्रताप कृषि एवम् प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एम.पी.यू.ए.टी.), उदयपुर, राजस्थान
13. कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ (कर्नाटक)

Support Organisations

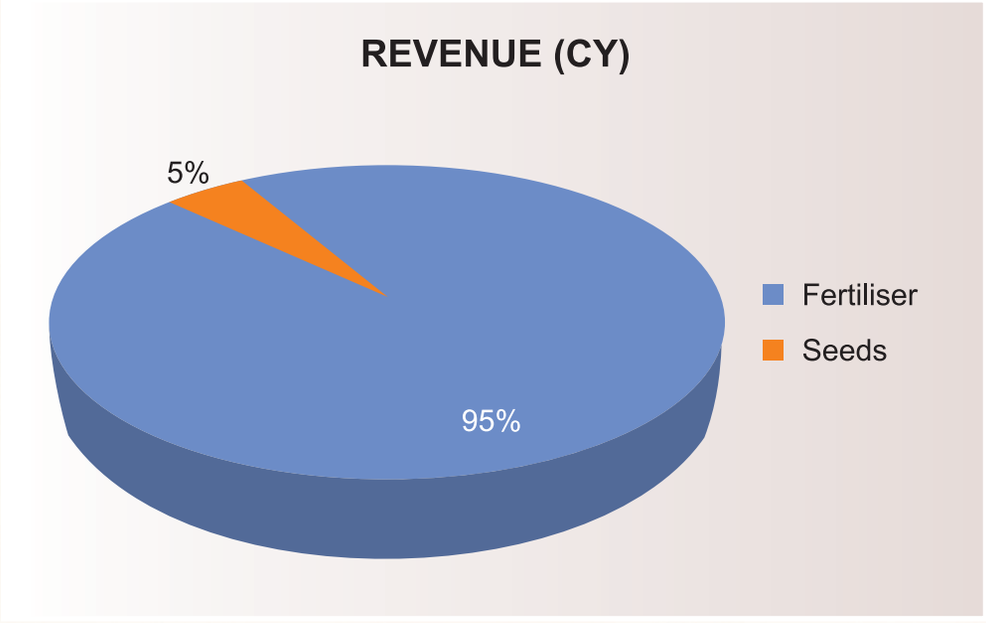
1. Indian Farmers Fertiliser Cooperative Limited (IFFCO).
2. IFFCO-Tokio General Insurance Company Ltd.
3. India Canada Environment Facility (ICEF), Canada.
4. Department for International Development (DFID), United Kingdom (UK).
5. Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India
6. Ministry of Rural Development and Ministry of Drinking Water and Sanitation, Govt of India.
7. National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD).
8. National Cooperative Development Corporation (NCDC), New Delhi.
9. Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi.
10. Rain-forest Alliance, New York.
11. International Fund for Agriculture Development (IFAD) through State Government of Rajasthan.
12. Ministry of Non-conventional Energy Sources (MNES), New Delhi.
13. National Afforestation and Eco Development Board (NAEB), New Delhi.
14. National Cooperative Union of India (NCUI), New Delhi
15. Cooperative Rural Development Trust (CORDET), Phulpur, Allahabad (UP).
16. Uttarakhand Gram Vikas Samiti, Dehradun (Uttarakhand).
17. National Seed Association of India (NSAI), New Delhi.
18. National Seed Corporation Ltd. (NSC), New Delhi.
19. IFFCO Kisan Sanchar Ltd (IKSL), New Delhi.
20. International Cooperative Alliance (ICA), Asia Pacific, New Delhi.
21. HDFC Bank, New Delhi.
22. Yes Bank, New Delhi.
23. Kotak Mahindra Bank
24. Indusind Bank
25. Axis Bank
26. Small Farmers Agri-Business Consortium (SFAC), New Delhi.
27. Bharat-Oman Refinery India Limited, Bina, Madhya Pradesh.
28. Rural Non-Farm Development Agency, Jaipur, Rajasthan.
29. Mitsui India & Co. Pvt. Ltd., New Delhi
30. Maharashtra State Seed Corporation Ltd.
31. Bayer Bioscience Private Ltd.
32. Crystal Crop Protection Ltd.
33. National Bee Board, Govt. of India
34. Centre for Indian Bamboo Resource and Technology, New Delhi
35. Bee Positive Pvt. Ltd., New Delhi
36. Mitsubishi Corp. India Pvt. Ltd., New Delhi
37. Paridyam Health Care Pvt. Ltd., Gurgaon
38. Borlaug Institute for South Asia (BISA)
39. Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India (TRIFED), New Delhi
40. Emergent Ventures of India Pvt. Ltd., Gurgaon
41. Carbon Check (India) Pvt. Ltd.
42. VERRA, Washington, DC, USA.

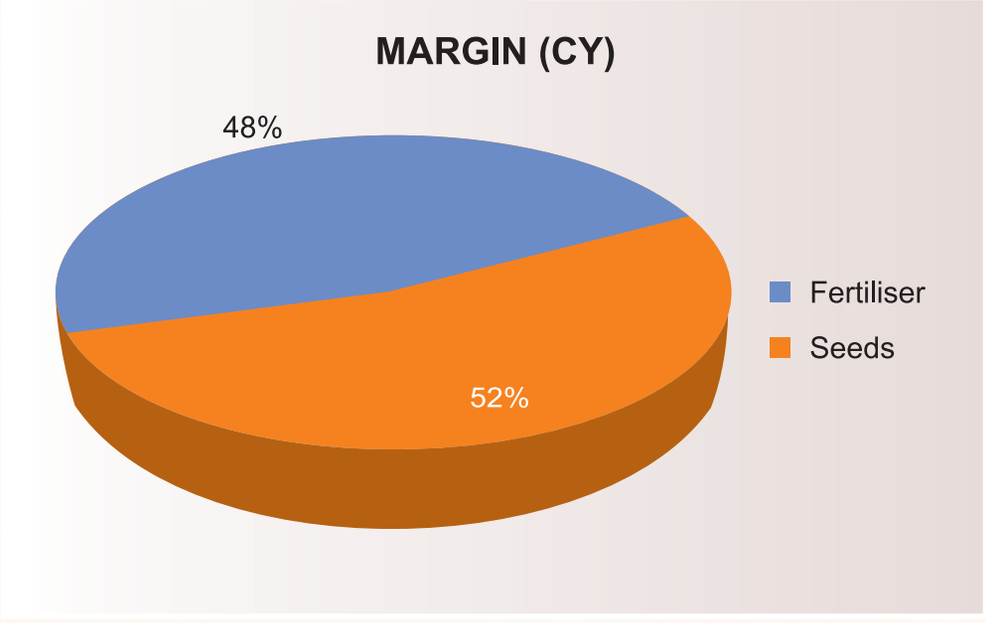
Research Institutes/Universities

1. Forest Research Institute (FRI), Dehradun, Uttarakhand
2. Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur, Madhya Pradesh
3. Arid Forest Research Institute (AFRI), Jodhpur, Rajasthan
4. Central Arid Zone Research Institute (CAZRI), Jodhpur, Rajasthan
5. International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (ICRISAT), Hyderabad (AP)
6. National Research Center for Soyabean, (NRCS), Indore (Madhya Pradesh)
7. National Research Center for Agro-Forestry, (NRCAF), Jhansi (Uttar Pradesh)
8. International Centre for Research on Agriculture and Forestry. (ICRAF), New Delhi
9. State Agriculture Universities and ICAR Institutes.
10. Directorate of Rapeseed Mustard Research, Bharatpur (Rajasthan)
11. Indian Institute of Wheat & Barley Research, Karnal (Haryana)
12. Maharana Pratap University of Agriculture and Technology (MPUAT), Udaipur (Rajasthan)
13. University of Agriculture Sciences, Dharwad (Karnataka)

वित्त एवं लेखा
Finance & Accounts

Financials Snapshot





स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

इंडियन फार्म फारेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड के शेयरधारकों को

1. राय

हमने इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड (एक बहुराज्य सहकारी समिति) ('समिति') के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च 2024 तक का तुलन–पत्र तथा उसी तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ–हानि लेखा, नकदी प्रवाह का विवरण, वित्तीय विवरणों के टिप्पण तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश और अन्य व्याख्यात्मक सूचनायें दी गई हैं।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, ये संलग्न वित्तीय विवरण बहु राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2023 ('अधिनियम') के माध्यम से संशोधित बहु राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2002 ('अधिनियम') तथा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखाकरण मानकों में यथा अपेक्षित सूचनायें प्रदान करते हैं और भारत में आमतौर पर अपनाये जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप निम्नलिखित के संबंध में सही और उचित चित्र प्रस्तुत करते हैं।

(क) 31 मार्च, 2024 की वस्तुस्थिति के अनुसार समिति के कार्यकलापों को दर्शाने वाला तुलन–पत्र;

(ख) लाभ–हानि के विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समिति का लाभ; तथा

(ग) नकदी प्रवाह विवरण के संबंध में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समिति का नकदी प्रवाह।

2. हमारी राय का आधार

हमने अपनी लेखापरीक्षा इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार की है। इन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों के बारे में हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के मामले में लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियों के तहत विस्तार से बताया गया है। हम आईएसीआई द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसरण में तथा उन नैतिक अपेक्षाओं जो अधिनियम के प्रावधानों के तहत् वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा करने के लिये प्रासंगिक है, के अनुसार समिति की लेखापरीक्षा करने के लिये स्वतंत्र लेखापरीक्षक हैं तथा हमने इन नैतिक अपेक्षाओं व आचार संहिता के अनुरूप अपनी नैतिक जिम्मेदारियां पूरी कर ली हैं। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों के प्रति हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में समुचित और पर्याप्त आधार प्रदान करते हैं।

3. वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन व प्रबंधन के लिये जिम्मेदार कर्मचारियों की जिम्मेदारी

इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखांकन मानकों सहित आमतौर पर भारत में स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों तथा बहुराज्य सहकारी सोसायटीज अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का दायित्व प्रबंधन का है, जो समिति की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्यनिष्पादन और नकदी प्रवाह का उचित चित्र प्रस्तुत करते हैं। इस दायित्व में अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप लेखांकन रिकॉर्ड का पर्याप्त अनुरक्षण करना भी शामिल है ताकि समिति की परिसंपत्तियों की रक्षा की जा सके और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोका जा सके और उनका पता लगाया जा सके; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन व उनका प्रयोग किया जा सके, सही व विवेकपूर्ण निर्णय लिया जा सके और अनुमान लगाया जा सके; इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने से संबंधित पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण का निर्धारण, कार्यान्वयन और अनुरक्षण, जिससे वित्तीय विवरणों को सही और उचित तरीके से तैयार किया जा सके जो किसी बड़ी गलतबयानी चाहे वह कपट अथवा गलती से हो, मुक्त हो।

Independent Auditors' Report

To the Shareholders of Indian Farm Forestry Development Cooperative Limited

1. Opinion

We have audited the accompanying financial statements of Indian Farm Forestry Development Cooperative Limited (a Multi State Cooperative Society) ('Society') which comprise of the Balance Sheet as at 31st March, 2024, the Statement of Profit and Loss and the Cash Flow Statement for the year then ended, and Notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to explanations given to us, the accompanying financial statements give the information required by the Multi State Cooperative Societies Act, 2002, as amended by MSCS (Amendment) Act, 2023, ('the Act') and the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India, in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(a) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Society as at March 31, 2024;

(b) in the case of the Statement of Profit and Loss, of its profit for the year ended on that date; and

(c) in the case of the Cash Flow Statement, of its cash flows for the year ended on that date.

2. Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institiue of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditors' Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Society in accordance with the Code of Ethics issued by the ICAI together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion on the financial statements.

3. Responsibility of Management and those charged with Governance for the Financial Statements

Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Society in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI and the provisions of the Act. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Society and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prodent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that are operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material mis-statement, whether due to fraud and error.

वित्तीय विवरण तैयार करते समय प्रबंधन लाभकारी संस्था के तौर पर कार्य करने संबंधी समिति की योग्यता का मूल्यांकन करने, जहां कहीं भी आवश्यक हो, समिति की कार्यकुशलता से संबंधित मामलों के बारे में जानकारी देने और लाभकारी संस्था के आधार पर लेखाकरण करने के लिए जिम्मेदार है जब तक प्रबंधन का समिति का परिसमापन करने या प्रचालनों को रोकने का कोई इरादा नहीं है अथवा समिति के पास समिति को प्रभावशाली संस्था के तौर पर चलाने के लिए इसके अलावा कोई विकल्प न रहे।

प्रबंधन के लिए जिम्मेदार अधिकारी समिति की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर्यवेक्षण करने के लिए जिम्मेदार है।

4. वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के सम्बंध में लेखापरिक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य इस बात को लेकर उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि पूरे वित्तीय विवरणों में धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण कोई बड़ी गलत जानकारी नही दी गई है, तथा लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारे विचार भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च आश्वासन है परन्तु इस बात कि गारंटी नही हैं की एसएएस के अनुसार की गई लेखापरीक्षा हमेशा ही किसी बड़ी गलत जानकारी का पता लगा लेगी। गलत जानकारियां धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो सकती है और यदि इस गलत जानकारी को एकल या पूर्णतः गलत माना जाता है तो ये इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिये गये आर्थिक निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं।

एसएएस के अनुसार कराये जाने वाले लेखापरीक्षा के तहत, हम पूरी लेखापरीक्षा के दौरान व्यावसायकि निर्णय देते है और पूरे लेखापरीक्षा कार्य के दौरान पेशेवर संदेह बनाये रखते हैं। हम निम्नलिखित कार्य भी करते हैं–

(क) धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों में दी गई बड़ी गलत जानकारी के जोखिम को पहचानना और मूल्यांकन करना, इन जोखिमों के लिये उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रिया को डिजाइन करना व लेखापरीक्षा करना और उसका सबूत प्राप्त करना जो हमारे विचारों के लिये पर्याप्त व उचित आधार है। धोखाधड़ी के कारण दी गई बड़ी गलत जानकारी का पता न लगने से होने वाला जोखिम त्रुटि के कारण होने वाले जोखिम से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में सांठ–गांठ, जालसाजी, जानबूझकर की गई चूक, मिथ्या जानकारी, या आंतरिक नियंन्त्रण की अनदेखी शामिल हैं।

(ख) लेखा परीक्षा के संबंध में नियंत्रण के बारे में जानना ताकि ऐसी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन किया जा सके जो विद्यमान परिस्थितियों में उपयुक्त हों परन्तु उनका उद्देश्य समिति के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता के बारे में विचार व्यक्त करना नहीं है।

(ग) अपनाई गई लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखा अनुमानों और प्रबंधन द्वारा दी गई इससे सम्बंधित जानकारी का मूल्यांकन करना।

(घ) प्राप्त लेखापरीक्षा सबूत जिससे किसी घटना या परिस्थिति से सम्बंधित किसी बड़ी अनिश्चितता का पता लगे जिससे समिति की भविष्य में लाभकारी संस्था के रुप में कार्य करने की क्षमता पर संदेह पैदा हो, के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि प्रबंधन भविष्य में भी प्रभावशाली रुप से कार्य करने के लिये उपयुक्त है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते है कि कोई बड़ी अनिश्चितता मौजूद है, तो हमारे लिये लेखारीक्षा रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में सम्बंधित जानकारी की तरफ ध्यान दिलाना आवश्यक है या यह निष्कर्ष निकालते है कि ये जानकारियां हमारा विचार बदलने के लिये अपर्याप्त है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षक रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त सबूत पर आधारित है। तथापि, यह हो सकता है कि भविष्य में होने वाली घटनाओं या परिस्थितियों के कारण समिति प्रभावशाली रुप से कार्य करने वाली संस्था न रहें।

In preparing the financial statements, Management is responsible for assessing the Society's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Society or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Those charged with governance are also responsible for overseeing the Society's financial reporting process.

4. Auditors' Responsibilities for the Audit of Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditors' report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

(a) Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

(b) Obtain an understanding of internal controls relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances but not for the purposes of expressing an opinion on the effectiveness of Society's internal control.

(c) Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by the Management.

(d) Conclude on the appropriateness of Management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Society's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our Auditors' Report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our Auditors' Report. However, future events or conditions may cause the Society to cease to continue as a going concern.

(ड़) वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण, ढ़ांचे और विषयवस्तु तथा जानकारियों का मूल्यांकन करना और यह सुनिश्चित करना कि वित्तीय विवरणों में महत्वपूर्ण लेनदेन तथा घटनाओं के बारे में सही जानकारी प्रस्तुत की गई है या नहीं।

हम प्रबंधन के जिम्मेदार लोगों से अन्य मामलों के साथ–साथ सुनियोजित स्कोप, लेखापरीक्षा के समय व लेखापरीक्षा से प्राप्त महत्वपूर्ण जानकारी, जिसमें आंतरिक नियंत्रण महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जो लेखापरीक्षा के समय सामने आती हैं, के बारे में बात करते हैं।

हम प्रबंधन के जिम्मेदार लोगों को ये बताते हैं कि हमने स्वतंत्र रूप से, संबंधित नैतिक अपेक्षाओं का पालन किया है और हम सभी संबंधों व अन्य मामलों पर स्वतंत्र रूप से विचार करते हैं तथा जहां कहीं भी लागू हो, सुरक्षा की दृष्टि से उनसे बातचीत करते हैं।

5. अन्य विधिक व विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

अधिनियम की अपेक्षाओं के अनुसार हम रिपोर्ट देते हैं कि:

(क) हमने वे सभी सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण जो हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के लिये आवश्यक थे, प्राप्त कर लिए है;

(ख) हमारी विचार से, समिति ने बहु राज्य सहकारी सोसायटी नियमावली, 2002 के अनुसार यथावश्यक लेखा पुस्ताकें समुचित रूप से रखी हैं, जैसा कि हमारे द्वारा की गई पुस्तकों की जांच से प्रतीत होता है;

(ग) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन–पत्र, लाभ–हानि विवरण और नकदी प्रवाह विवरण लेखा पुस्तकों से मेल खाते है।

(e) Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

5. Report on Other Legal and Regulatory Requirements

As required under the Act, we report that:

(a) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(b) In our opinion, proper books of account as specified in the Multi State Cooperative Societies Rules, 2002, as amended by MSCS (Amendment) Act, 2023, have been kept by the Society, so far as appears from our examination of those books;

(c) The Balance Sheet, Statement of Profit and Loss and Cash Flow Statement dealt with by this report are in agreement with the books of accounts;

कृते धवन एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफ.आर.एन.: 002864एन
For Dhawan & Co.
Chartered Accountants
FRN: 002864N

(दीपक कपूर)
साझेदार
(Deepak Kapoor)
PARTNER
M.No. 072302

ICAI UDIN REF. NO. : 24072302BKGFMY9191

Place : New Delhi
Date : 18.05.2024

तुलन–पत्र मार्च 31, 2024 को
BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2024

(Amount in ₹)

		टिप्पण संख्या/Note No.	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
इक्विटी तथा देयताएं	**EQUITY AND LIABILITIES**			
शेयरधारकों की निधियां	**Shareholder's Funds**			
शेयर पूंजी	Share Capital	1	13,37,05,000	13,37,05,000
आरक्षित एवं अधिशेष	Reserves and Surplus	2	68,67,22,612	577,829,094
गैर–चालू देयताएं	**Non-current Liabilities**			
दीर्घावधिक ऋण	Long-Term Borrowings	3	1,91,08,700	2,22,48,000
आस्थगित कर देयताएं (निवल)	Deferred Tax Liabilities (Net)		69,62,174	97,87,230
दीर्घावधिक प्रावधान	Long-Term Provisions	4	95,72,661	74,94,139
चालू देयताएं	**Current Liabilities**			
भुगतान योग्य व्यापार राशियाँ	Trade Payables			
– बकाया लघु एवं सूक्ष्म उद्यम	- Outstanding due to Micro & Small Enterprises		-	-
– बकाया अन्य	- Outstanding due to Others	5	1,30,36,04,013	86,40,59,240
अन्य चालू देयताएं	Other Current Liabilities	6	82,64,90,378	74,41,88,991
अल्पावधिक प्रावधान	Short-Term Provisions	7	2,26,98,136	1,63,80,916
योग	**Total**		**3,00,88,63,674**	**2,37,56,92,610**
परिसम्पत्तियां	**ASSETS**			
गैर–चालू परिसम्पत्तियां	**Non-current Assets**			
सम्पत्ति, संयंत्र व उपकरण	Property, Plant and Equipment			
– मूर्त परिसम्पत्तियां	- Tangible Assets	8	22,23,16,776	22,30,05,596
– पूँजीगत चालू निर्माण कार्य	- Capital Work-in-Progress		7,14,760	13,66,552
गैर–चालू निवेश	Non Current Investment	9	4,11,75,000	4,11,75,000
दीर्घावधिक ऋण व अग्रिम	Long-Term Loans and Advances	10	10,66,191	9,85,191
अन्य गैर–चालू परिसम्पत्तियाँ	Other Non-Current Assets	11	25,02,00,000	40,43,00,000
चालू परिसम्पत्तियां	**Current Assets**			
मालसूचियां	Inventories	12	8,56,27,664	11,34,58,061
प्राप्त होने वाली व्यापार राशियाँ	Trade Receivables	13	1,53,57,63,030	1,05,39,80,376
नकदी तथा बैंकों में शेष	Cash and Bank Balances	14	75,35,59,666	38,15,15,671
अल्पावधिक ऋण व अग्रिम	Short-Term Loans and Advances	15	11,84,40,587	15,59,06,163
योग	**Total**		**3,00,88,63,674**	**2,37,56,92,610**

महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां तथा लेखाओं के लिये टिप्पणियां उक्त उल्लेखित टिप्पणियों वित्तीय विवरणों का ही एक अभिन्न भाग है।

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts: 27
The notes referred to above form an integral part of the Financial Statements.

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
As per our report of even date attached
कृते धवन एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफ.आर.एन.: 002864एन
For Dhawan & Co.
Chartered Accountants
FRN: 002864N

(सी.ए. दीपक कपूर)
साझेदार
(CA Deepak Kapoor)
(Partner)
M.No. 072302

कृते इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड
For Indian Farm Forestry Development Cooperative Ltd.

(सुकांत शर्मा)
मुख्य प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(Sukant Sharma)
Chief Manager (F&A)

(एस.पी. सिंह)
प्रबंध निदेशक
(S.P. Singh)
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 18.05.2024

लाभ हानि लेखा 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष का
PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2024

(Amount in ₹)

		टिप्पण संख्या/ Note No.	Year ended 31 March 2024	Year ended 31 March 2023
राजस्वः	**REVENUE:**			
प्रचालन से राजस्व	Revenue from Operations	16	25,65,73,04,590	28,61,65,39,120
सामाजिक एवं ग्रामीण विकास परियोजनाओं में भागीदारी	Contribution towards Social & Rural Development Programmes	17	9,50,49,980	8,55,74,295
अन्य आय	Other Income	18	6,91,55,170	5,26,84,966
कुल राजस्व	**Total Revenue**		**25,82,15,09,740**	**28,75,47,98,381**
व्ययः	**EXPENSES:**			
खपत की गई कच्चे माल की लागत	Cost of Raw Material Consumed	19	97,44,40,283	81,42,87,448
प्रमाणन, पैकिंग तथा वितरण व्यय	Certification, Packing and Distribution Expenses		26,52,41,227	24,03,25,426
स्टॉक–इन–ट्रेड की खरीद	Purchases of Stock-in-Trade	20	24,09,42,51,197	27,39,91,67,934
स्टॉक–इन–ट्रेड की मालसूची में परिवर्तन एवं तैयार माल की मालसूची	Changes in Inventories of Stock-in-Trade and Finished Goods	21	2,67,07,263	(5,26,83,546)
सामाजिक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम व्यय	Social & Rural Development Programme Expenses	22	12,22,35,344	9,76,08,986
कर्मचारी लाभ व्यय	Employee Benefits Expenses	23	7,24,01,027	6,35,24,510
वित्तीय लागत	Finance Costs	24	1,66,57,208	1,18,27,645
मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	Depreciation and Amortization Expenses	25	1,02,31,995	97,64,813
अन्य व्यय	Other Expenses	26	8,20,93,811	3,00,68,711
कुल व्यय	**Total Expenses**		**25,66,42,59,355**	**28,61,38,91,927**
कर पूर्व लाभ	**Profit before Tax**		**15,72,50,385**	**14,09,06,454**
कर व्यय	Tax Expense:			
– चालू कर	- Current Tax		4,36,82,000	3,79,97,000
– गत वर्षों के लिए कर समायोजन	- Tax Adjustment for Earlier Years		(3,52,788)	3,84,748
– आस्थिगत कर – संपत्ति / (देयता)	- Deferred Tax - Asset / (Liability)		(28,25,056)	(10,87,461)
कर पश्चात् लाभ	**Profit after Tax**		**11,67,46,229**	**10,36,12,167**
को अंतरित लाभ	**Profit transferred to:**			
– लाभांश समानीकरण निधि	- Dividend Equalisation Fund		-	-
बहुराज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के अनुसार निवल लाभ	**Net Profit as per Multi State Cooperative Societies Act, 2002**		**11,67,46,229**	**10,36,12,167**
मूल तथा तनुकृत आय प्रति शेयर (ईपीएस)	**Basic & Diluted Earning Per Share (EPS)**			
– ₹ 1000 / – अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर	- Equity Shares of Face Value ₹ 1000/- each		873	775
– ₹ 10000 / – अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर	- Equity Shares of Face Value ₹ 10,000/- each		8,732	7,749
– ₹ 50000 / – अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर	- Equity Shares of Face Value ₹ 50,000/- each		43,658	38,747

लेखाओं के लिये महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां तथा टिप्पणियाँ उपरोक्त उल्लेखित टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का ही एक अभिन्न भाग हैं।

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts: 27
The notes referred to above form an integral part of the Financial Statements.

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
As per our report of even date attached
कृते धवन एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफ.आर.एन.: 002864एन
For Dhawan & Co.
Chartered Accountants
FRN: 002864N

(सी.ए. दीपक कपूर)
साझेदार
(CA Deepak Kapoor)
(Partner)
M.No. 072302

कृते इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड
For Indian Farm Forestry Development Cooperative Ltd.

(सुकांत शर्मा)
मुख्य प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(Sukant Sharma)
Chief Manager (F&A)

(एस.पी. सिंह)
प्रबंध निदेशक
(S.P. Singh)
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 18.05.2024

वित्तीय कथनों पर टिप्पणियाँ
NOTES ON FINANCIAL STATEMENTS

टिप्पण – 1 NOTE - 1 (Amount in ₹)

1. शेयर पूंजी	Share Capital	As at 31.03.2024		As at 31.03.2023	
		Number	Amount	Number	Amount
प्राधिकृतः	**Authorised**				
₹50000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 50000/- each	14,000	70,00,00,000	14,000	70,00,00,000
₹10000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 10000/- each	10,000	10,00,00,000	10,000	10,00,00,000
₹1000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 1000/- each	2,00,000	20,00,00,000	2,00,000	20,00,00,000
योग	**Total**	**2,24,000**	**1,00,00,00,000**	**2,24,000**	**1,00,00,00,000**
जारी	**Issued**				
₹50000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 50000/- each	2,515	12,57,50,000	2,515	12,57,50,000
₹10000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 10000/- each	2	20,000	2	20,000
₹1000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 1000/- each	7,935	79,35,000	7,935	79,35,000
योग	**Total**	**10,452**	**13,37,05,000**	**10,452**	**13,37,05,000**
अभिदत्त तथा प्रदत्तः	**Subscribed & Paid up**				
₹50000 प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 50000/- each fully paid	2,515	12,57,50,000	2,515	12,57,50,000
₹10000 प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 10000/- each fully paid	2	20,000	2	20,000
₹1000 प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 1000/- each fully paid	7,935	79,35,000	7,935	79,35,000
योग	**Total**	**10,452**	**13,37,05,000**	**10,452**	**13,37,05,000**

अ. बकाया शेयरों की संख्या एवं शेयर राशि का मिलान इस प्रकार निर्धारित किया गया है:	a. Reconciliation of number of shares outstanding and amount of share capital is set out as follows:	As at 31.03.2024		As at 31.03.2023	
		Number	Amount	Number	Amount
शेयरों का मिलानः	**Share Reconciliation:**				
₹50000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	**Equity Shares of ₹ 50000/- each**				
वर्ष के आरंभ में बकाया शेयर	Shares Outstanding at the beginning of the year	2,515	12,57,50,000	2,515	12,57,50,000
जोडें: वर्ष के दौरान जारी शेयर	Add: Shares issued during the year	-	-	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान उन्मोचित शेयर	Less: Shares redeemed during the year	-	-	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया शेयर	**Shares Outstanding at the end of the year**	**2,515**	**12,57,50,000**	**2,515**	**12,57,50,000**
₹10000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	**Equity Shares of ₹ 10,000/- each**				
वर्ष के आरंभ में बकाया शेयर	Shares Outstanding at the beginning of the year	2	20,000	2	20,000
जोडें: वर्ष के दौरान जारी शेयर	Add: Shares issued during the year	-	-	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान उन्मोचित शेयर	Less: Shares redeemed during the year	-	-	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया शेयर	**Shares Outstanding at the end of the year**	**2**	**20,000**	**2**	**20,000**
₹1000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	**Equity Shares of ₹ 1,000/- each**				
वर्ष के आरंभ में बकाया शेयर	Shares Outstanding at the beginning of the year	7,935	79,35,000	7,935	79,35,000
जोडें: वर्ष के दौरान जारी शेयर	Add: Shares issued during the year	-	-	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान उन्मोचित शेयर	Less: Shares redeemed during the year	-	-	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया शेयर	**Shares Outstanding at the end of the year**	**7,935**	**79,35,000**	**7,935**	**79,35,000**

ब. प्रत्येक श्रेणी में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयर का विवरणः	b. Details of share holding more than 5% of equity shares in each category:	As at 31.03.2024		As at 31.03.2023	
शेयरधारियों का 5% शेयरों से अधिक नियन्त्रण	**Shareholder(s) holding more than 5% shares**	**No. of Shares held**	**% of Holding**	**No. of Shares held**	**% of Holding**
कुल देय ₹50000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 50000/- each fully paid				
– इफको	- Indian Farmers Fertiliser Cooperative Ltd.	2,507	99.68	2,507	100
कुल देय ₹10000 प्रत्येक के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹ 10000/- each fully paid				
– यू.पी. सहकारी ग्राम विकास बैंक लि.	- UP Sehakari Gram Vikas Bank Ltd.	1	50.00	1	50.00
– एम.पी. राज्य सहकारी विपणन संघ लि.	- MP State Coop. Mktg. Fed. Ltd.	1	50.00	1	50.00
₹1000 प्रत्येक के पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर	Equity shares of ₹ 1,000 each fully paid				
– पी.एफ.एफ.सी.एस. हरखूमऊ	- PFFCS Harkhumau	550	6.93	550	7
– पी.एफ.एफ.सी.एस. मलिकमऊ	- PFFCS Malikmau	400	5.04	400	5

स. बहुराज्य सहकारी समिति अधिनियम 2002 एवं समिति के उपनियम के प्रावधान के अनुसार, प्रत्येक सदस्य के पास एक ही मतदान का अधिकार होता है, धारित शेयर पूंजी की संख्या/मूल्य चाहे कुछ भी हो। इक्विटी शेयर धारक उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में समय–समय पर घोषित लाभांश प्राप्त करने के हकदार हैं। सदस्य को वोटिंग का अधिकार केवल कम से कम एक पूर्ण प्रदत्त शेयर प्राप्त करने पर होगा।

c. As per provision of the Multi-State Co-operative Societies Act 2002 and Bye-Laws of the Society, every member has a single voting right irrespective of the number/value of share capital held. The holders of the equity shares are entitled to receive dividends as declared from time to time in proportion to their shareholding. Member will have the voting right only on acquiring at least one fully paid up share.

टिप्पण – 2 NOTE - 2

(Amount in ₹)

आरक्षित एवं अधिशेष निधियां	Reserves and Surplus	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
अ. आरक्षित निधि (बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63(1)(अ) के अनुसार)	**a. Reserve Fund (As per Section 63(1)(a) of MSCSA 2002)**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	13,86,34,980	11,27,31,937
जोडें: वर्ष के दौरान जमाएं	Add : Addition during the year	2,91,86,557	2,59,03,042
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/अंतरित	Less : Utilised / transferred during the year	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**16,78,21,537**	**13,86,34,979**
ब. दान के लिए आरक्षित निधि (बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63(1)(स) के अनुसार)	**b. Reserve fund for Contingency (As per Section 63(1)(c) of MSCSA 2002)**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	3,37,09,031	2,33,47,814
जोडें: वर्ष के दौरान जमाएं	Add : Addition during the year	1,16,74,623	1,03,61,217
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/अंतरित	Less : Utilised / transferred during the year	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**4,53,83,654**	**3,37,09,031**
स. सी.आर.आर.डी. के लिए आरक्षित निधि (बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63ए(1) के अनुसार)	**c. Reserve Fund for CRRD Fund (As per Section 63A(1) of MSCSA 2002)**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	-	-
जोडें: वर्ष के दौरान जमाएं	Add : Addition during the year	11,67,462	-
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/अंतरित	Less : Utilised / transferred during the year	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**11,67,462**	
द. प्रासंगिकताओं के लिए आरक्षित निधि (बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63(2)(स) के अनुसार)	**d. Reserve for Donation (As per Section 63(2)(c) of MSCSA 2002)**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	35,00,000	15,00,000
जोडें: वर्ष के दौरान जमाएं	Add : Addition during the year	20,00,000	20,00,000
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/अंतरित	Less : Utilised / transferred during the year	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**55,00,000**	**35,00,000**
इ. लाभांश समानीकरण निधि	**e. Dividend Equalisation Fund**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	5,50,00,000	5,50,00,000
जोडें: वर्ष के दौरान जमाएं	Add : Addition during the year	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/अंतरित	Less : Utilised / transferred during the year	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**5,50,00,000**	**5,50,00,000**
य. सामान्य आरक्षित निधि	**f. General Reserve**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	34,02,99,834	28,26,73,298
जोडें: वर्ष के दौरान जमाएं	Add : Addition during the year	6,48,64,875	5,76,26,536
जोड़ें: पूर्व अवधि से संबंधित मूल्यह्रास रिजर्व में समायोजन	Add : Adjustment in Depreciation reserve relating to prior period	-	-
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/अंतरित	Less : Utilised / transferred during the year	-	-
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**40,51,64,709**	**34,02,99,834**
र. प्रतिधारित आय (लाभांश के लिए प्रतिधारित आय)	**g. Retained Earnings (Retained earning for Dividend)**		
वर्ष के आरंभ में शेष	Balance as at the beginning of the year	66,85,250	66,85,250
जोडें: एम.एस.सी.एस.ए., 2002 के अनुसार शुद्ध लाभ/(शुद्ध हानि)	Add : Net profit/(Net Loss) as per MSCSA, 2002	11,67,46,229	10,36,12,167
घटाएं: विनियोजन	Less : Appropriation		
– आरक्षित निधि 25%(बहुराज्यीय सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के खण्ड 63(1)(अ) के अनुसार)	- Reserve fund 25% (As per Section 63(1)(a) of MSCSA 2002)	2,91,86,557	2,59,03,042
– सहकारी शिक्षा कोष में योगदान के लिए प्रावधान 1%(बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63(1)(ब) के अनुसार)	- Provision for Contribution to Cooperative Education Fund 1% (As per Section 63(1)(b) of MSCSA 2002)	11,67,462	10,36,122
– प्रासंगिकताओं के लिए आरक्षित निधि 10%(बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63(1)(स) के अनुसार)	- Reserve fund for Contingency 10% (As per Section 63(1)(c) of MSCSA 2002)	1,16,74,623	1,03,61,217
– सी.आर.आर.डी. फण्ड के लिए आरक्षित निधि (बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63 ए(1) के अनुसार)	- Reserve fund for CRRD Fund (As per Section 63A(1) of MSCSA 2002)	11,67,462	-
– दान के लिए आरक्षित निधि (बहु राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम 2002 के खंड 63(2)(स) के अनुसार)	- Reserve fund for Donation (As per Section 63(2)(c) of MSCSA 2002)	20,00,000	20,00,000
– लाभांश का भुगतान	- Dividend Payment	66,85,250	66,85,250
– सामान्य आरक्षित निधि का अंतरण	- Transfer to General Reserve	6,48,64,875	5,76,26,536
वर्ष के अन्त में बकाया	**Balance as at the end of the year**	**66,85,250**	**66,85,250**
योग	**Total**	**68,67,22,612**	**57,78,29,094**

टिप्पण – 3 NOTE - 3

दीर्घावधिक ऋण	Long Term Borrowings	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
आरक्षित – आवधिक ऋण	**Unsecured- Term Loan**		
राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम*	- From National Cooperative Development Corporation*	2,69,74,200	2,98,01,000
घटाएं: आवधिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता (संदर्भ टिप्पण 6)	Less: Current Maturity of Term Loan (Ref. Note No. 6)	(78,65,500)	(75,53,000)
योग	**Total**	**1,91,08,700**	**2,22,48,000**

The Loan is secured against Land, Building and Plant & Machinary.

* Term of Repayment - Repayable in two yearly installment on each part of loan and shall be fully repaid by 2032. The carrying interest rate vary from @10.50% to 11.90%.

(Amount in ₹)

टिप्पण – 4 NOTE - 4

दीर्घावधिक प्रावधान	Long Term Provisions	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
कर्मचारियों के लाभों के लिए प्रावधान	**Provision for Employee benefits**		
– अनुपस्थिति नकदीकरण	- Leave Encashment	95,72,661	74,94,139
योग	**Total**	**95,72,661**	**74,94,139**

टिप्पण – 5 NOTE - 5

भुगतान योग्य व्यापार राशियाँ	Trade Payable	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
आरक्षित लेनदार	**Unsecured Creditors**		
(अ) बकाया लघु एवं सूक्ष्म उद्यम	(a) Outstanding due to Micro and Small Enterprises	-	-
(ब) बकाया अन्य	(b) Outstanding to Others	1,30,36,04,013	86,40,59,240
योग	**Total**	**1,30,36,04,013**	**86,40,59,240**

टिप्पण – 6 NOTE -6

अन्य चालू देयताएं	Other Current Liabilities	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
सावधिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता अवधि (संदर्भ टिप्पण 3)	Current Maturity of Term Loan (Ref. Note No. 3)	78,65,500	75,53,000
सांविधिक देयताएं	Statutory Dues Payable	92,82,064	3,15,76,284
व्ययों पर देयताएं	Expenses Payable	8,47,59,712	3,25,73,994
अदत्त लाभांश*	Unpaid Dividend*	30,600	39,750
ग्राहकों से अग्रिम	Advance from Customer	14,62,44,672	17,45,11,939
धरोहर राशि / जमानत राशि	Earnest Money / Security Deposit	56,33,20,567	49,40,26,761
अनुपयोगी परियोजना योगदान / अनुदान	Unutilised Project Contribution / Grant	1,49,87,263	39,07,263
योग	**Total**	**82,64,90,378**	**74,41,88,991**

* Unpaid Dividend represents the amounts which have not been claimed by the investors/shareholders.

टिप्पण – 7 NOTE - 7

अल्पावधिक प्रावधान	Short Term Provisions	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
कर्मचारियों के हितों के लिए प्रावधान	**Provision for Employee benefits**		
अवकाश नकदीकरण	Leave Encashment	23,36,036	10,26,006
अन्य प्रावधान	**Other provision**		
सहकारी शिक्षा निधि के लिए प्रावधान	Provision for Cooperative Education Fund	11,67,462	10,36,122
आयकर के लिए प्रावधान (अग्रिम कर निवल / टी.डी.एस.)	Provision for Income Tax (net of Advance tax/TDS)	1,91,94,638	1,43,18,788
योग	**Total**	**2,26,98,136**	**1,63,80,916**

टिप्पण – 10 NOTE - 10

दीर्घावधिक ऋण एवं अग्रिम	Long-Term Loans & Advances	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
अरक्षित, सुविचारित सामान, जब तक अन्यथा नहीं कहा गया	**Unsecured, Considered Goods, unless otherwise stated**		
सुरक्षा जमा राशि	Security Deposits	7,74,191	6,39,191
समितियों के साथ चक्रीय निधि	Revolving Fund with Societies	2,92,000	3,46,000
योग	**Total**	**10,66,191**	**9,85,191**

टिप्पण – 11 NOTE - 11

अन्य गैर–चालू परिसम्पत्ति	Other Non-Current Assets	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
अरक्षित, सुविचारित सामान, जब तक अन्यथा नहीं कहा गया	**Unsecured, Considered Goods, unless otherwise stated**		
12 महीने से अधिक परिपक्वता वाली सावधि जमायें	Fixed Deposits with more than 12 months maturity	25,02,00,000	40,43,00,000
योग	**Total**	**25,02,00,000**	**40,43,00,000**

टिप्पण – 12 NOTE - 12

(Amount in ₹)

मालसूचियाँ* (लागत या शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो)	**Inventories*** (Valued at cost or Net Realisable Value, whichever is lower)	**As at 31.03.2024**	**As at 31.03.2023**
पैकिंग सामग्री	Packing Material	2,36,61,771	2,47,84,905
तैयार माल की मालसूची	Finished Goods	1,96,51,643	1,45,43,578
स्टॉक–इन–ट्रेड	Stock-In-Trade	4,23,14,250	7,41,29,578
योग	**Total**	**8,56,27,664**	**11,34,58,061**

* As taken, valued and certified by the Management.

टिप्पण – 13 NOTE - 13

प्राप्त होने वाली व्यापार राशियाँ	**Trade Receivables**	**As at 31.03.2024**	**As at 31.03.2023**
छः महीने से कम अवधि के लिए बकाया ऋण	**Outstanding for a period less than six months**		
अरक्षित, विचारणीय माल	Unsecured, Considered Goods	1,37,24,90,461	92,66,90,534
छः महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	**Outstanding for a period more than six months**		
अरक्षित, विचारणीय माल	Unsecured, Considered Goods	16,32,72,569	12,72,89,842
अरक्षित, विचारणीय संदिग्ध	Unsecured, Considered Doubtful	2,82,65,519	1,47,36,400
घटायें: संदिग्ध व्यापार प्राप्ति के लिए प्रावधान	Less: Provision for Doubtful Trade Receivable	(2,82,65,519)	(1,47,36,400)
योग	**Total**	**1,53,57,63,030**	**1,05,39,80,376**

टिप्पण – 14 NOTE - 14

नकद एवं बैंकों में शेष	**Cash and Bank Balances**	**As at 31.03.2024**	**As at 31.03.2023**
पास में नकदी	Cash on hand	1,47,859	66,480
बैंकों के साथ शेष	Balances with Banks		
– लघु अवधि खाते में शेष	- Balances in Short-Term Accounts	2,79,11,807	5,00,49,191
– 12 महीने से कम परिपक्वता के साथ सावधि जमा	- Fixed Deposits with less than 12 months maturity	72,55,00,000	33,14,00,000
योग	**Total**	**75,35,59,666**	**38,15,15,671**

टिप्पण – 15 NOTE - 15

अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिम	**Short-Term Loans and Advances**		**As at 31.03.2024**	**As at 31.03.2023**
असुरक्षित, सुविचारित सामान	**Unsecured, Considered Goods**			
ब्याज अर्जित किया गया लेकिन सावधि जमा पर देय नही	Interest accrued but not due on Fixed Deposits		3,05,23,508	1,17,53,082
पूर्व प्रदत्त व्यय	Prepaid Expenses		78,02,047	62,98,563
दावा/अन्य वसूली योग्य	Claim/Other Recoverable	2,22,72,131		1,55,04,228
घटायें: संदिग्ध वसूली के लिए प्रावधान	Less : Provision for Doubtful recoverables	(24,37,455)	1,98,34,676	(24,37,455)
अनुदान वसूली योग्य	Grant Recoverable		1,13,43,041	1,58,26,976
राज्य सरकारों से वसूली योग्य सब्सिडी	Subsidy Recoverable from State Govt.	49,90,621		4,34,96,241
घटायें: संदिग्ध वसूली के लिए प्रावधान	Less : Provision for Doubtful recoverables	(18,91,329)	30,99,292	(18,91,329)
आपूर्तिकर्ता/किसान/समितियों को अग्रिम	Advance to Supplier/Farmer/Societies		3,06,41,052	2,83,52,192
आयकर वापसी योग्य	Income Tax Refundable		29,32,266	13,31,076
जी.एस.टी. वसूली योग्य	GST Recoverable		1,08,42,996	3,54,25,095
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	Advance to Employee		1,45,748	6,152
अन्य अग्रिम	Other Advances		12,75,961	22,41,342
योग	**Total**		**11,84,40,587**	**15,59,06,163**

टिप्पण – 8: सम्पत्ति, संयंत्र व उपकरण

Note - 8 : Property, Plant and Equipments

(Amount in ₹)

विवरण PARTICULARS	GROSS BLOCK				DEPRECIATION/AMORTISATION				NET BLOCK	
	As at 01.04.2023	Additions	Deductions/ Adjustments	As at 31.03.2024	As at 01.04.2023	For the year	Deductions/ Adjustments	As at 31.03.2024	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
मूर्त परिसंपत्तियाँ/Tangible Assets :										
(क) पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि (a) Freehold Land	2,39,74,694	-	-	2,39,74,694	-	-	-	-	2,39,74,694	2,39,74,694
(ख) कारखाना भवन (b) Factory Building	14,77,59,516	36,03,621	18,75,000	14,94,88,137	2,51,07,966	45,56,841	-	2,96,64,807	11,98,23,330	12,26,51,550
(ग) वाहन (c) Vehicle	73,34,444	-	3,507	73,30,937	33,18,530	7,30,885	3,507	40,45,908	32,85,029	40,15,914
(ड़) कार्यालय उपकरण (e) Office Equipments	51,93,023	2,33,311	49,020	53,77,314	27,75,546	4,46,449	39,936	31,82,059	21,95,255	24,17,477
(च) फर्नीचर एवं फिक्सचर (f) Furniture & Fixtures	45,95,665	90,365	16,850	46,69,180	3052,740	2,42,309	16,007	32,79,042	13,90,138	15,42,925
(छ) कम्प्यूटर एवं प्रिंटर्स (g) Computer and Printers	1,14,37,145	16,74,303	4,74,067	1,26,37,381	90,67,441	9,27,317	4,52,283	95,42,475	30,94,906	23,69,704
(ज) जैनसैट एवं वातानुकूल उपकरण (h) Genset & Air Conditioner	17,15,400	66,488	59,998	17,21,890	8,51,366	1,08,161	34,458	9,25,069	7,96,821	8,64,034
(झ) संयत्र, मशीनरी एवं अन्य उपकरण (i) Plant, Machinery & Other Equip.	8,23,41,129	59,72,502	2,21,632	8,80,91,999	1,71,71,831	32,20,034	56,469	2,03,35,396	6,77,56,603	6,51,69,298
कुल मूर्त परिसंपत्तियाँ (अ) Total Tangible Assets (A)	**28,43,51,016**	**1,16,40,590**	**27,00,074**	**29,32,91,532**	**6,13,45,420**	**1,02,31,996**	**6,02,660**	**7,09,74,756**	**22,23,16,776**	**22,30,05,596**
पूँजगत चालू निर्माण कार्य Capital Work-in-Progress	**13,66,552**	**7,91,510**	**14,43,302**	**7,14,760**	**-**	**-**	**-**	**-**	**7,14,760**	**13,66,552**
पूँजगत चालू निर्माण कार्य (ब) Capital Work-in-Progress (B)	**13,66,552**	**7,91,510**	**14,43,302**	**7,14,760**	**-**	**-**	**-**	**-**	**7,14,760**	**13,66,552**
योग (अ+ब) / Total (A+B)	**28,57,17,568**	**1,24,32,100**	**41,43,376**	**29,40,06,292**	**6,13,45,420**	**1,02,31,995**	**6,02,659**	**7,09,74,756**	**22,30,31,536**	**22,43,72,148**
पिछले वर्ष का कुल योग Previous Year's Total	**27,56,76,681**	**1,82,30,673**	**81,89,786**	**28,57,17,568**	**5,50,69,947**	**97,64,813**	**34,89,340**	**6,13,45,420**	**22,43,72,148**	**-**

(Amount in ₹)

टिप्पण – 9	NOTE - 9		As at 31.03.2024		As at 31.03.2023	
गैर चालू निवेश (लागत पर)	Non Current Investments (At Cost)	Face Value (₹)	No. of Shares	Amount (₹)	No. of Shares	Amount (₹)
(अ) व्यापार निवेश (लागत पर) – अनुद्धृत	(A) Trade Investments (At Cost) - Unquoted					
(i) सहायकों पर निवेश	(i) Investment in Subsidiaries					
(अ) उत्तर प्रदेश राज्य की पी.एफ.एफ.सी.एस. से ₹ 500 प्रत्येक के 26738 शेयर लिये	(a) 26,738 Equity Shares of ₹ 500/- each fully paid up in PFFCS of U.P. State					
कनकसिंहपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Kanaksinghpur PFFCS District Sultanpur	500	5,448	27,24,000	5,448	27,24,000
चन्दौकी पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Chandauki PFFCS District Sultanpur	500	1,456	7,28,000	1,456	7,28,000
रामसहायपुर हरदोइया पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Ramshahpur Hardoiya PFFCS District Sultanpur	500	1,828	9,14,000	1,828	9,14,000
नन्दमहर–भीखीपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Nandmahar-Bhikhipur PFFCS District Sultanpur	500	2,109	10,54,500	2,109	10,54,500
कनकपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Kankupur PFFCS District Sultanpur	500	1,617	8,08,500	1,617	8,08,500
रिछौरा पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Richhaura PFFCS District Sultanpur	500	1,191	5,95,500	1,191	5,95,500
कटारी पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Katari PFFCS District Sultanpur	500	1,356	6,78,000	1,356	6,78,000
बेला पश्चिम पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Bela Paschim PFFCS District Sultanpur	500	218	1,09,000	218	1,09,000
कमालपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला रायबरेली	Kamalpur PFFCS District Raibarelly	500	1,793	8,96,500	1,793	8,96,500
रसूलपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला रायबरेली	Rasoolpur PFFCS District Raibarelly	500	2,423	12,11,500	2,423	12,11,500
हरदोई पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला रायबरेली	Hardoi PFFCS District Raibarelly	500	1,421	7,10,500	1,421	7,10,500
खारा पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला रायबरेली	Khara PFFCS District Raibarelly	500	1,741	8,70,500	1,741	8,70,500
बेलहा पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला प्रतापगढ़	Belha PFFCS District Pratapgarh	500	1,398	6,99,000	1,398	6,99,000
केशवपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला प्रतापगढ़	Keshavpur PFFCS District Pratapgarh	500	1,117	5,58,500	1,117	5,58,500
सबलगढ़सराई इन्द्रावत पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला प्रतापगढ़	Sabalgarh Sarai Indrawat PFFCS District Pratapgarh	500	686	3,43,000	686	3,43,000
कैमा पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सुल्तानपुर	Kaima PFFCS District Sultanpur	500	936	4,68,000	936	4,68,000
(ब) मध्य प्रदेश राज्य की पी.एफ.एफ.सी.एस. से ₹100 प्रत्येक के 10637 शेयर लिये	(b)10,637 Shares of ₹ 100/- each in PFFCS of M.P. State					
करैया पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सागर	Kariya PFFCS District Sagar	100	3,080	3,08,000	3,080	3,08,000
समनापुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सागर	Samnapur PFFCS District Sagar	100	2,785	2,78,500	2,785	2,78,500
चितौरा पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सागर	Chitora PFFCS District Sagar	100	1,492	1,49,200	1,492	1,49,200
मौकलपुर पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सागर	Mokalpur PFFCS District Sagar	100	2,490	2,49,000	2,490	2,49,000
सुरखी पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला सागर	Surkhi PFFCS District Sagar	100	790	79,000	790	79,000
(स) राजस्थान राज्य की पी.एफ.एफ.सी.एस. से ₹10 प्रत्येक के 156730 शेयर लिये	(c) 1,56,730 Shares of ₹10/- each in PFFCS of Rajasthan State					
सांगवा पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला उदयपुर	Sangwa PFFCS District Udaipur	10	56,000	5,60,000	56,000	5,60,000
रख्यावल पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला उदयपुर	Rakhiyawal PFFCS District Udaipur	10	25,000	2,50,000	25,000	2,50,000
पीपलवास पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला उदयपुर	Pipalwas PFFCS District Udaipur	10	35,200	3,52,000	35,200	3,52,000
सिन्धु पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला उदयपुर	Sindhu PFFCS District Udaipur	10	17,400	1,74,000	17,400	1,74,000
जावड पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला उदयपुर	Jawad PFFCS District Udaipur	10	21,230	2,12,300	21,230	2,12,300
नाई पी.एफ.एफ.सी.एस. जिला उदयपुर	Nai PFFCS District Udaipur	10	1,900	19,000	1,900	19,000
उप–योग	Sub-Total			1,60,00,000		1,60,00,000
(ii) सहयोगी में निवेश	(ii) Investment in Associates					
इफको (253 शेयर ₹1,00,000/–प्रत्येक के)	Indian Farmers Fertilisers Cooperative Ltd. (253 Shares of ₹ 1,00,000/- each)	100000	253	2,53,00,000	253	2,53,00,000
इफको (4 शेयर ₹10,000/–प्रत्येक के)	Indian Farmers Fertilisers Cooperative Ltd. (4 Shares of ₹ 10,000/- each)	10000	4	40,000	4	40,000
इफको (9 शेयर ₹1,000/–प्रत्येक के)	Indian Farmers Fertilisers Cooperative Ltd. (9 Shares of ₹ 1,000/- each)	1000	9	9,000	9	9,000
उप–योग	Sub-Total			2,53,49,000		2,53,49,000
योग	Total			4,13,49,000		4,13,49,000
घटायें: निवेश के मूल्य में हानि के लिए प्रावधान	Less: Provision for Impairment in value of investments					
सिंधु प्रक्षेत्र वानिकी समिति जिला उदयपुर	Sindhu PFFCS District Udaipur			(1,74,000)		(1,74,000)
योग	Total			4,11,75,000		4,11,75,000

टिप्पण – 16 NOTE - 16

(Amount in ₹)

प्रचालन से राजस्व	Revenue from Operations	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
उत्पादन की बिक्री	**Manufacturing Sales**		
बीज की बिक्री (सब्सिडी एवं प्रोत्साहन सहित)	Sales of Seeds (including subsidy and incentives)	1,33,07,28,016	1,14,11,57,530
व्यापार बिक्री	**Trading Sales**		
उर्वरक की बिक्री	Sales of Fertiliser	22,08,80,18,099	24,87,09,08,122
अन्य उत्पादों की बिक्री (पौधे, रसायन, सागरिका, कृषि–रसायन, इफको नैनो यूरिया, नैनो डीएपी इत्यादि)	Sales of Other Product (Plant, Chemical, Sagarika, Agro-Chemical, IFFCO Nano Urea, Nano DAP etc.)	2,17,08,44,418	2,60,44,73,468
अन्य बिक्री	**Other Sale**		
कार्बन क्रेडिट की बिक्री	Sales of Carbon Credit	6,77,14,057	-
योग	Total	**25,65,73,04,590**	**28,61,65,39,120**

टिप्पण–17 NOTE - 17

सामाजिक एवं ग्रामीण विकास परियोजनाओं में भागीदारी	Contribution towards Social & Rural Development Programmes	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
नाबार्ड	NABARD	60,87,317	1,18,05,721
आई टी जी आई	ITGI	35,54,314	32,11,500
एन सी डी सी	NCDC	76,33,050	89,05,212
मित्सुई एंड कंपनी प्रा. लि.	MITSUI & Company Pvt. Ltd.	-	4,06,611
इफको एम सी	IFFCO MC	-	3,25,000
केन्द्र सरकार की परियोजनाऐं	Central Govt. Projects	1,66,20,000	-
प्रक्षेत्र वानिकी	Farm Forestry	3,50,00,000	3,49,15,886
इफको परियोजनाएं	**IFFCO Projects**		
एल आई आई आर डी	LIIRD	1,20,58,232	1,18,07,936
आर एल डी पी	RLDP	1,06,17,557	1,01,76,135
इफको (अन्य)	IFFCO (Others)	34,79,510	40,20,294
योग	Total	**9,50,49,980**	**8,55,74,295**

टिप्पण–18 NOTE - 18

अन्य आय	Other Income	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
ब्याज	Interest From:		
– सावधि जमा	-Fixed Deposits	5,20,22,465	3,41,74,913
– अन्य	-Others	13,840	-
विनियोग पर लाभांश	Dividend on Investment	50,69,800	50,69,800
संस्थागत शुल्क	Institutional Charges	37,31,653	48,76,781
हैंडलिंग एवं परिवहन आय	Handling & Transportation Income	73,05,929	84,15,577
विविध आय	Miscellaneous Income	10,11,483	1,47,895
योग	Total	**6,91,55,170**	**5,26,84,966**

टिप्पण – 19 NOTE - 19

खपत किए गए कच्चे माल की लागत	Cost of Raw Material consumed	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
कच्चे माल का अथ स्टॉक	Opening Stock of Raw Material	-	-
जोड़ें : क्रय:	Add : Purchases Seeds	97,44,40,283	81,42,87,448
घटायें : कच्चे माल का इति स्टॉक	Less : Closing Stock of Raw Material	-	-
योग	Total	**97,44,40,283**	**81,42,87,448**

टिप्पण – 20 NOTE - 20

स्टॉक–इन–ट्रेड का क्रय	Purchase of Stock-in-Trade	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
क्रय	**Purchase**		
– उर्वरक	- Fertiliser	22,01,72,92,745	24,81,69,68,424
– अन्य उत्पाद (संयंत्र, रसायन, सागरिका, कृषि–रसायन, इफको नैनो यूरिया इत्यादि)	- Other products (Plant, Chemical, Sagarika, Agro-Chemical, IFFCO Nano Urea etc.)	2,13,05,24,002	2,61,95,55,090
– घटायें: प्राप्त छूट (इफको नैनो यूरिया, नैनो डीएपी)	- Less: Rebate Received (IFFCO Nano Urea, Nano DAP)	-5,35,65,550	-3,73,55,580
योग	Total	**24,09,42,51,197**	**27,39,91,67,934**

टिप्पण – 21 NOTE - 21

(Amount in ₹)

स्टॉक–इन–ट्रेड एवं तैयार माल की मालसूचियों में परिवर्तन	Changes in Inventories of Stock-in-Trade and Finished Goods	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
इति स्टॉक:	**Closing Stocks:**		
खाद	Fertiliser	2,50,57,692	3,30,11,958
बीज	Seed	1,96,51,643	1,45,43,578
अन्य	Others	1,72,56,558	4,11,17,620
		6,19,65,893	**8,86,73,156**
अथ स्टॉक:	**Opening Stocks:**		
खाद	Fertiliser	3,30,11,958	1,83,69,176
बीज	Seed	1,45,43,578	96,55,999
अन्य	Others	4,11,17,620	79,64,435
		8,86,73,156	**3,59,89,609**
(वृद्धि)/कमी	**(Increase) / Decrease**	**2,67,07,263**	**-5,26,83,546**

टिप्पण – 22 NOTE - 22

सामाजिक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम व्यय	Social & Rural Development Programme Expenses	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
नाबार्ड	NABARD	1,41,61,329	1,35,35,097
आई टी जी आई	ITGI	41,33,672	39,77,640
मित्सुई एंड कंपनी प्रा. लि.	MITSUI & Company Pvt. Ltd..	-	38,220
केन्द्र सरकार की परियोजनाऐं	Central Govt. Projects	1,66,20,000	-
एन.सी.डी.सी.	NCDC	1,15,35,610	98,19,408
बनाना परियोजनाऐं	Banana Projects	85,40,571	-
यू.एल.आई.पी.एच./आई.सी.डी.पी.	ULIPH/ICDP	1,72,983	2
प्रक्षेत्र वानिकी	Farm Forestry	4,12,49,052	4,45,40,420
इफको परियोजनाएं	**IFFCO Projects**		
एल आई आई आर डी	LIIRD	1,16,39,331	1,13,96,493
आर एल डी पी	RLDP	1,04,44,096	1,03,98,537
इफको (अन्य)	IFFCO (Others)	37,38,700	39,03,169
योग	**Total**	**12,22,35,344**	**9,76,08,986**

टिप्पण – 23 NOTE - 23

कर्मचारियों के हितलाभों पर व्यय	Employee Benefits Expense	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
वेतन एवं प्रोत्साहन	Salaries and incentives	1,97,87,156	1,91,72,938
वेतन एवं प्रोत्साहन (प्रतिनियुक्त कर्मचारियों के लिए)	Salaries and incentives (for deputed employees)	3,90,39,191	3,40,28,105
अंशदान –	Contributions to -		
– भविष्य निधि तथा अन्य निधियाँ	- Provident Fund and other Fund	6,79,526	6,48,283
– उपदान तथा अन्य लाभ	- Gratuity and other Benefit	1,10,42,598	75,31,436
कर्मचारी कल्याण व्यय	Staff Welfare Expenses	18,52,556	21,43,748
योग	**Total**	**7,24,01,027**	**6,35,24,510**

टिप्पण – 24 NOTE - 24

वित्त लागत	Finance Costs	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
ब्याज पर व्यय	Interest Expense	1,66,43,203	1,18,19,246
बैंक एवं वित्तीय प्रभार	Bank and Finance Charges	14,005	8,399
योग	**Total**	**1,66,57,208**	**1,18,27,645**

टिप्पण – 25 NOTE - 25

(Amount in ₹)

अवमूल्यन, परिशोधन एवं हानिकरण पर व्यय	Depreciation and Amortization Expenses	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
अवमूल्यन	Depreciation	1,02,31,995	97,64,813
योग	**Total**	**1,02,31,995**	**97,64,813**

टिप्पण – 26 NOTE - 26

अन्य व्यय	Other Expenses	Year ended 31.03.2024	Year ended 31.03.2023
मरम्मत तथा रख–रखाव:	Repairs and Maintenance:		
– भवन	- Buildings	2,17,014	2,28,389
– अन्य	- Others	6,72,805	2,86,595
यात्रा व्यय:	Traveling Expenses:		
– निदेशकगण	-Directors	16,92,609	35,05,572
– अन्य	-Others	24,60,064	23,52,521
स्थानीय यात्रा व्यय:	Conveyance Expenses	1,57,662	63,967
मुद्रण तथा लेखन–सामग्री	Printing and Stationery	4,80,053	4,96,270
किराया	Rent	2,91,828	2,71,720
संचार व्यय	Communication Expenses	7,04,185	9,77,287
प्रचार एवं बिक्री संवर्धन	Publicity and Sales Promotion	4,69,070	8,45,477
निदेशकों का शुल्क	Directors' Sitting Fee	24,66,200	13,68,800
वाहन किराया, चालन तथा रख–रखाव	Vehicle Hire, Running and Maintenance	7,97,660	9,49,758
विधिक तथा व्यावसायिक प्रभार	Legal and Professional Charges	22,43,963	42,77,039
संदिग्ध ऋण	Bad Debts	33,49,070	2,99,914
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान (फ्लोटिंग)	Provision for Doubtful Debts (Floating)	1,20,00,000	1,00,00,000
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	17,10,619	-
परिसंपत्ति, संयंत्र व उपकरण की बिक्री से हानि	Loss on Sale of PPE	78,911	4,50,957
किसानों को मुआवजा भुगतान	Compensation Paid to Farmers	11,15,180	-
आम सभा बैठक व्यय	AGM Expenses	45,35,738	24,02,648
लेखा परीक्षा शुल्क	Audit Fees		
– वैधानिक अंकेक्षण	- Statutory Audit	2,75,000	2,25,000
– कर, लेखा परीक्षा एवं अन्य	- Tax, Audit & Others	65,000	40,000
विविध खर्च	Miscellaneous Expenses	11,42,933	10,26,797
कार्बन क्रेडिट के खर्चों के लिए प्रावधान	Provision for Carbon Credit Expenses	4,48,83,247	-
दान	Donation	2,85,000	-
योग	**Total**	**8,20,93,811**	**3,00,68,711**

टिप्पण – 27

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां तथा लेखाओं पर टिप्पणियों का विवरण जो 31 मार्च 2024 तक के लेखाओं का भाग है।

(क) महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

(i) तैयार करने का आधार

ये वित्तीय विवरण भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों और लेखा मानक संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउटेंट ऑफ इंडिया और बहुराज्यीय सहकारी समितियाँ अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार हिस्टोरिकल लागत के अंतर्गत एक्रुअल आधार पर तैयार किए गए हैं।

(ii) आय/व्यय की स्वीकरण

(क) माल की बिक्री से राजस्व का हिसाब किया जाता है जिसके अंतर्गत मालिकाना हक के सभी प्रमुख जोखिम और लाभ खरीदारों को अंतरित आमतौर पर माल की डिलीवरी पर हो जाते हैं। माल की बिक्री से नेट वापसी राजस्व की गणना निवल, भत्ते, व्यापार छूट के बाद की जाती है।

(ख) सरकार एवं अन्य संस्थाओं की तरफ से क्रियान्वित की जा रही ग्रामीण विकास परियोजनाओं से आय/व्यय का हिसाब नकद आधार पर किया गया है। जो राशि खर्च हो गई लेकिन वसूल नहीं हुई है वह अनुदान वसूली योग्य दर्शाया गया है। शेष राशि यदि कोई अनुदान खाता है उसी को हस्तांतरित किया जा रहा है। आय के रूप में व्यय के खिलाफ आगामी वर्षों में किया जा रहा है।

(ग) सभी अन्य आय को लाभांश आय, मात्रा छूट और रिवॉल्विंग फंड पर सेवा शुल्क को छोड़कर प्रोद्भवन आधार पर मान्यता प्राप्त है।

(घ) विशेष रूप से सामाजिक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर प्रतिनियुक्त कर्मचारियों को वेतन व भत्ते का भुगतान संबंधित सामाजिक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के खर्च में शामिल किया गया है।

(ड.) कार्बन क्रेडिट की बिक्री उस वर्ष दर्शायी गई है जिस वर्ष कार्बन क्रेडिट बेचे गये हैं।

(iii) बीज एवं खाद पर अनुदान/छूट

(क) प्रमाणित बीज की बिक्री पर विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य सरकार के साथ दावा की गई विपणन सब्सिडी प्रोद्भवन आधार पर है।

(ख) प्रमाणित / आधार बीजों की बिक्री पर विभिन्न योजनाओं के तहत केंद्र सरकार के साथ दावा की गई उत्पादन सब्सिडी रसीद के आधार पर मानी जाती है।

(ग) विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार के साथ दावा की गई संयंत्र सब्सिडी रसीद के आधार पर मानी जाती है।

(घ) खाद पर अतिरिक्त छूट, मात्रा छूट को लेखा में प्राप्ति आधार पर किया जाता है।

(iv) सरकारी अनुदान

पूंजी प्रकृति के अनुदान और विशिष्ट संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से संबंधित संपत्ति के सकल मूल्य से कटौती की जाती है। कैपिटल नेचर के अन्य अनुदान कैपिटल रिजर्व को दिए जाते हैं। संबंधित लागत के साथ मिलान करने के लिए राजस्व से संबंधित अनुदान को एक व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है।

(v) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

स्थायी परिसम्पत्तियाँ को हिस्टोरीकल लागत से संचयी मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया गया है। समिति को जो परिसम्पत्तियां उपहार में हस्तांतरण हुई हैं उनको ₹ 1/- की लागत पर खातों में लिया है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अधिग्रहण, निर्माण और कमीशन के लिए किए गए सभी प्रत्यक्ष व्यय, जो उपयोग में लाने के लिए तैयार नहीं हैं, को "कैपिटल वर्क–इन–प्रोग्रेस" के तहत दिखाया गया है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों से संबंधित बाद के खर्चों को तभी पूंजीकृत किया जाता है जब यह संभव हो कि भविष्य में इनसे जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को मिलेंगे और वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है। प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बकाया संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अधिग्रहण के लिए भुगतान किए गए अग्रिमों को दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम के तहत "पूंजी अग्रिम" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(vi) मूल्यह्रास

(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण में मूल्यह्रास का प्रावधान उनकी उपयोगी जीवनावधि के आधार पर किया जाता है। समिति ने सभी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग "सी" में दी गई संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के उपयोगी जीवनावधि के अनुसार किया गया है। समिति ने मूल्यह्रास की गणना के लिए स्ट्रेट लाईन मैथड को अपनाया है।

(ख) परिसम्पत्तियां जिनका मूल लागत के 95% तक मूल्यह्रास हो गया है, ₹ 5000 तक की प्रत्येक मद को छोड़कर, जो उसके अधिग्रहण के वर्ष में पूरी तरह से मूल्यह्रासित किया गया है।

NOTE - 27

STATEMENT OF SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES & NOTES FORMING PART OF THE FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED AS AT 31st MARCH, 2024

(A) SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

(i) Basis of Preparation

The Financial Statements are prepared on accrual basis under the historical cost convention in accordance with the generally accepted accounting principles in India, the Accounting Standards Prescribed by ICAI and the relevant provisions of Multi-State Co-operative Societies Act, 2002.

(ii) Recognition of Income / expenditure

(a) Revenue from the sale of goods is recognized when the significant risks and rewards of ownership of the goods have passed to the buyer, usually on delivery of the goods. Revenue from the sale of goods is measured net of returns and allowances, trade discounts and volume rebates.

(b) The income and expenditure in the case of rural development projects run on behalf of Government or other agencies are recognized as income to the extent of expenses incurred thereon. The amount which is incurred but not realized is shown as Grant Recoverable. The balance amount, if any is transferred to Unutilized Grant Account and the same is being accounted as income against expenses in the subsequent years.

(c) All other income is recognized on accrual basis except dividend income, quantity rebate and service charges on revolving fund.

(d) The salary and allowances paid to the employees deputed on particular Social & Rural Development Programs have been included in the expenses of the respective Social & Rural Development Programs.

(e) The sale of Carbon Credit is recognised during the year in which Carbon Credit sales has taken place.

(iii) Subsidy or Rebate on Seed and Fertiliser

(a) The Marketing Subsidy Claimed with the State Government under various scheme on sale of certified seeds is accounted for on accrual basis.

(b) The Production Subsidy Claimed with the Central Government under various scheme on sale of certified/Foundation seeds is accounted for on receipt basis.

(c) The Plant Subsidy Claimed with the Government under various scheme is accounted for on receipt basis.

(d) The Additional Rebate, Quantity Rebate on Fertiliser is accounted for on receipt basis.

(iv) Government Grant

Grants of Capital nature and related to specific Property, Plant & Equipment are deducted from gross value of assets. Other grants of Capital nature are credited to Capital Reserve. Grant related to revenue are recognized in the Statement of Profit and Loss on a systematic basis to match them with related costs.

(v) Property, Plant and Equipments

Assets are stated at historical cost less accumulated depreciation. Assets transferred to the society as gift are accounted for at ₹ 1/- each.

All direct expenses incurred for acquiring, erecting and commissioning of Property Plant and Equipments, which are not ready for put into use, are shown under the head "Capital Work-in-Progress". Subsequent expenditures relating to property, plant and equipment is capitalized only when it is probable that future economic benefits associated with these will flow to the Society and the cost of the item can be measured reliably. Advances paid towards the acquisition of property, plant and equipment outstanding at each Balance Sheet date is classified as "Capital Advances" under Long Term Loans and Advances.

(vi) Depreciation

(a) The Depreciation is charged on the basis of useful life of the Property, Plant & Equipment. The Society has adopted useful life of Property, Plant & Equipment as given in Part "C" of Schedule II of Companies Act, 2013 in respect of all Property, Plant & Equipment. The Society has adopted Straight Line Method for computation of depreciation charged.

(b) Assets are depreciated to the extent of 95% of the original cost except items individually costing upto ₹ 5,000/-, which are fully depreciated in the year of acquisition.

(vii) माल सूचियाँ

(क) माल सूचियों का मूल्य कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य होता है। लागत एफआईएफओ आधार का उपयोग करके निर्धारित की जाती है।

(ख) जहां भी आवश्यक हो, अप्रचलन के लिए प्रावधान किया जाता है।

(viii) निवेश

(क) गैर मौजूदा निवेश का हिसाब लागत पर लगाया गया है। ऐसे निवेशों के मूल्य में कमी का प्रावधान केवल उस अवस्था में किया गया है जब वह कमी निवेश की लागत में अस्थायी तौर से भिन्न हो।

(ख) चालू निवेशों का मूल्य लागत के न्यून पर अथवा प्रत्येक निवेश के आधार पर समुचित मूल्य पर निर्धारित किया गया है।

(ix) सेवा निवृत्ति लाभ

(क) कर्मचारियों के अल्पकालिक लाभों को उस वर्ष के लाभ व हानि खातों में अनडिस्काउंटिड आधार पर व्यय के रूप में दिया जाता है, जिस वर्ष में सेवा प्राप्त की जाती है।

(ख) प्रोविडेंट फंड और फैमिली पेंशन फंड में योगदान मासिक और लाभ और हानि के खाते में डेबिट किया जाता है। कर्मचारियों को देय ग्रैच्युइटी के संबंध में उत्तरदायित्व लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की समूह ग्रैच्युइटी स्कीम की नीति योजना के तहत वित्त पोषित है। व्यय को वास्तविक मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित देय राशि के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है। निधि में चुकाए गए वार्षिक योगदान को लाभ और हानि के खाते में डेबिट किया जाता है।

(x) पूर्व अवधि आय/व्यय

प्रत्येक मामले में ₹ 2,00,000 / – से अधिक नहीं होने वाली पूर्व अवधि (ओं) से संबंधित आय / व्यय आइटम प्रत्येक वर्ष / इकाई को चालू वर्ष के लिए आय / व्यय के रूप में माना जाता है।

(xi) कराधान

(क) वर्तमान कर के लिए प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत लाभ स्वीकार्य पर विचार करने के बाद किया जाता है।

(ख) समय अंतरालों पर आस्थगित कर को विवेकपूर्ण विचार माना जाता है। आस्थगित परिसंपत्तियों को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि 'आभासी निश्चितता' नहीं होती है, भविष्य में जब कर योग्य लाभ होगा तब इस प्रकार की आस्थगित कर सम्पत्तियों को वसूल किया जा सकेगा।

(xii) प्रासंगिक देयताएं

प्रकृति में प्रासंगिक देयताओं के लिए कोई प्रावधान नहीं बनता, लेकिन अगर यह प्रभावित करता है तो लेखों को अलग टिप्पणियों द्वारा बताया गया है।

27(ख) लेखाओं पर अतिरिक्त टिप्पणियां:

(I) संविदा पर प्रस्तावित मूल्य (शुद्ध अग्रिम) जोकि पूंजीगत खातों राशि ₹ 4.09 लाख प्रदत्त नहीं किये गये हैं (पूर्व वर्ष में ₹ 48.36 लाख)

(ii) प्रासंगिक देयतायें प्रदान नहीं करने के लिए –

(vii) Inventories:

(a) Inventories are valued at lower of cost or net realisable value. The cost is determined using FIFO basis.

(b) Provision for obsolescence is made, wherever necessary.

(viii) Investments

(a) Non current Investments are carried at cost. Provision for diminution in the value of such investment is made to recognise a decline, other than temporary in the value of the investments.

(b) Current Investments are valued at lower of cost or fair value determined on an investment basis.

(ix) Retirement benefits

(a) Short Term Employees Benefits are recognised as an expenses in the Statement of Profit and Loss of the year in which the related services is rendered.

(b) Contribution to Provident Fund and Family Pension Fund is made monthly and debited to the Statement of Profit and Loss. Liability in respect of gratuity payable to employees is funded under a policy scheme of Group Gratuity Scheme of Life Insurance Co. Ltd. The expenses is recognised at the present value of the amounts payable determined using actuarial valuation techniques. Yearly contribution paid to the Fund is debited to the Statement of Profit and Loss.

(x) Prior Period Income / Expenditure

Income/Expenditure items relating to prior period(s) not exceeding ₹ 2,00,000/- in each case is at each Project/Unit is treated as Income/ Expenditure for the current year.

(xi) Taxation

(a) Provision for Current Tax is made after considering benefits admissible under the provisions of the Income Tax Act, 1961.

(b) Deferred tax is recognized subject to consideration of prudence, on timing differences. Deferred tax assets are not recognized unless there is 'virtual certainty' that sufficient future taxable income will be available against which such deferred tax assets will be realized.

(xii) Contingent Liabilities

No provision is made for liabilities, which are contingent in nature, but if material the same are disclosed by way of notes to the accounts.

27(B)Additional Notes on Accounts

(I) Estimated value of Contracts (Net of Advances) to be executed on Capital Accounts and not provided for - Rs 4.09 lacs (Previous year Rs. 48.36 lacs).

(ii) Contingent liabilities not provided for -

(Amount in ₹)

विवरण	Particulars	As at 31.3.2024	As at 31.3.2023
आयकर विभाग द्वारा जारी माँग सूचना	Demand Notice issued by Income Tax Authorities	28,51,530	18,04,730
वैट विभाग द्वारा जारी माँग सूचना	Demand Notice issued by VAT Authorities	10,89,231	10,89,231
ऋण की रसीद न देने के रूप में संस्था के खिलाफ दावा	Claim against society not acknowledge as debt	13,69,490	13,69,490
योग	**Total**	**53,10,251**	**42,63,451**

Note (a) - The Society's pending litigations comprise of claims against the Society and proceedings pending with Tax Authorities. The Society has reviewed all its pending litigations and proceedings and has made adequate provisions, wherever required and disclosed the contingent liabilities, wherever applicable, in its financial statements. The Society does not expect the outcome of these proceedings to have a material impact on its financial position.

Note (b) - Direct tax contingencies : The Society has ongoing disputes with income tax authorities relating to Tax Computation and TDS Credit mismatch. The Society has contingent liability in respect of demands from direct tax authorities for the AY 2019-20 of Rs. 12.93 Lakh, A.Y. 2021-22 of Rs. 1.97 Lakhs, for A.Y 2022-23 of Rs. 1.62 Lakhs and for AY 2018-19 of Rs. 11.99 Lakhs, which are being contested by the Society amounting 28.52 Lakhs as at March 31, 2024.

Note (c) - The amounts assessed as contingent liability do not include interest that could be claimed by counter parties.

Note (d) - The Society is subject to legal proceedings and claims, which have arisen in the ordinary course of business. The Society's management reasonably expects that these legal actions, when ultimately concluded and determined, will not have a material and adverse effect on the Society's results of operations or financial condition.

Note (e) - The Code on Social Security, 2020 ('Code') relating to employee benefits during employment and post-employment benefits received Presidential assent in September 2020. The Code has been published in the Gazette of India. However, the date on which the Code will come in to effect has not been notified. The Society will assess the impact of the Code when it comes into effect and will record any related impact in the period when the Code becomes effective.

ii(अ) विदेशी मुद्रा में किया गया व्यय | **ii(a) Expenditure incurred in foreign currency**

विवरण	Particulars	Currency (USD)	F.Y. 2023-24	F.Y. 2022-23
वेरा खाता रखरखाव शुल्क	VERRA Account Maintenance Charges	USD	1,000	-
		(Equivalent to INR)	**1,03,771**	-

विदेशी मुद्रा में आय | **Earnings in foreign currency**

विवरण	Particulars	Currency (USD)	F.Y. 2023-24	F.Y. 2022-23
कार्बन क्रेडिट की बिक्री	Sale of Carbon Credit	USD	8,16,451	-
		(Equivalent to INR)	**6,77,14,057**	-

(iii) संपत्ति का अनुमानित मूल्य

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और गैर चालू निवेशों के अलावा परिसंपत्तियों का यह मूल्य व्यापार की सामान्य परिसंपत्तियों में वसूल होने वाले उन मूल्यों से कम नहीं होगी।

(iii) Realisable Value of Assets

In the opinion of the management, the value of any of the assets other than Fixed Assets and Non-Current Investments on realisation in the ordinary course of business will not be less than the value at which these are stated.

(iv) स्थगित कर संपत्ति / (देयताएं)

शुद्ध स्थगित कर संपत्ति / (देयताएं) का विश्लेषित विवरण निम्नानुसार है: –

(iv) Deferred Tax Asset/ (Liabilities)

The breakup of net Deferred Tax Asset/ (Liabilities) is as under:-

(in ₹)

विवरण	Particulars	As at 31 March'2024	As at 31 March'2023
आस्थगित कर परिसंपत्ति	**Deferred Tax Asset**		
कर्मचारी लाभ – प्रावधान	Employee Benefits - Provision	29,97,419	21,96,259
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	82,47,782	48,42,503
		1,12,45,201	**70,38,762**
विलंबित कर देयता	**Deferred Tax Liability**		
समय अंतर – मूल्यह्रास	Timing Difference - Depreciation	(1,82,07,375)	(1,68,25,992)
योग	**Total**	**(69,62,174)**	**(97,87,230)**

In accordance with Accounting Standard-22 "Accounting for Taxes on Income", the net decrease in deferred Tax Liabilities of ₹ 28.25 Lakhs, for the year, has been credit to the Statement of Profit & Loss.

(v) संबद्ध पार्टियों की सूची (जैसा कि प्रबंधन द्वारा पहचाना गया और लेखा परीक्षकों द्वारा भरोसा किया गया)

(a) उच्च प्रबंधक वर्ग

श्री एस.पी. सिंह, प्रबंध निदेशक
श्री सुकांत शर्मा, मुख्य प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(b) एसोसिएट

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
इफको ई–बाजार

(v) List of Related Parties (as identified by the management and relied upon by auditors)

(a) Key Management Personnel

Sh. S.P. Singh, Managing Director
Sh. Sukant Sharma, Chief Manager (F&A)

(b) Associates

Indian Farmers Fertilizer Cooperative Limited
IFFCO e-Bazaar

संबद्ध पार्टियों से लेन–देन | **Transactions with Related Parties**

(Amount in ₹)

	Particulars	Indian Farmers Fertiliser Cooperative		Key Management Personnel		IFFCO e-Bazar	
		Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
क्रय	Purchases	24,12,79,24,468	27,42,14,43,251	-	-	-	-
तैयार माल की बिक्री	Sale of Finished Goods	10,51,20,215	10,15,90,839	-	-	9,95,53,766	8,30,07,976
परियोजना व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Project Expenses	6,11,55,299	6,09,20,251	-	-	-	-
लाभांश आय	Dividend Income	50,69,800	50,69,800	-	-	-	-
अन्य एवं परामर्श आय	Other & Consultancy Income	2,27,75,474	85,40,627	-	-	-	-
किराया भुगतान*	Rent Paid*	5,78,433	3,94,595	-	-	-	-
प्राप्त किराया	Rent Received	40,000	-	-	-	-	-
भुगतान किया गया लाभांश	Dividend Paid	62,67,500	62,67,500	-	-		
प्रबंधकीय पारिश्रमिक	Managerial Remuneration	-	-	1,37,16,170	1,29,73,547	-	-
इफको को बयाना राशि का भुगतान	EMD Paid to IFFCO	50,000	-	-	-	-	-
खर्चों का भुगतान (अन्य)	Expenses paid (others)	3,74,49,682	4,37,50,141	-	-	-	-
संपत्ति, संयंत्र व उपकरण का क्रय	Rebate on Nano & Scan Scheme	5,56,26,983	3,73,55,580	-	-	-	-
जमा शेष**	Closing Balance**	1,26,58,61,892 (Credit Balance)	1,021,163,989 (Credit Balance)	12,973,547	11,624,431	14,33,432 (Debit Balance)	5,35,708 (Debit Balance)

Notes: * difference from IFFCO of Rs. 0.32 Lakhs Rent.
**Net Difference of Rs. 2.01 Lakhs with IFFCO, which is due to TDS.

(vi) सेगमेंट रिर्पोटिंग नीतियां

(अ) **सेगमेंट की पहचान**

(i) प्राथमिक सेगमेंट

व्यापारिक सेगमेंटः समिति प्राथमिक प्रक्षेत्र वानिकी समितियों (पीएफएफसी) के सदस्यों के लाभ हेतु सामाजिक ग्रामीण विकास की गतिविधियों एवं भूमिहीन, सीमांत, छोटे किसान, आदिवासी और विशेषतर महिलाओं के निरंतर आजीविका विकास हेतु उर्वरक और बीज इत्यादि के प्रसंस्करण एवं व्यापार में संलग्न हैं।

(ii) द्वितीय सेगमेंट

जियोग्राफिक सेगमेंटः चूँकि प्राथमिक तौर पर समिति द्वारा गतिविधियाँ देश में सम्पन्न की गई हैं। प्रतिवेदन सेंगमेंट के एएस–17 की परिभाषा के आधार पर अलग से जियोग्राफिक सेगमेन्ट उजागर करने की आवश्यकता नहीं है।

(ब) **आवंटन अयोग्य मद**

संयुक्त/विभाग की आय, व्यय, सम्पत्ति, देनदारियाँ, पूँजी, और संचय को आवंटन आयोग मद का हिस्सा माना जाता है, जो कि किसी भी व्यवसाय के लिए पहचान योग्य है।

(vi) Segment Reporting Policies

(a) Identification of Segments

(i) Primary Segments

Business Segment: The Society is primary engaged in Social & Rural Development activities for the benefits of members including Primary Farm Forestry Cooperative Societies (PFFCS) and for sustainable livelihood of the landless, marginal and small farmers, tribal and women in particular. To achieve its objectives, The Society also deals in Fertilizers Distribution and Processing & Multiplication of Seeds.

(ii) Secondary Segment:

Geographical Segment: Geographical Segment: Since the activities of Society are primarily carried within the country, hence separate geographical segment disclosure is not required.

(b) Unallocable Items

Common / Corporate income, expenses, assets, liabilities, capital and reserves are considered part of unallocable items which are not identifiable to any business segment.

(स) **सेगमेंट सूचना** **(c) Segment Information**

(Amount in ₹)

विवरण	Particulars	Social & Rural Development Programmes		Fertiliser Trading & Seed Multiplication		Total	
		Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
आय	**Income**						
बिक्री	Sales	-	-	25,65,73,04,590	28,61,65,39,120	25,65,73,04,590	28,61,65,39,120
परियोजना योगदान/अनुदान	Project Contribution/Grant	9,50,49,980	8,55,74,295	-	-	9,50,49,980	8,55,74,295
अन्य आय	Other Income	-	-	-	-	-	-
योग आय (अ)	**Total Income (A)**	**9,50,49,980**	**8,55,74,295**	**25,65,73,04,590**	**28,61,65,39,120**	**25,75,23,54,570**	**28,70,21,13,415**
स्टॉक–इन–ट्रेड की खरीद	Purchase of Stock-in-Trade	-	-	25,09,53,98,743	28,16,07,71,836	25,09,53,98,743	28,16,07,71,836
प्रत्यक्ष व्यय	Direct Expenses	12,22,35,344	9,76,08,987	28,18,98,435	25,21,53,071	40,41,33,779	34,97,62,057
योग प्रचालन व्यय (ब)	**Total Operating Expenses (B)**	**12,22,35,344**	**9,76,08,987**	**25,37,72,97,178**	**28,41,29,24,906**	**25,49,95,32,522**	**28,51,05,33,893**
सेगमेंट प्रचालन आय (अ–ब)	**Segmental Operating Income (A-B)**	**-2,71,85,364**	**-1,20,34,692**	**28,00,07,412**	**20,36,14,213**	**25,28,22,048**	**19,15,79,522**
गैर आबन्टित आय	Unallocated Income	-	-	-	-	6,91,55,170	5,26,84,966
गैर आबन्टित व्यय	Unallocated Expenses	-	-	-	-	16,47,26,833	10,33,58,034
कर	Taxes	-	-	-	-	4,33,29,212	3,83,81,748
आस्थगित कर	Deferred Tax	-	-	-	-	(28,25,056)	(10,87,461)
निवल लाभ कर के बाद	**Net Profit After Tax**	**-**	**-**	**-**	**-**	**11,67,46,229**	**10,36,12,167**
		As at		**As at**		**As at**	
		31.03.2024	**31.03.2023**	**31.03.2024**	**31.03.2023**	**31.03.2024**	**31.03.2023**
रोजगार पूँजी	**Capital Employed**						
सेगमेंट परिसम्पत्तियां	Segment Assets	2,93,77,072	2,72,50,172	1,91,39,01,073	1,54,30,99,828	1,94,32,78,145	1,57,03,50,000
गैर आबन्टित परिसम्पत्तियां	Unallocated Assets	-	-	-	-	1,06,55,85,529	80,53,42,610
सकल परिसम्पत्तियां	**Total Assets:**	**2,93,77,072**	**2,72,50,172**	**1,91,39,01,073**	**1,54,30,99,828**	**3,00,88,63,674**	**2,37,56,92,610**
सेगमेंट देनदारियां	Segment Liabilities	99,84,350	72,37,170	2,08,34,52,572	1,57,50,54,841	2,09,34,36,923	1,58,22,92,011
गैर आबंटित देनदारियां	Unallocated Liabilities	-	-	-	-	9,49,99,139	8,18,66,505
सकल देनदारियां	**Total Liabilities:**	**9984350**	**72,37,170**	**2,08,34,52,572**	**1,57,50,54,841**	**2,18,84,36,062**	**1,66,41,58,516**

(vii) प्रति शेयर अर्जन / Earning Per Share

(Amount in ₹)

विवरण	Particulars	As at 31.03.2024	As at 31.03.2023
खातों के अनुसार कर के बाद लाभ (रुपये)	**Profit after tax as per accounts (Rs.)**	**11,67,46,229**	**10,36,12,167**
वर्ग ए के इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (अंकित मूल्य 1000/-)	Weighted average number of equity shares Class A (face value Rs.1000/-)	7,935	7,935
लाभ/(हानि) वर्ग ए इक्विटी शेयरों के लिए जिम्मेदार (रु.)	Profit/(Loss) attributable to Class A Equity Shares (Rs.)	69,28,547	61,49,079
वर्ग बी के इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (अंकित मूल्य 10000/-)	Weighted average number of equity shares Class B (face value Rs.10,000/-)	2	2
लाभ/(हानि) वर्ग बी इक्विटी शेयरों के लिए जिम्मेदार (रु.)	Profit/(Loss) attributable to Class B Equity Shares (Rs.)	17,463	15,499
वर्ग सी के इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (अंकित मूल्य 50000/-)	Weighted average number of equity shares Class C (face value Rs.50,000/-)	2,515	2,515
लाभ/(हानि) वर्ग सी इक्विटी शेयरों के लिए जिम्मेदार (रु.)	Profit/(Loss) attributable to Class C Equity Shares (Rs.)	10,98,00,219	9,74,47,590
बेसिक एंड डाइल्यूटेड ईपीएस (रु.)	**Basic & Diluted EPS (Rs.)**		
वर्ग ए – प्रति शेयर अंकित मूल्य रुपये 1000/–	Class A - Face value per share Rs.1000/-	**873.16**	**774.93**
वर्ग बी – प्रति शेयर अंकित मूल्य रुपये 10000/–	Class B - Face value per share Rs.10,000/-	**8,731.63**	**7,749.31**
वर्ग सी – प्रति शेयर अंकित मूल्य रुपये 50000/–	Class C - Face value per share Rs.50,000/-	**43,658.14**	**38,746.56**

(viii) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत कुछ खुलासे किए जाने की आवश्यकता है। सोसायटी ने अपने विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित कर दिया है और अधिनियम के तहत उनके कवरेज के बारे में आपूर्तिकर्ताओं से प्रासंगिक जानकारी संकलित करने की प्रक्रिया जारी है। चूंकि सोसायटी को खातों को अंतिम रूप देने तक अधिनियम के तहत प्रासंगिक जानकारी प्राप्त नहीं हुई है, इसलिए खातों में कोई खुलासा नहीं किया गया है।

(ix) ऑडिट के तहत वर्ष के दौरान सोसायटी ने 41629 कार्बन क्रेडिट 6.77 करोड़ रुपये में बेचे हैं और तदनुरूप 4.49 करोड़ रुपये का विभिन्न समितियों को भुगतान हेतु प्रावधान किया है।

(x) रिवोल्विंग फंड धन का एक ऐसा साधन है जिससे कई प्रकार की लघु एवं सूक्ष्म व्यावसायिक इकाइयों के विकास के लिए व्यवसाय आरम्भ करने तथा आय अर्जन हेतु ऋण की व्यवस्था की जाती है। रिवोल्विंग फंड ऐसे सूक्ष्म ऋण, सूक्ष्म प्रतिष्ठान व ग्रामीण बैंकिंग से संबंधित संस्थाओं या व्यक्तियों को ऋण उपलब्ध करवाने में विशिष्ट रूप से उपयोगी है जिन्हें जोखिम की अधिकता को देखते हुये अन्य पारम्परिक स्त्रोतों से ऋण प्राप्त करने में सफलता नहीं मिलती है। इसमें ऋण लेने वाले विशेष रूप से वस्तुओं व सेवाओं के छोटे उत्पादक जैसे दस्तकार, कृषक व महिलाऐं होते हैं जिनके द्वारा पूर्व में कभी ऋण नहीं लिया होता है अथवा किसी ऋण देने वाली संस्था तक जिनकी पहुँच नहीं होती है। रिवोल्विंग फंड से ऋण की व्यवस्था करने वाली संस्थाओं का उद्देश्य गरीब किसानों, स्वयं सहायता समूहों विशेष रूप से महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होता है। वर्ष के दौरान रिवोल्विंग फंड की वसूली का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

(xi) कुछ ठेकेदारों/ग्राहकों/आपूर्तिकर्ताओं/प्राप्य/देय और अन्य के साथ जमा राशि की पुष्टि/समाधान और परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन है, जो प्रबंधन की राय में महत्वपूर्ण नहीं होगा।

(xii) वित्त अधिनियम, 2020, ("अधिनियम"), जो 1 अप्रैल, 2021 से प्रभावी है, के अनुसार समितियों के पास धारा 115बीएडी प्लस लागू अधिभार और उपकर ("नई कर व्यवस्था") पर आयकर की कुछ शर्तों के अधीन 22% भुगतान करने का विकल्प है।

(xiii) बहु राज्य सहकारी समिति अधिनियम 2002 की धारा 63 (2)(ए) के अनुसार वार्षिक आम बैठक में अनुमोदन के अधीन, समिति की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी पर 5% की दर से लाभांश का भुगतान करने का प्रस्ताव है। वर्ष के लिए प्रस्तावित लाभांश ₹ 0.67 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 0.67 करोड़) है।

(xiv) पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के आंकड़ों के अनुरूप बनाने के लिए जहां कहीं आवश्यक समझा गया है, पुनर्वर्गीकृत /पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

(viii) Certain disclosures are required to be made under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006. The society had communicated to their Vendors/ Suppliers and further in the process of compiling relevant information from it suppliers about their coverage under the Act. As the society has not received the relevant information under the Act till finalization of accounts, no disclosure has been made in the accounts.

(ix) The Society, during the year under audit has sold 41629 no. of carbon credit for Rs. 6.77 Cr. and has made a corresponding provision of Rs. 4.49 Cr. for payment to various Societies.

(x) A Revolving Loan Fund (RLF) is a source of money from which loans are made for various micro small business development initiatives or income generation through Societies. Revolving loan funds has many characteristics with micro-credit, micro-enterprise, and village banking, providing loans to persons or groups of people that do not qualify for traditional financial services or are otherwise viewed as being high risk. Borrowers tend to be small producers of goods and services - typically artisans, poor farmers, and women who have no credit history or access to other types of loans from financial institutions. Organizations that offer revolving loan fund lending aim to help Poor farmers and member of the self help group particularly women become financially independent. No provision has been made during the year as there is recovery in revolving fund.

(xi) Balances of some of the contractors/ customers/ suppliers/ receivable/ payable and deposits with others are subject to confirmation/ reconciliation and consequential adjustments, if any, which in the opinion of the management would not be material.

(xii) Pursuant to the enactment of the Finance Act, 2020, ('Act') which is effective from April 1. 2021, Societies have the option to pay income tax at 22% u/s 115BAD plus applicable surcharge and cess ('new tax regime') subject to certain conditions

(xiii) As per Multi State Cooperative Society Act 2002 Section 63 (2) (a) Dividend is proposed to be paid @ 5% on the paid-up Equity Share Capital of the Society, Subject to the approval at the Annual General Meeting. The proposed dividend for the year work out to ₹ 0.67 Crore (Previous year ₹ 0.67).

(xiv) Previous year's figures have been regrouped/ rearranged wherever considered necessary to correspond with the current year's figures.

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
As per our report of even date attached
कृते धवन एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफ.आर.एन.: 002864एन
For Dhawan & Co.
Chartered Accountants
FRN: 002864N

कृते इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड
For Indian Farm Forestry Development Cooperative Ltd.

(सी.ए. दीपक कपूर)
साझेदार
(CA Deepak Kapoor)
(Partner)
M.No. 072302

(सुकांत शर्मा)
मुख्य प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(Sukant Sharma)
Chief Manager (F&A)

(एस.पी. सिंह)
प्रबंध निदेशक
(S.P. Singh)
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 18.05.2024

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष का नकदी प्रवाह का विवरण
CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2024

(Amount in ₹)

				Year Ended 31.03.2024		Year Ended 31.03.2023
(अ)	प्रचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह:	**(A) CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES:**				
	कर–पूर्व निवल लाभ/(हानि)	Net Profit/(Loss) before tax		**15,72,50,385**		**14,09,06,454**
	के लिये समायोजन	**Adjustment for:**				
	मूल्यह्रास से	Depreciation	1,02,31,995		97,64,813	
	ब्याज आय	Interest Income	(5,20,36,305)		(3,41,74,913)	
	लाभांश की आय	Dividend Income	(50,69,800)		(50,69,800)	
	संदिग्ध ऋण	Bad Debts	33,49,070		2,99,914	
	संदिग्ध ऋण एवं निवेश के लिए प्रावधान व्यय	Provision for Doubtful Debts Expenses	1,37,10,619		1,00,00,000	
	निवल ब्याज व्यय	Net Interest Expenses	1,66,43,202		1,18,19,246	
	संपत्ति, संयंत्र व उपकरण की बिक्री से लाभ/(हानि)	Profit/(Loss) on sale of Property, Plant and Equipment	78,911	(1,30,92,308)	4,50,957	(69,09,783)
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तनों से पूर्व प्रचालन लाभ	Operating Profit before Working Capital Changes		**14,41,58,077**		**13,39,96,671**
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तनों के लिए समायोजन	**Adjustment for Working Capital Changes :**				
	व्यापार प्राप्तियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Trade Receivables	(49,88,42,343)		(65,25,08,672)	
	इन्वेंटरी में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Inventories	2,78,30,397		(4,80,13,315)	
	अल्पावधिक अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Short-Term Advances	3,90,66,765		(6,15,08,202)	
	दीर्घावधिक अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long-Term Advances	3,04,42,508		1,27,47,082	
	व्यापार देयताओं में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Trade Payable	43,95,44,774		83,45,79,743	
	अन्य चालू देनदारियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current Liabilities	8,23,01,387		(6,51,20,339)	
	अल्पावधिक प्रावधानों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Short-Term Provision	63,17,220		53,62,066	
	दीर्घावधिक प्रावधानों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long-Term Provision	20,78,522	12,87,39,230	17,50,914	2,72,89,277
	प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash flow from operating activities**		**27,28,97,307**		**16,12,85,948**
	घटाएं: आयकर (धन वापसी का निवल)	Less: Income Tax (Net of Refund)	4,49,30,401		3,80,08,418	
	घटाएं: सहकारी शिक्षा निधि	Less: Cooperative Education Fund	11,67,462	(4,60,97,863)	10,36,122	(3,90,44,540)
	प्रचालन गतिविधियों से प्राप्त निवल नकदी	**NET CASH FROM OPERATING ACTIVITIES**		**22,67,99,444**		**12,22,41,408**
(ब)	निवेश गतिविधियों से नकदी का प्रवाह:	**(B) CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES**				
	संपत्ति, संयंत्र व उपकरण की खरीद/सीडब्ल्यूआईपी	Purchase of Property, Plant and Equipments/CWIP	(1,09,88,797)		(1,44,30,661)	
	संपत्ति, संयंत्र व उपकरण की बिक्री	Sale of Property, Plant and Equipments	1,43,504		4,49,476	
	संपत्ति, संयंत्र व उपकरण पर पूँजीगत अनुदान	Capital Subsidy on Property, Plant and Equipments	18,75,000		-	
	सावधि जमा में निवेश	Investments in Fixed Deposits	15,41,00,000		(7,49,00,000)	
	सावधि जमा से प्राप्त लाभ	Interest Received from Fixed Deposits	2,15,12,797	16,66,42,504	2,24,21,832	(6,64,59,353)
	निवेश गतिविधियों से निवल नकदी का प्रवाह	**NET CASH USED IN INVESTING ACTIVITIES**		**16,66,42,504**		**(6,64,59,353)**
(स)	वित्तीय गतिविधियों से नकदी का प्रवाह:	**(C) CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES:**				
	दीर्घावधिक के ऋण से वृद्धि/(कमी)	Increase/(Decrease) from Long-Term Borrowings	(31,39,300)		(71,61,428)	
	अल्पावधिक के ऋण से वृद्धि/(कमी)	Increase/(Decrease) from Short-Term Borrowings	-		-	
	भुगतान किया गया लाभांश	Dividend Paid	(66,85,250)		(66,85,250)	
	प्राप्त लाभांश	Dividend Received	50,69,800		50,69,800	
	ब्याज पर व्यय	Interest Expenses	(1,66,43,203)		(1,18,19,246)	
	वित्तीय गतिविधियों में उपयोग की गई निवल नकदी	**NET CASH USED IN FINANCING ACTIVITIES**		**(2,13,97,953)**		**(2,05,96,124)**
	नकदी एवं नकदी के समतुल्य में निवल वृद्धि/(कमी)	**INCREASE / (DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS**		**37,20,43,995**		3,51,85,932
	वर्ष के आरंभ में नकदी एवं नकदी के समतुल्य	CASH AND CASH EQUIVALENT AT THE BEGINING OF THE YEAR		38,15,15,671		34,63,29,739
	वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी के समतुल्य	**CASH AND EQUIVALENTS AT THE CLOSE OF THE YEAR**		**75,35,59,666**		**38,15,15,671**
	नकदी प्रवाह विवरण पर टिप्पणी:	**Notes to the cash flow statement:**				
	1. नकदी और नकदी समतुल्य में, हाथ में नकदी, बैंकों में जमा राशियां शामिल हैं।	1. Cash and cash equivalents consists of cash in hand and Balances with Banks.				
	2. नकदी प्रवाह विवरण में जो प्रस्तुत नकदी व नकदी समतुल्य तुलन पत्र में दर्शाए गए हैं शेष हैं।	2. Cash and cash equivalents included in the cash flow statement comprise the following Balance Sheet amounts.				
	पास में नकदी	Cash in Hand		1,47,859		66,480
	अनुसूचित बैंकों में शेष:	Balance with Scheduled Banks:				
	– चालू खाते एवं बचत खाते	- Current accounts and saving accounts		2,79,11,807		5,00,49,191
	– सावधिक जमा	- Fixed Deposits		72,55,00,000		33,14,00,000
				75,35,59,666		**38,15,15,671**

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
As per our report of even date attached
कृते धवन एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफ.आर.एन.: 002864एन
For Dhawan & Co.
Chartered Accountants
FRN: 002864N

(सी.ए. दीपक कपूर)
साझेदार
(CA Deepak Kapoor)
(Partner)
M.No. 072302

कृते इंडियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेंट कोआपरेटिव लिमिटेड
For Indian Farm Forestry Development Cooperative Ltd.

(सुकांत शर्मा)
मुख्य प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(Sukant Sharma)
Chief Manager (F&A)

(एस.पी. सिंह)
प्रबंध निदेशक
(S.P. Singh)
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 18.05.2024



श्री दिलीप संघाणी, अध्यक्ष, इफको द्वारा आई.एफ.एफ.डी.सी. संवर्द्धित श्रीधारी कृषक उत्पादक संगठन, जिला अमरेली (गुजरात) में चना खरीदी व्यवसाय का शुभारंभ



श्री योगेन्द्र कुमार, विपणन निदेशक, इफको प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) में कृषि वानिकी समितियों के सदस्यों को इफको नैनो उर्वरकों की जानकारी प्रदान करते हुए



इफको सी.एन. फार्म, समराला (पंजाब) में शलजम बीज उत्पादन प्रक्षेत्र

IFFDC

Preserving Nature . Nurturing Lives

इंडियन फार्म फारेस्ट्री डवलपमेन्ट कोआपरेटिव लिमिटेड
INDIAN FARM FORESTRY DEVELOPMENT COOPERATIVE LIMITED

मुख्यालय

एफ.एम.डी.आई., इफको कॉलोनी, सेक्टर–17बी, गुड़गांव–122001 (हरियाणा)

Head Office

FMDI, IFFCO Colony, Sector-17B, Gurgaon-122001 (Haryana)

दूरभाष / Telephone: 0124-2340148, फैक्स / Fax: 0124-2340149

ई–मेल / E-mail: iffdcchiefexecutive@gmail.com, वेबसाईट / Website: http://www.iffdc.in

Concept & Design: Publicity Deptt., IFFDC